सेंसेक्स	80,267.62
निफ्टी	24,611.10
सोना	1,17,440
चांदी	1,51,000
डॉलर	88.85

बालाघाट एक्सप्रेस

E-mail: balaghatexpress@gmail.com

PMG

हिन्दी दैनिक

बालाघाट
बुधवार 01 अक्टूबर 2025
आश्विन शुक्ल 10 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 11
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in

खास खबर

भोजपुरी अभिनेता और गायक पवन सिंह जुड़ेंगे एनडीए से

पटना। भोजपुरी अभिनेता और गायक पवन सिंह ने मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सहयोगी और राष्ट्रीय लोक मोर्चा के अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा से मुलाकात की। इसे बिहार विधानसभा चुनाव से पहले सामाजिक गठबंधन में आई दरार को दूर करने के लिए राजग की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। पवन सिंह ने कुशवाहा से उनके आवास पर मुलाकात की. इस दौरान उनके साथ भाजपा महासचिव विनोद तावडे और पार्टी सचिव ऋतुराज सिन्हा भी थे। तावडे बिहार में भाजपा के संगठन प्रभारी हैं। पवन सिंह ने 2024 के लोकसभा चुनावों में कुशवाहा की हार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, जब उन्होंने काराकाट सीट से निर्दलीय के रूप में चुनाव लड़ा था। यह बैठक जाहिर तौर पर सिंह के आगामी विधानसभा चुनाव लड़ने की संभावना के बीच राज्यसभा सदस्य कुशवाहा को शांत करने के उद्देश्य से हुई थी।

दिल्ली में फैल रहा एचउएन2 फ्लू

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में एचउएन2 फ्लू बहुत तेजी से फैल रहा है। ज्यादातर लोग बुखार, खांसी और सर्दी जैसी शिकायतें कर रहे हैं। डॉक्टर्स का कहना है कि इस फ्लू को गलती से भी नॉर्मल फ्लू समझने की कोशिश ना करें। उन्होंने चेतावनी दी है कि ये फ्लू नॉर्मल फ्लू से ज्यादा गंभीर हो सकता है। रेडक्लिफ लैब्स की चीफ पैथोलॉजिस्ट, डॉ. मयंका लोढ़ा सेठ के अनुसार, अगर खांसी या सर्दी 2 दिन से ज्यादा रहे, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। एचउएन2 एक तरह का फ्लू वायरस है, जो सांस की बीमारियां पैदा करता है। ये नॉर्मल सर्दी-जुकाम से अलग है, क्योंकि यह ज्यादा समय तक रह सकता है और गंभीर हो सकता है। मौसम बदलते समय, जब आपकी इम्यूनिटी कम होती है, तब ये बहुत तेजी से और जल्दी फैलता है।

विश्व का सबसे ऊंचा रावण तैयार

कोटा। कोटा का 132वां राष्ट्रीय दशहरा मेला 2025 इतिहास रचने के लिए तैयार है। इस बार मेले में रावण दहन का नजारा पूरे देश ही नहीं, बल्कि दुनिया के लिए आकर्षण का केंद्र बनने वाला है। करीब चार महीने में कारीगरों ने विश्व का सबसे ऊंचा (221 फीट) रावण तैयार किया है। दशहरा मैदान ग्राउंड में क्रेन की मदद से इस विशालकाय पुतले को खड़ा किया गया। दोपहर करीब 3 बजे से इसे प्रयास शुरू हो गए थे। पूरी तरह पुतले को खड़ा करने में रात के 8 बज गए थे। इसे बनाने में 44 लाख रुपए की लागत आई है। रावण के इस पुतले को लेकर कोटा का नाम एशिया बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स और इंडिया बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज होगा।

कुछ ना कहना

कोरियन वैज्ञानिकों की रिपोर्ट में कोविड वैक्सीन के एक नए और अति गंभीर साइड-इफेक्ट का खुलासा

कैंसर का खतरा बढ़ा रही कोविड वैक्सीन!

विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि वैक्सीन के प्रभावों पर लंबी अवधि की निगरानी जरूरी

नई दिल्ली। साल 2020 से 2022 तक पूरी दुनिया ने कोरोना महामारी का भयावह दौर देखा। इस दौरान लाखों लोग संक्रमण का शिकार हुए और बड़ी संख्या में लोगों की मौतें भी हुई। हालांकि वैज्ञानिकों ने इससे बचाव के लिए तेजी से वैक्सीन तैयार कर ली, दावा किया जा रहा है इन टीकों ने लाखों लोगों को कोरोना संक्रमण की जटिलताओं और मौत के खतरे से बचाया।

कोविड-19 महामारी के दौर में जब पूरी दुनिया डर और अनिश्चितता से जूझ रही थी, तब वैक्सीन किसी वरदान से कम साबित नहीं हुई। यही कारण है कि इसे वैश्विक स्तर पर सबसे बड़ी मेडिकल उपलब्धियों में गिना जाता है। हालांकि शुरुआत से ही वैक्सीन को लेकर सवाल भी उठते रहे। रिपोर्ट्स में चिंता जताई गई कि कोविड के टीकों ने हृदय स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाया और हार्ट अटैक के खतरे को बढ़ा दिया, वहीं कुछ रिपोर्ट्स ने इस दावे को खारिज भी कर दिया। अब वैक्सीन के एक नए और अति गंभीर साइड-इफेक्ट को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। एक हालिया रिपोर्ट में कोरियन वैज्ञानिकों ने अलर्ट किया है कि कोविड वैक्सीन कैंसर के खतरे को भी बढ़ाने वाली हो सकती है। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि वैक्सीन के प्रभावों पर लंबी अवधि की निगरानी जरूरी है।

कोविड वैक्सीन से कैंसर

कोरियाई शोधकर्ताओं ने एक रिपोर्ट में दावा किया है कि उन्हें इस बात के प्रमाण मिले हैं कि कोविड के टीकों से फेफड़े, स्तन और प्रोस्टेट सहित छह प्रकार के कैंसर का खतरा बढ़ गया है। यह खतरा 65 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों में सबसे ज्यादा देखा जा रहा है। हालांकि स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने यह स्पष्ट नहीं किया है कि टीकों ने इस जोखिम को क्यों बढ़ाया होगा? इस रिपोर्ट के सामने आने के बाद से कोविड के टीकों के दुष्प्रभावों को लेकर फिर से चर्चा तेज हो गई है। हालांकि विशेषज्ञों की एक अन्य टीम ने इस अध्ययन को सतही रूप से चिंताजनक बताते हुए खारिज कर दिया और चेतावनी दी कि इसके निष्कर्ष बहुत बढ़ा-चढ़ाकर बताए गए हैं। वैज्ञानिकों ने कहा, इस बात का कोई विश्वसनीय प्रमाण नहीं है कि ये टीके ट्यूमर सप्रेसर्स को बाधित करते हैं या किसी भी प्रकार की प्रक्रिया को बढ़ावा देते हैं जिसके परिणामस्वरूप कैंसर होता है। अब उस अध्ययन की रिपोर्ट पर वापस लौटते हैं जिसमें कोरियाई विशेषज्ञों ने दावा किया है कि कोविड के टीके कैंसर का खतरा बढ़ा सकते हैं।

अध्ययन में सामने आए कई तथ्य

बायोमार्कर रिसर्च पत्रिका में प्रकाशित यह अध्ययन ऑर्थोपेडिक सर्जरी और क्रिटिकल केयर के कोरियाई चिकित्सकों द्वारा किया गया, जिन्होंने साल 2021 और 2023 के बीच 84 लाख से ज्यादा वयस्कों के स्वास्थ्य रिकॉर्ड का विश्लेषण किया। प्रतिभागियों को दो समूहों में वर्गीकृत किया गया था- पहला जिन्हें सिर्फ कोविड के एक या दो टीके लगे थे और दूसरा जिन्हें बूस्टर शॉट्स भी लगाए गए थे। टीकों के एक साल बाद प्रतिभागियों में कैंसर के जोखिमों का पता लगाने के लिए जांच की गई। रिपोर्ट में सामने आया कि जिन लोगों ने कम से कम एक कोविड टीका लिया था, उनमें थायरॉइड कैंसर होने का जोखिम 35 प्रतिशत और गैस्ट्रिक कैंसर होने का जोखिम 34 प्रतिशत बढ़ गया। फेफड़ों और प्रोस्टेट कैंसर के लिए यह जोखिम क्रमशः 53 और 68 प्रतिशत वहीं स्तन और कोलोरेक्टल कैंसर का खतरा क्रमशः 20 और 28 प्रतिशत बढ़ गया है। ये दुष्प्रभाव सीडीएनए टीकों में देखे गए।

कोविड के टीके और इसके दुष्प्रभाव

यहां गौरतलब है कि बाजार में कोई आधिकारिक रूप से सीडीएनए-आधारित कोविड टीके नहीं हैं। लेखकों ने आगे कहा कि फाइजर और मॉडर्ना जैसी एमआरएनए वैक्सीन भी थायरॉइड, कोलोरेक्टल, फेफड़े और स्तन कैंसर के जोखिमों को बढ़ाने वाली हो सकती हैं। टीकाकरण वाले पुरुष गैस्ट्रिक और फेफड़ों के कैंसर के प्रति अधिक संवेदनशील थे, जबकि महिलाओं में थायरॉइड और कोलोरेक्टल कैंसर का खतरा अधिक देखा गया। अब तक हुए तमाम अध्ययनों में यह व्यापक रूप से स्वीकार किया गया है कि कोविड के कुछ टीकों के गंभीर दुष्प्रभाव हो सकते हैं, जिनमें हृदय संबंधी स्थितियां भी शामिल हैं। हालांकि यह दावा कि ये टीके कैंसर के खतरे को भी बढ़ा सकते हैं, विवादास्पद बना हुआ है।

पीएम मोदी को हिंसा और डर की राजनीति बंद कर संवाद करना चाहिए- राहुल

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने लद्दाख में हुई हिंसा को लेकर मंगलवार को केंद्र सरकार को घेरा। एक पूर्व सैनिक के मारे जाने का हवाला देते हुए राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि पीएम मोदी ने इस केंद्रशासित प्रदेश के लोगों के साथ धोखा किया है। राहुल ने कहा कि पीएम मोदी को हिंसा और डर की राजनीति बंद करके संवाद करना चाहिए। हिंसा की न्यायिक जांच होनी चाहिए। बीते 24 सितंबर को हुई हिंसा में कारगिल युद्ध में भाग लेने वाले पूर्व सैनिक त्सावांग थारचिन की भी मौत हो गई थी। राहुल गांधी ने एक्स पर थारचिन के पिता का वीडियो साझा किया।

राहुल गांधी ने पोस्ट में लिखा- पिता फौजी, बेटा भी फौजी, जिनके खून में देशभक्ति बसी है। फिर भी बीजेपी सरकार ने देश के वीर बेटे की गोली मारकर जान ले ली, सिर्फ इसलिए क्योंकि वह लद्दाख और अपने अधिकार के लिए खड़ा था। उन्होंने कहा कि पिता की दर्द भरी आंखें बस एक सवाल कर रही है- क्या आज देशसेवा का यही सिला है?

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि हमारी मांग है कि लद्दाख में हुई इन हत्याओं की निष्पक्ष न्यायिक जांच होनी चाहिए और दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए। राहुल गांधी ने कहा कि मोदी जी, आपने लद्दाख के लोगों को धोखा दिया है। वह अपना हक मांग रहे हैं। संवाद कीजिए। हिंसा और डर की राजनीति बंद कीजिए। केंद्र के साथ बातचीत को आगे बढ़ाने के लिए लेह एपेक्स बॉडी (एलएबी) की ओर से बंद बुलाया गया था। इस दौरान सुरक्षा बलों और प्रदर्शनकारियों के बीच हिंसक झड़प के बाद 24 सितंबर को लेह में कर्फ्यू लगा दिया गया। हिंसा में चार लोगों की मौत हो गई। यह संगठन राज्य का दर्जा और लद्दाख में छठी अनुसूची के विस्तार के लिए आंदोलन का नेतृत्व कर रहा है।

अरविंद शर्मा होंगे विधानसभा के नए प्रमुख सचिव

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा के नए प्रमुख सचिव अरविंद शर्मा होंगे। वर्तमान प्रमुख सचिव एपी सिंह नौ साल तक पीएस की जिम्मेदारी निभाने के बाद मंगलवार को रिटायर हो गए और शर्मा उनका स्थान लेंगे। उधर, एमपी सिंह को मानव अधिकार आयोग में प्रशासनिक सदस्य नियुक्त किया जाएगा, जिसके आदेश जल्द जारी होंगे।

प्रमुख सचिव विधानसभा एपी सिंह को मानव अधिकार आयोग में प्रशासनिक सदस्य बनाए जाने को लेकर सोमवार हुई बैठक में निर्णय लिया गया था। एपी सिंह 2016 से लगातार मप्र विधानसभा के प्रमुख सचिव हैं। 2023 में रिटायरमेंट के बाद उन्हें एक-एक साल की दो सेवावृद्धि दी जा चुकी हैं। इस तरह एपी सिंह 10 साल लगातार विधानसभा में प्रमुख सचिव रहने वाले एकमात्र अधिकारी हैं। हालांकि उनकी नियुक्ति के प्रस्ताव का कांग्रेस की ओर से नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने विरोध किया था। सिंघार चयन समिति में शामिल थे और उन्होंने कहा है कि कांग्रेस आयोग में प्रशासनिक सदस्य की नियुक्ति के खिलाफ हाईकोर्ट जाएगी। विधानसभा के मौजूदा सचिव अरविंद शर्मा अगले प्रमुख सचिव होंगे। वर्तमान प्रमुख सचिव एपी सिंह ने कहा कि शर्मा की नियुक्ति को लेकर विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने सहमति दे दी है।

देश का पहला झुग्गी-मुक्त शहर बना चंडीगढ़....

25 साल की मेहनत के बाद पाया मुकाम

चंडीगढ़। केंद्रशासित प्रदेश चंडीगढ़ देश का पहला झुग्गी-मुक्त शहर बन गया है। मंगलवार सुबह चंडीगढ़ प्रशासन ने शहर की अंतिम बची झुग्गी बस्ती को ढहा दिया, जो सेक्टर 38 की शाहपुर कॉलोनी में थी। इस विध्वंस कार्य के लिए 8 टीमें बुलडोजरों के साथ तैनात की गईं। शांति सुनिश्चित करने के लिए करीब 500 पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया था। किसी भी मेडिकल इमरजेंसी के लिए डॉक्टरों, पैरामेडिकल स्टाफ और एम्बुलेंस सहित चिकित्सा टीमें भी मौके पर तैयार रहीं।

रिपोर्ट के मुताबिक, 4 एकड़ सरकारी जमीन पर फैली शाहपुर कॉलोनी की कीमत करीब 250 करोड़ रुपये आंकी गई। इसमें करीब 300 झोपड़ियां थीं, जहां करीब 1 हजार लोग रहते थे। चंडीगढ़ प्रशासन ने कॉलोनी के बाहर पहले ही सार्वजनिक नोटिस लगा दिया था, जिसमें निवासियों को जगह खाली करने के लिए कहा गया। इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट को निर्देश दिए गए कि विध्वंस कार्य से एक दिन पहले बिजली और पानी के कनेक्शन काट दिए जाएं, ताकि कार्य सुचारु रूप से हो और किसी भी खतरे से बचा जा सके। झोपड़ियों को ढहाने के बाद प्रशासन ने भविष्य में अतिक्रमण रोकने के लिए खाली जमीन को तारबंद करने की योजना बनाई है।

बात दें कि चंडीगढ़ प्रशासन 2000 के दशक की शुरुआत से शहर को झुग्गी-मुक्त बनाने की दिशा में लगा है। वर्ष 2006 में प्रशासन ने चंडीगढ़ स्मॉल फ्लैट्स स्कीम के तहत पुनर्वास पहल शुरू की थी। इसके तहत शहर की 2,811 एकड़ खाली जमीन में से करीब 356 एकड़ को 25,728 फ्लैट्स के निर्माण के लिए आवंटित किया गया, जिसमें 18 अनधिकृत कॉलोनियों की 23,841 परिवारों को बसाने की योजना थी। इन परिवारों में करीब एक लाख से अधिक लोग शामिल हैं, उन्हें पुनर्वास के बाद मामूली मासिक किराए का भुगतान करना था। हालांकि, देरी और गैर-भुगतान के कारण काफी बकाया राशि जमा हो गई है।

बेटिंग ऐप मामले में उर्वशी रौतेला से ईडी करेगी पूछताछ

नई दिल्ली। उर्वशी रौतेला को ईडी ने बेटिंग ऐप मामले में समन जारी किया था। उन्हें इस केस में पूछताछ के लिए दिल्ली हेडक्वार्टर में पेश होना है। मिमी चक्रवर्ती को इस मामले में 15 सितंबर को ईडी ने पेशी के लिए समन भेजा था। उनसे 15 को पूछताछ हुई थी और पहले उर्वशी से 16 सितंबर को पूछताछ होनी थी। उर्वशी इस बेटिंग ऐप की इंडिया की एम्बेसेडर थीं। उन्होंने भारत में इसका एंडोर्समेंट किया था।

ईडी ने जांच में पाया कि एंडोर्समेंट फीस से खरीदी गई संपत्तियां प्रोसीड्स ऑफ क्राइम यानि अपराध की आय से कमाया गया पैसा और कुछ संपत्तियां विदेश में भी होने की आशंका है। अभी तक इस मामले में क्रिकेटर युवराज सिंह, सुरेश रैना, रॉबिन उथप्पा, शिखर धवन और अभिनेता सोनू सूद, मिमी चक्रवर्ती, अंकुश हजरा से पूछताछ हो चुकी है।

पूर्व गृह मंत्री पी चिदंबरम ने किया खुलासा...मनमोहन सरकार पर अमेरिकी दबाव था, इसलिए पाकिस्तान पर कार्रवाई नहीं की

मैं मुंबई हमले का बदला लेना चाहता था

नई दिल्ली। मनमोहन सरकार में गृह मंत्री रहे पी चिदंबरम ने खुलासा किया है कि 26/11 के मुंबई आतंकी हमले के बाद उनके मन में भी बदला लेने का विचार आया था, लेकिन उस वक्त की तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने सैन्य कार्रवाई नहीं करने का फैसला लिया। 2008 के मुंबई आतंकी हमलों के 17 साल बाद पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री ने एक चैनल को मंगलवार को दिए इंटरव्यू में कहा कि पाकिस्तान के खिलाफ जवाबी कार्रवाई न करने का फैसला अंतरराष्ट्रीय दबाव और विदेश मंत्रालय के रुख के कारण लिया गया था। मुंबई हमले में 175 लोगों की जान गई थी। 60 घंटों तक 10 आतंकियों ने मुंबई की सड़कों, ताज होटल, सीएसटी रेलवे स्टेशन, नरीमन हाउस और कामा हॉस्पिटल को निशाना बनाया था। अंधाधुंध फायरिंग की थी।

भारत की निचली अदालतें, दुनिया में सबसे निष्पक्ष

नई दिल्ली। भारत की निचली अदालतो के जजों द्वारा दिए गए फैसले दुनिया में सबसे ज्यादा निष्पक्ष पाये गए हैं। ईटीएच ज्यूरिख इंपीरियल कॉलेज लंदन हार्वर्ड और डार्टमाउथ कॉलेज के हजारों शोधकर्ताओं ने 7.7 करोड़ मुकदमों का डेटाबेस तैयार किया है। इसमें 2010 से लेकर 2018 के 50 लाख भारतीय अदालतों के आपराधिक मामलों का विश्लेषण किया गया है। सभी केस भारतीय निचली अदालतों के थे। नतीजे में पाया गया भारत की निचली कोर्ट के जज निष्पक्ष रूप से काम कर रहे हैं। उनके फैसलों में निष्पक्षता देखने को मिली है। दुनिया के अन्य देशों के निर्णयों में पक्षपात देखने को मिला है। अमेरिका में अश्वेत और श्वेत के आधार पर फैसले लिए जाते हैं। इजराइल में यहूदी और अरब जज अपने समुदाय का पक्ष लेते हैं। केन्या और चीन में भी जाति और लैंगिक पक्षपात के प्रमाण शोधकर्ताओं को मिले हैं। भारत में पक्षपात पूर्ण निर्णय की संभावना सीमित पाई गई है। भारत की निचली अदालतें धार्मिक त्योहार महिलाओं से जुड़े अपराध में पक्षपाती नहीं है। शोधकर्ताओं ने अपने शोध में पाया है, भारत में महिला जज महिलाओं को ज्यादा राहत देती हुई नहीं दिखती हैं। उनका फैसला निष्पक्ष होता है। मुस्लिम प्रतिवादी को मुस्लिम जजों से कोई लाभ नहीं मिलता है। फैसले में जाति आधार पर भी जजों द्वारा निष्पक्ष रूप से फैसले दिए गए हैं।

जनरल रिजर्वेशन में आज से ई-आधार वेरिफिकेशन जरूरी

नई दिल्ली। 1 अक्टूबर से तत्काल टिकट की तरह ही जनरल रिजर्वेशन (सामान्य आरक्षण) टिकट की बुकिंग करते वक्त भी ई-आधार वेरिफिकेशन जरूरी होगा। इंडियन रेलवे ने 14 सितंबर को इसकी घोषणा की थी। रेल मंत्रालय के अनुसार आईआरसीटीसी वेबसाइट या एप पर जनरल रिजर्वेशन खुलने के पहले 15 मिनट में टिकट बुक करने के लिए आधार वेरिफिकेशन जरूरी होगा। इससे फर्जी आईडी, एजेंट्स की टिकटों की कालाबजारी और बॉट्स की बुकिंग पर लगाम लगेगी।

अगर आपका आईआरसीटीसी अकाउंट पहले से आधार से लिंक है, तो बुकिंग आसान रहेगी। वेटिंग कम होगी, और टिकट्स जल्दी कन्फर्म होंगे। रेलवे के कंप्यूटरीकृत पीआरएस काउंटरों पर जनरल रिजर्वेशन टिकट बुक करने का पुराना शेड्यूल वही रहेगा। साथ ही, रेलवे के अधिकृत टिकटिंग एजेंट्स के लिए पहले दिन टिकट बुकिंग पर 10 मिनट की पाबंदी भी बिना किसी बदलाव के जारी रहेगी।

चेन्नई में एननोर थर्मल पावर प्लांट में हादसा, 9 मजदूरों की मौत

चेन्नई। तमिलनाडु के चेन्नई में मंगलवार शाम एननोर थर्मल पावर प्लांट की कंस्ट्रक्शन साइट में 30 फीट की ऊंचाई से लोहे का स्लैब का हिस्सा गिरा। इसके नीचे दबने से 9 मजदूरों की मौत हो गई। एक मजदूर घायल हो गया है। पुलिस के मुताबिक, यहां लोहे का ऊंचा स्ट्रक्चर तैयार किया जा रहा था, जिसका कुछ हिस्सा नीचे खड़े मजदूरों पर गिरा है। घायलों का अस्पताल में इलाज जारी है। स्लैब किस कारण ढहा इसकी जांच की जा रही है। मृतक असम और आसपास से थे।

छिंदवाड़ा में किडनी संक्रमण से सात बच्चों की मौत ने बढ़ाई चिंता, प्रशासन अलर्ट

जिलाधिकारी ने डॉक्टरों को तत्काल उपचार व नागपुर एम्स रेफर करने के दिए निर्देश

भोपाल। मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा में पिछले 22 दिनों में गुर्दे के संक्रमण से सात बच्चों की मौत ने चिंता बढ़ा दी है। जिला प्रशासन सक्रिय है और जिलाधिकारी ने चिकित्सकों को तत्काल उपचार व नागपुर एम्स में रेफर करने के निर्देश दिए हैं, वहीं सीएम ने भी त्वरित और सर्वोत्तम उपचार तय करने को कहा है। मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा जिले के चार साल के बच्चे की किडनी में संक्रमण के कारण महाराष्ट्र के नागपुर स्थित एक अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। अधिकारी ने मंगलवार को जानकारी देते हुए, बताया कि पिछले 22 दिनों में किडनी में संक्रमण के ऐसे ही मामलों में छिंदवाड़ा के सात बच्चों की मौत हो चुकी है। इस तरह के मामलों की बढ़ती संख्या ने जिले के अधिकारियों की चिंता बढ़ा दी है।

अधिकारियों ने बताया कि छिंदवाड़ा जिले के दिघवानी गांव के रहने वाले विकास यदुवंशी (4) की शनिवार को नागपुर के अस्पताल में मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि जिला मुख्यालय से करीब 55 किलोमीटर दूर तामिया और समीपवर्ती कोइलांचल इलाकों में इस प्रकार के किडनी संक्रमण के मामले ज्यादा पाए गए हैं और यहां के निजी अस्पतालों में अब भी कुछ बच्चों का इलाज चल रहा है। छिंदवाड़ा के जिलाधिकारी ने कहा कि सरकारी चिकित्सकों को निर्देश दिए कि वे संक्रमण के लक्षण दिखने वाले बच्चों को हरसंभव चिकित्सा देखभाल प्रदान करें और पूरी तरह से सक्रिय रहें।

उन्होंने कहा कि जिन मरीजों को तत्काल बेहतर उपचार की जरूरत है, उन्हें एम्स नागपुर रेफर किया जाए। जरूरत पड़ने पर लोगों की जान बचाने के लिए मध्यप्रदेश सरकार की 'पीएम श्री एयर एम्बुलेंस सेवा' की व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने कहा कि सीएम मोहन यादव ने उनसे फोन पर बात की और उनसे मरीजों को शीघ्र और सर्वोत्तम उपचार सुनिश्चित करने के लिए कहा। जिला अस्पताल के बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. दीपक पटेल ने बताया कि अब तक एक से सात साल की उम्र के सात बच्चों की किडनी संक्रमण के कारण मौत हो चुकी है। उन्होंने कहा कि आईसीएमआर की एक टीम ने हाल में प्रभावित क्षेत्रों का सर्वेक्षण किया और परीक्षण के लिए नमूने लिए।

उन्होंने कहा कि भोपाल से स्वास्थ्य विभाग की एक टीम ने भी घरों से पानी के नमूने लिए हैं। इन्हें पुणे की प्रयोगशाला में भेजा गया है। रिपोर्ट आने के बाद मौतों के सही कारण का पता चल सकेगा। कार्यवाहक मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने कहा कि संक्रमण का पहला संदिग्ध मामला 24 अगस्त को सामने आया था और उसके बाद पहली मौत 7 सितंबर को हुई थी।

अधिकारियों के मुताबिक इस बीमारी के शुरुआती लक्षणों में तेज बुखार और पेशाब करने में कठिनाई आना शामिल है। वर्तमान में छिंदवाड़ा जिले में तीन और नागपुर में चार बच्चों का इलाज किया जा रहा है और उनकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है।

कल मनाया जायेगा दशहरा पर्व

एसडीएम सहित नगर अधीक्षक ने लिया ग्राउंड की व्यवस्थाओं का जायजा

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। शहर में हो रहे कई वर्षों से रावण दहन की व्यवस्थाओं को इस बार और बेहतर बनाने के लिए जिला प्रशासन ने इसमें कई बदलाव किए हैं। जिसका उद्देश्य यहां सैकड़ो की संख्या में आने वाले आमजन को अच्छी से अच्छी व्यवस्था दी जानी है, क्योंकि बीते दिनों देखा गया था कि यहां बरसात होने और बाहर निकासी की व्यवस्था ठीक से नहीं होने के कारण आमजन को परेशानी का सामना करना पड़ा था। इन्हीं सब व्यवस्थाओं को देखते हुए इस बार जिला प्रशासन की टीम ने ग्राउंड में और अच्छी से अच्छी व्यवस्था दिए जाने को लेकर कुछ बदलाव किए हैं। साथ ही 30 सितंबर को एसडीएम गोपाल सोनी सहित नगर अधीक्षक वैशाली सिंह ने ग्राउंड की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और यातायात व्यवस्था को ठीक करने के लिए कई दिशा निर्देश संबंधित विभाग को दिए हैं। इस बार बालाघाट शहर में 2 अक्टूबर को दशहरा पर्व मनाते हुए रावण के पुतले का दहन किया जाएगा। आपको बता दे कि लगातार 60 वर्ष से ज्यादा समय से बालाघाट में दशहरा पर्व पर रावण दहन होते आ रहा है, इस वर्ष भी 2 अक्टूबर को दशहरा मैदान में होने वाले रावण दहन के आयोजन की तैयारियों में जुटे आयोजक और प्रशासन, ने इस वर्ष कई व्यवस्थाओ को बदला है, ताकि दशहरा मैदान में शामिल होने वाले दो से पांच हजार लोगों को किसी प्रकार से रावण दहन देखने असुविधा का सामना ना करना पड़े। मंगलवार को एसडीएम गोपाल सोनी, सीएसपी वैशालीसिंह कराहलिया और नपा सीएमओ बी.डी. कतरोलिया की टीम ने मैदान में चल रही तैयारियों का निरीक्षण किया। अधिकारियों की टीम ने, इस वर्ष 60 फीट के रावण और 55-55 फीट के मेघनाथ और कुंभकर्ण के दहन होने वाले प्रतिकात्मक पुतले के निर्माण और मैदान आने वाले लोगों के लिए की जा रही तैयारियों को देखा। पहले, जब मुख्यालय में एक ही आयोजन होता था तो लोगों की संख्या ज्यादा होती थी लेकिन नगर के बूढ़ी और गायखुरी में भी रावण दहन के कार्यक्रम आयोजित होने से मुख्य दशहरा चल समारोह और रावण दहन देखने आने वाले लोगों की संख्या में कमी हुई है। फिर भी शहर और बालाघाट के रावण दहन देखने आने वाले लोग, बड़ी संख्या में होते है। जिसे देखते हुए प्रशासन ने इस बार कई व्यवस्थाओ को बदला है। जिसमें प्रकाश व्यवस्था को लेकर व्यापक तैयारी है, जिसमें पूरा मैदान और आसपास के 100 मीटर से ज्यादा के क्षेत्र को बिजली की रोशनी से घेरा जाएगा। यही नहीं बल्कि इस बार रावण, मेघनाथ और कुंभकर्ण के दहन करने वाले श्रीराम शोभायात्रा और हनुमान जी के प्रवेश मार्ग को भी परिवर्तित कर उसे लायब्रेरी एंड से किया गया है। इसके अलावा यहां मेडिकल और फायर व्यवस्था भी की गई है। जिसमें टीमें मौजूद रहेगी। दशहरा मैदान में रावण दहन देखने, मैदान किनारे, पसरे अतिक्रमण को लेकर आ रही दिक्कतों को देखते हुए उन्हें भी एसडीएम गोपाल सोनी ने व्यवस्थित करने के निर्देश दिए है। एसडीएम गोपाल सोनी ने बताया कि रावण दहन के दौरान कैंपस में प्रवेश करनी वाली श्रीराम शोभायात्रा और हनुमान स्वरूप के साथ, तकरीबन 20 से 25 वांलिटियर को ही प्रवेश दिया जाएगा। इसके अलावा प्रशासन ने आयोजक महावीर सेवादल समिति को ड्रेस कोड में रहने के निर्देश दिए है, ताकि उनकी पहचान हो सके। प्रशासनिक व्यवस्था में इस बार बीते वर्ष से सबक लेकर, बूढ़ी से हनुमान स्वरूप के मुख्य समारोह तक आ जाने से पैदा हुई दिक्कत के बाद, उसे क्षेत्र में ही बेरिकेटिंग कर रोक दिए जाने की बात कही गई है, ताकि मुख्य समारोह में किसी तरह की हॉचपाच जैसी स्थिति ना हो। आपको बताते चले कि 2 अक्टूबर को मनाए जाने वाले दशहरा चल समारोह को लेकर आयोजक महावीर सेवादल समिति पुतलों के निर्माण और चल समारोह की व्यवस्था देख रही है। इस वर्ष पहली बार, प्रशासनिक तौर से मनोनित किए गए तुषार उपाध्याय, हनुमान जी का स्वरूप धारण करेंगे। जिस स्वरूप का वजन 40 किलो होता है। जिसे धारण करने वाले साधक दशहरा के दो महिने पहले और नवरात्र से मंदिर में तपस्या में जुट जाते है।

अन्नपूर्णा दुर्गा उत्सव समिति वार्ड नंबर 20 में चल रहा 10 दिनों से विशाल भंडारा

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। वार्ड नंबर 20 बालाघाट में अन्नपूर्णा मंदिर में इस वर्ष अन्नपूर्णा दुर्गा उत्सव समिति का 50 वा गोल्डन जुबली ईयर है, जो की बड़ी धूमधाम से मनाया जा रहा है। स्वर्ण जयंती वर्ष पर माता रानी की आकर्षक मूर्ति गोंदिया से मंगाई गई है और जिनका आगमन बड़ी धूमधाम से पूरे शहर में मूर्ति को आतिशबाजी ढोल धमाके के साथ घूमाकर किया गया। माता रानी की स्थापना के दिन से ही माता रानी के दरबार में भव्य भंडारा पूरा भोजन श्रद्धालुओं को कराया जा रहा है, जिसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालु भोजन प्राप्त कर रहे हैं। प्रतिदिन शाम 7:30 बजे आरती के पश्चात भंडारा प्रारंभ किया जाता है और युवाओं की टोली पूरे उत्साह के साथ श्रद्धालुओं को भोजन कराती है। युवाओं के श्रद्धा भाव की पूरे शहर में प्रशंसा की जा रही है। इस तरह का शानदार आयोजन शहर में पहली मर्तबा देखने को मिल रहा है, जहां श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ रही है, दानदाताओं द्वारा दान भी बढ़-चढ़कर किया जा रहा है। इस आयोजन को सफल बनाने में भंडारा समिति के अध्यक्ष सुशील चौरसिया एवम् युवा टीम के समन्वयक सनी वर्मा के नेतृत्व में युवाओं की टोली विक्की सचदेवा, विजय जीवनी, अनिल वाधवानी, राजा देवानी, नानक पलायनी, उत्कर्ष वर्मा, विनय शांडिल्य, सतेंद्र श्रीवास्तव सिद्धांत वर्मा, कुशाल सोनी, आकाश जैन, रोहित सेन, सनी संपल, कुणाल सोनी कुलदीप कनोजिया, आर्यन वर्मा, प्रदीप गुरनानी, सत्यम वर्मा, ओम वाधवानी, योगेश वाधवानी, सिंधु पंजवानी, विशाल देवानी, कुनाल देवानी, रौनक वेद, सुमित चिंजवानी, दीपक गुरनानी, रवि जश्नवानी, नीलेश मोटवानी, धीरेश जतेरे, पराग चौहान, उदीप दास, मनू सेन भंडारा करवाती है।

कान्हा टाइगर रिजर्व के खुले गेट, वाइल्डलाइफ वीक के साथ नए सत्र की हुई शुरुआत

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। कान्हा टाइगर रिजर्व के 1 अक्टूबर से गेट खुल रहे हैं। जिसके लिए विभाग ने सभी तैयारियां कर ली है। साथ ही इस बार वाइल्डलाइफ वीक के साथ इस सत्र की शुरुआत की जाएगी। जिसमें सप्ताह भर तक विभाग अलग-अलग दिन अलग-अलग कार्यक्रमों का आयोजन करेगा। जिसमें मैराथन दौड़, सफाई अभियान सहित लोक संगीत को लेकर कई क्षेत्रीय व्यंजन एवं उत्साह को लेकर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, साथ ही बताया जा रहा है कि पहले दिन 300 से अधिक पर्यटकों का कान्हा पहुंचने का अनुमान लगाया जा रहा है।

आपको बता दे कि जुलाई, अगस्त और सितंबर तक बंद रहे कान्हा टाइगर रिजर्व और सोनेवानी कंजर्वेशन रिजर्व के गेट आज बुधवार से पर्यटकों के लिए खोल दिए जाएंगे। नए सत्र की शुरुआत पर कान्हा प्रबंधन ने खास तैयारियां की है। प्रबंधन एक से सात अक्टूबर तक वाइल्डलाइफ वीक प्रोग्राम करेगा। पहले दिन फ्लैग आफ सेरेमरी के साथ कान्हा रन मैराथन का आयोजन होगा। दो अक्टूबर को सफाई अभियान, तीन को कान्हा क्विज, 'किस्से कान्हा के' कार्यक्रम होंगे। चार अक्टूबर को कविता पाठ, लोक संगीत, क्षेत्रीय व्यंजन उत्सव होगा। पांच को क्षेत्रीय खेल स्पर्धा होगी। छह को पुनः सफाई अभियान और सात अक्टूबर को समापन समारोह होगा। देश-विदेश से आने वाले पर्यटक कान्हा के कोर जोन में खटिया, मुक्की और सरही गेट से सुबह-शाम दो पाली में सैर कर सकेंगे। पर्यटकों को कान्हा की सैर कराने वाले जिप्सी चालक और गाइडों को भी प्रबंधन द्वारा प्रशिक्षित किया गया है। विश्व प्रसिद्ध कान्हा टाइगर रिजर्व के गेट के खुलने का देश-विदेश के पर्यटकों को इंतजार रहता है। पहला दिन हमेशा रोमांचक होता है। कान्हा टाइगर रिजर्व में एक, दो और तीन अक्टूबर तक की बुकिंग हो चुकी है। जानकारी के अनुसार, आज पहले दिन 300 से 350 पर्यटकों के कान्हा पहुंचने का अनुमान लगया गया है। बताया गया कि कान्हा के तीन गेट मुक्की (बालाघाट), खटिया और सरही (दोनों मंडला) के कोर एरिया में पर्यटक अब आगामी 30 जून तक सफारी कर सकेंगे। तीनों गेट से सुबह छह से 11 बजे तक 90 जिप्सी पर्यटकों को लेकर घने जंगलों में बाघ के दीदार कराने जाएगी। एक जिप्सी में अधिकतम छह लोग बैठते हैं। वहीं, सोनेवानी कंजर्वेशन रिजर्व में 18 जिप्सी चलती हैं। यहां भी पहले दिन बड़ी संख्या में पर्यटकों के पहुंचने का अनुमान है।

निजी मैंगनीज खदान के भारी भरकम वाहनों से बर्बाद हुई सड़क

पार्षद प्रतिनिधि ने रुकवाए डंपर वाहन, जेसीबी और पोकलेन मशीन

कटंगी(पद्मेश न्यूज)। तहसील मुख्यालय कटंगी से सटी ग्राम पंचायत सेलवा में संचालित निजी मैंगनीज खदान और प्लांट के भारी भरकम डंपर वाहनों की आवाजाही से नगर परिषद के एमआरएफ सेंटर और मिनी स्टेडियम की तरफ जाने वाली कच्ची सड़क बुरी तरह से बर्बाद हो गई है. अधिकतम 08 टन क्षमता वाले वाहनों के लिए बनी कच्ची सड़क में 35 से 40 टन वजनी डंपरों के हर दिन गुजरने से कच्ची सड़क में जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं जिस कारण नगर परिषद के कचरा वाहन भी अब एमआरएफ सेंटर तक नहीं पहुंच पा रहे हैं और शहर से निकलने वाला कूड़ा-कचरा मोक्ष धाम के पास फेंका जा रहा है. गत दिवस विधायक गौरव सिंह पारधी ने एमआरएफ सेंटर का निरीक्षण किया था तब उन्होंने सड़क की हालत को देखते हुए उपयंत्री राजेश चौकसे को साफ शब्दों में निर्देशित किया था कि इस सड़क से भारी वाहनों की आवाजाही पर प्रतिबंध लगाने के लिए सड़क को ब्लॉक करें लेकिन विधायक के निर्देश को अनसुना किया गया. जिसका नतीजा यह हुआ कि भारी डंपरों की आवाजाही निरंतर जारी रही और अब सड़क पैदल चलने लायक भी नहीं बची है. मंगलवार की सुबह 11 स्थानीय किसानों ने वार्ड क्रमांक

02 पार्षद प्रतिनिधि दिमागचंद टेम्भरे को शिकायत की जिसके बाद वह मौके पर पहुंचे और उन्होंने सड़क से गुजर रहे खदान के सभी डंपर, जेसीबी और पोकलेन मशीन को रूकवा दिया और एसडीएम, सीएमओ को सूचना दी. सीएमओ ने उपयंत्री राजेश चौकसे को मौके पर भेजा. इसके साथ ही खदान के जिम्मेदार कर्मचारी भी मौके पर पहुंचे और उन्होंने वाहनों की आवाजाही पूरी तरह से बंद करने का भरोसा दिया जिसके बाद सभी वाहनों को छोड़ दिया गया है. खदान कर्मचारी ने सड़क बनाने की पेशकश की. जिस पर उपयंत्री ने विधिवत नगर परिषद कार्यालय में आवेदन लगाने के लिए कहा है। सेलवा मैंगनीज प्लांट और चिकमारा निजी मैंगनीज खदान के बीच हर दिन बड़ी संख्या में भारी भरकम डंपरों की आवाजाही होती है. यह आवाजाही नगर परिषद के कच्चे रास्ते से होती है. इसी रास्ते में नगर परिषद का एमआरएफ सेंटर और मिनी स्टेडियम है. नगर परिषद के कचरा वाहन हर दिन शहर से निकलने वाला कचरा यहां लाकर डंप करते है जबकि इसी से खिलाड़ी मिनी स्टेडियम आना जाना करते है. सेलवा गांव के कई लोग भी इस शार्टकट रास्ते का इस्तेमाल करते है लेकिन सड़क की हालत भारी भरकम वाहनों की आवाजाही से इस कदर खराब हुई कि दोपहिया और चारपहिया वाहन भी दलदल में फंस रहे है. सड़क के गड्ढों को भरने के लिए वेस्ट मटेरियल का उपयोग किया गया लेकिन यह तरकीब भी असफल हो गई. नगर परिषद उपयंत्री राजेश चौकसे ने मंगलवार को खदान के कर्मचारियों से कहा है कि वह इस सड़क से भारी वाहनों की आवाजाही पर प्रतिबंध लगाने अन्यथा नगर परिषद उचित कार्रवाई करेगी. उन्होंने खदान कर्मचारी को वाहनों की आवाजाही के लिहाज से सड़क बनाने के लिए कहा है।

अष्टमी पर उमड़ा श्रद्धा का सैलाब, माता मंदिरों में भक्तों ने की विशेष पूजा-अर्चना

आज होंगा विधि विधान से घरों में बोएं गये जवारों और ज्योति कलशों का विसर्जन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। शारदेय नवरात्र की अष्ठमी पर मंगलवार को जिले भर में माता मंदिरों में माता की पूजा-अर्चना करने भक्तों की भीड़ उमड़ी। मंदिरों में सुबह से ही भक्त लाइन लगाकर माता के दर्शन करने के लिए लाइन लगाकर खड़े रहे है। यहां भक्तों ने अष्ठमी पर माता को अठवाई चढ़ाई और हलवा, पुड़ी का भोग लगाया है, और सच्चे मन से मातारानी की पूजा कर परिवार की सुख-शांति व समृद्धि की मनोकामना की।

आपको बता दे कि जिले ही नहीं बल्कि महाराष्ट्र व छत्तीसगढ़ में भी प्रसिद्ध सिद्धपीठ काली पाट मंदिर में अष्ठमीं पर सुबह से ही भक्तों की मां के दर्शन करने के लिए भीड़ उमड़ी और भक्तों ने काली पाठ में माता की विशेष पूजा-अर्चना, कर आर्शीवाद प्राप्त किया है। मंदिर के पंडा छोटू कुशराम ने बताया कि अष्टमी के अवसर पर सिद्धपीठ काली पाट मंदिर में सुबह से माता का विशेष श्रृंगार कर विशेष महाआरती की गई। जिसके बाद भजन-कीर्तन किया गया और भक्तों ने लाइन लगाकर माता के दर्शन किए और हलवा-पुड़ी का भोग लगाकर की पूजा-अर्चना की। शारदेय नवरात्र के नवमें दिन अष्ठमीं के अवसर पर माता रानी के दर्शन कर पूजा-अर्चना के लिए भक्तों की भीड़ उमड़ी। नगर के मंदिरों में सुबह से ही भक्त लाइन लगाकर माता के दर्शन करने के लिए तांता लगाकर खड़े रहे। इसी कड़ी में गौली मोहल्ला के काली मंदिर में अष्टमी पर अठवाई चढ़ाने की विशेष परंपरा है। इसी परंपरा को निभाते हुए भक्तों ने काली माता की पुजा-अर्चना कर उन्हें अठवाई चढ़ाकर अष्टमी के त्योहार को मनाया है। वहीं हलवा पुढ़ी का भोग लगातार भक्तों ने माता रानी से आर्शीवाद मांगा है। बता दें काली माता के मंदिर का इतिहास काफी पुराना है और इस मंदिर को लेकर मान्यता है कि जो भी भक्त सच्ची, श्रद्धा व आस्था के साथ अपनी मनोकामना को मांगता है वह माता के मंदिर से खाली हाथ वापस नहीं जाता है, वहीं मंदिर में एक गड्ढा जिसका छोर जानने के लिए कई बार प्रयास भी किया गया है, लेकिन आज तक कोई पता नहीं लगा पाया है कि इस गड्ढे की गहराई कितनी है। मान्यतानुसार इस गड्ढे से जल सीधे पाताल लोक को जाता है। जिसके वजह से ही यह मंदिर विशेष हो जाता है और अष्टमी में अठवाई चढ़ाने की विशेष परंपरा का निर्वाह किया जाता है। अष्टमी के अवसर पर मंदिर में बड़ी संख्या में भक्तो ने पहुंचकर माता के दर्शन किए। शारदेय नवरात्र की अष्ठमीं पर घर-घर कुलदेवी की विशेष पूजा-अर्चना की गई। इस अवसर पर व्रतधारी भक्तों ने सुबह स्नान कर घर की कुलदेवी की पूजा कर विशेष आरती की। जिसके बाद क्षमतानुसार विशेष पकवान बनाकर माता को भोग लगाया गया और नौ कन्याओं के पैर पखार कर उन्हें कन्याभोज कराकर उनकी पूजा-अर्चना की गयी। अष्ठमीं पर दुर्गा मंदिर व सार्वजनिक दुर्गा पंडालों में भी मातारानी की पूजा की गई है और इसके साथ ही हवन-पूजन कर आहूति दी गई। जिसके बाद महाप्रसाद के वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें बड़ी संख्या में शामिल हुए भक्तों ने प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ अर्जित किया है।

आज होगा जवारों का विसर्जन

दुर्गा अष्टमी के बाद से ही घरों में बोए गए जवारे और विराजित किए गए ज्योति कलशो के विसर्जन का दौर शुरू हो जाता है। इस बार शहर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में दो दिन की अष्टमी मनाई गई। जिसमें कुछ श्रद्धालुओं ने 29 सितंबर को अष्टमी मनाई तो, 30 सितंबर को कुछ ग्रामीण क्षेत्रों में बोए गए जवारे और ज्योति कलशो का विसर्जन कर दिया गया। जिन्होंने 30 सितंबर को पंचांग के अनुसार अष्टमी मनाई वह अब एक अक्टूबर को पूरे विधि विधान के साथ घरों में बोए गए जवारे और ज्योति कलशो का विसर्जन करेंगे। इसकी शुरुआत ग्रामीण व शहरी क्षेत्र में नवमी की सुबह से ही शुरू हो जाती है। कुछ लोग पूरे विधि विधान के साथ ज्योति कलश और जवारों को बहता पानी, नदी और तालाबों में विसर्जित करते हैं, तो शहरों में कुंड बनाकर इन ज्योति कलश और जवारों का विसर्जन किया जाता है। इसके बाद नवदुर्गा पर्व का समापन हो जाता है।

कार्यालय तहसीलदार तहसील, लामता जिला बालाघाट म.प्र.

ईश्तहार

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक थान सिंह बिसेन पिता स्व. मुन्नालाल बिसेन जाति पवार निवासी ग्राम मोहगांव मॉल ने अपने माता स्व. सीताबाई बिसेन पति स्व. मुन्नालाल बिसेन जाति पवार निवासी ग्राम मोहगांव मॉल वार्ड नं 4 थाना चांगोटोला तहसील लामता जिला बालाघाट म.प्र. का मृत्यु प्रमाण पत्र प्राप्त करने हेतु आवेदन न्यायालय तहसीलदार लामता में प्राप्त हुआ है। जिनकी मृत्यु 05/07/1975 को होना बताया गया है। जिसके संबंध में अखबार के माध्यम से प्रेस विज्ञप्ति ईश्तहार जारी हो। यदि किसी को भी मृत्यु दिनांक से संबंधित किसी प्रकार की दावा आपत्ति हो तो नियत समय के भीतर न्यायालय में आकर पेश करें। समयावधि पश्चात प्राप्त दावा आपत्ति पर विचार नहीं होगा, पश्चात मृत्यु प्रमाण पत्र जारी कर दिया जावेगा।

ईश्तहार मेरी पद् मुद्रा से जारी।

तहसीलदार
लामता जिला बालाघाट(म.प्र)

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

चार दिन की चाँदनी फिर अंधेरी रात साबित हुई नपा को कार्यवाही

इधर नपा की कार्यवाही बंद, उधर फिर सड़को पर शुरू हुआ मवेशियों का तांडव, सड़को पर घूम रहे आवारा मवेशियों पर नही है जिम्मेदारो का कोई ध्यान

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। नगर पालिका द्वारा आवारा मवेशियों को पकड़कर गौशाला भेजने की कार्यवाही एक बार फिर चार दिन की चाँदनी साबित हो रही है।भले ही नपा द्वारा नवरात्र के पूर्व सभी आवारा मवेशियो को पकड़कर गौशाला भेजने का दावा किया जा रहा है।लेकिन नपा के इस दावे की हकीकत कुछ और ही है।क्यो की नपा के लाख दावो के बावजूद भी शहर में इन दिनों आवारा मवेशियों की संख्या में भारी इजाफा देखा जा रहा है। बीच सड़क पर खड़े होकर सबका रास्ता रोक देना ,पशुओं के लिए आज आम बात हो गई है। चाहे दिन हो या रात, चाहे आप शहर के किसी भी मार्ग पर चले जाएं आपको आवारा पशु सड़कों के बीचो बीच बैठे नजर आ ही जाएंगे।शहर में बेखौफ होकर घूम रहे ये आवारा मवेशी जहां एक ओर यातायात व्यवस्था पर खासा खलल डाल रहे हैं तो वहीं यमदूत बनकर दुर्घटनाओं की आशंका भी बढ़ा रहे हैं। शहर के विभिन्न मार्गो में आप इन आवारा पशुओं के झुंड को धमाचौकड़ी कर तांडव मचाते देख सकते हैं।ये आवारा पशु जहां आवागमन करने वाले राहगीरों के लिए मुसीबत बन गए हैं तो वहीं दूसरी और ये मवेशी दुर्घटनाओं को न्यौता भी देते नजर आ रहे हैं ।

तो क्या दिखावे के लिए शुरू किया जाता है अभियान

शहर में पिछले कई वर्षों से कांजी हाउस नही है वही नगर पालिका की हाका गैंग भी नजर नहीं आ रही है किसी की रोक टोक और कोई कार्यवाही ना होने के चलते पशु मालिक इस बात का फायदा उठाकर अपने मवेशियों को आवारा सड़कों पर छोड़ रहे हैं वहीं नगर पालिका के जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा आवारा मवेशियों की धरपकड़ कारवाही रोजाना शुरू होने की बात कही जा रही है जबकि नपा की यह कार्यवाही चार दिन की चांदनी और फिर अंधेरी रात वाली कहावत को दोहरा रही है जिसका खामियाजा आम लोगों को भुगतना पड़ रहा है।आपको बताए कि नगर पालिका द्वारा पिछले दिनों आवारा मवेशियों की धरपकड़ की कार्यवाही बड़े जोरों शोरों से शुरू की गई थी जहां दिन तो दिन बल्कि रात में भी सड़कों पर घूम रहे आवारा मवेशियों को पकड़कर शहर के बाहर वारासिवनी के कांजी हॉउस भेजने का काम किया जा रहा था, लेकिन पिछले कुछ दिनों से नपा की यह कार्यवाही भी ठंडे बस्ते में है जिसका लाभ पशु मालिक उठाकर अपने मवेशियों को सड़कों पर आवारा छोड़ रहे हैं जो धमाचौकड़ी मचाकर दुर्घटनाओं को न्योता देते नजर आ रहे हैं जिसपर जिम्मेदारों का कोई ध्यान नहीं है।

इन मार्गो को मवेशियों ने बनाया अपना अड्डा

वैसे तो नगर के सभी मार्गो में आप इन आवारा मवेशियों को आराम फरमाते देख सकते हैं लेकिन शहर के बस स्टैंड, काली पुतली चौक ,मेन रोड, गुजरी, जय स्तंभ चौक,अम्बेडकर चौक,अस्पताल रोड, भटेरा चौकी, बूढ़ी मार्ग, वारासिवनी रोड,हनुमान चौक,सब्जी मंडी, सरेखा बायपास, व गोंदिया रोड सहित नगर के विभिन्न चौक चौराहों व मार्गों पर इन दिनों आवारा मवेशियों का झुंड यातायात व्यवस्था को बाधित करता अक्सर नजर आता है जिससे राहगीर काफी परेशान है।

दुर्घटनाओं की बढ़ी आशंका

यूं तो इन आवारा पशुओं ने सड़कों को ही अपना ठिकाना बना रखा है लेकिन पशुओं के इन ठिकानों ने वाहन चालकों की मुश्किलें काफी बढ़ा दी हैं।कई जगह यह आवारा पशु, वाहन के एकाएक सामने आ जाते हैं इस कारण वाहन चालक को अचानक ब्रेक लगाना पड़ता है जिससे दुर्घटनाओं की आशंका और अधिक बढ़ जाती है।

यातायात व्यवस्था पर पड़ रहा बुरा असर

आवारा पशुओं के जमघट के कारण शहर के विभिन्न चौक चौराहों व अन्य मार्गों पर यातायात व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हो रही है यह आवारा मवेशी जहां ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों की फसलों को बर्बाद कर रहे हैं तो वहीं बीचों बीच सड़क में आराम फरमाने के कारण यातायात पर बुरा असर पड़ रहा है राहगीरों द्वारा भगाने पर भी मवेशी अपनी जगह से टस से मस नहीं होते।

धमाचौकड़ी कर मचा रहे तांडव

बेखौफ मवेशी सड़कों पर झुंड बनाकर घूम रहे हैं जो बीच सड़क में कभी भी लड़ाई कर तांडव मचाते नजर आते हैं जिसके चलते आम नागरिकों को वाहन चलाने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है वहीं दुर्घटना होने की भी आशंका काफी बढ़ गई है।

हरियाली महोत्सव को बना रहे निवाला

सड़कों पर घूम रहे इन आवारा मवेशीयो ने हरियाली महोत्सव को भी अपना निवाला बनाया हैं। सड़कों पर घूम रहे ये आवारा मवेशी किसानों की फसलों को तो चौपट कर ही रहे हैं वहीं दूसरी ओर नगर में लगाए गए विभिन्न पेड़ पौधों को भी इन्होंने अपना निवाला बनाया है।

नजर नहीं आ रही हाका गैंग

आपको बताए कि शहर में कांजी हाउस की व्यवस्था नहीं है। चहकर भी लोग इन आवारा मवेशियों से छुटकारा नहीं पा रहे हैं वहीं नगर पालिका द्वारा आवारा पशुओं को खदेड़ने के लिए हाका गैंग बनाई गई थी,जो नवरात्र के पूर्व नजर आई थी, जो आवारा मवेशियों को सड़क से खदेड़ने और उन्हें गौशाला तक पहुंचाने का काम करती थी। लेकिन नगरपालिका की हाका गैंग भी इन दिनों नजर नहीं आ रही है जिसका खामियाजा आम लोगों को भुगतना पड़ रहा है।

जिम्मेदार काल रिसीव नहीं करते

इस पूरे मामले को लेकर हमने नगरपालिका के जिम्मेदार अधिकारियों से दूरभाष पर संपर्क करना चाहा लेकिन बार बार संपर्क करने पर भी जिम्मेदारों ने कॉल रिसीव नहीं किया।

शराब पीने धान बेचने मना करने पर वृद्ध मां से की मारपीट

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। बिरसा थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम रेलवाही में शराब पीने धान बेचना मना करने पर एक वृद्धा को उसके बेटे ने बेरहमी पूर्वक हाथबुक्के से मारपीट कर घायल कर दिया। और उसे जान से मार डालने की धमकी दे दी। मारपीट में घायल वृद्धा सावित्री पति संपत यादव 65 वर्ष का इलाज बिरसा की अस्पताल में किया गया और उसके द्वारा की गई रिपोर्ट पर उसके बेटे जगेश्वर यादव के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सावित्री यादव खेती किसानी एवं घरेलू काम करती है। जिसके परिवार में पति सम्पत यादव और दो बेटे हैं। दोनों बेटों की शादी हो चुकी है। सावित्री का बड़ा बेटा जगदीश यादव अपनी पत्नी और बच्चों के साथ अलग घर में रहता है। और सावित्री अपने पति संपत यादव और छोटा बेटा जगेश्वर यादव के साथ रहते हैं। जगेश्वर यादव शराब पीने का आदी है और शराब पीने के लिए अपनी मां सावित्री यादव से रुपए मांगते रहता है और पैसा नहीं देने पर लड़ाई झगड़ा मारपीट करते रहता है। 2 दिन पहले 28 सितंबर की शाम 5:00 बजे सावित्री यादव अपने घर में थी और उसका पति संपत यादव दमोह बाजार गया हुआ था। सावित्री यादव घर में अकेली खाना बना रही थी तभी उसका छोटा लड़का जगेश्वर यादव शराब पीकर आया और आंगन से अपनी मां को अश्लील गालियां देते हुए घर के अंदर आया और घर में रखी धान की बोरी को लेकर रोड तरफ चला गया था। सावित्री ने उसे बोली की धान क्यों लेकर जा रहा है ।तेरे पास पैसे होंगे तो उसी पैसे की दारू पी लेना । तभी जगेश्वर ने अपनी मां सावित्री यादव को धान ले जाने रोकती है कहकर उसका गला पकड़ लिया। हाथ बुक्के लात से गाल, कनपटी सीना पीठ में मारपीट करने लगा। सावित्री यादव के चिल्लाने पर उसकी नातन लक्ष्मी यादव और बड़ा लड़का जगदीश यादव दौड़े और बीच बचाव किये। इसके बाद जगेश्वर यादव ने अपनी मां सावित्री यादव को शराब पीने धान बेचने मना करने पर जान से मार डालने की धमकी दे दी। पति संपत यादव के दमोह बाजार से घर आने के बाद सावित्री यादव रिपोर्ट करने के लिए बिरसा पुलिस थाना पहुंची।बिरसा पुलिस ने मारपीट में घायल सावित्री यादव का इलाज बिरसा के अस्पताल में करवाए और उसके द्वारा की गई रिपोर्ट पर उसके बेटे जागेश्वर पिता संपत यादव के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में उसके बेटे जगेश्वर पिता संपत यादव के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में धारा 296 115(2) 351(3) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की में अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की है।

नगरपालिका परिषद् द्वारा नमो उपवन का लोकार्पण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। 29 सितंबर को नगरपालिका परिषद् बालाघाट द्वारा नमो उपवन का लोकार्पण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती भारती सुरजीत सिंह ठाकुर, उपाध्यक्ष योगेश बिसेन, पार्षदगण, सभापति गण, मुख्य नगरपालिका अधिकारी बी.डी. कत्रोलिया, महा हरित अभियान नोडल अधिकारी प्रभात रहांगडाले, एवं मंदिर समिति, वार्ड क्रमांक 33 के समस्त रहवासी सम्मिलित हुए। इस अवसर पर जनभागीदारी एवं नगरपालिका द्वारा 1238 पौधों का पौधारोपण किया गया। जिसमें पीपल, बरगद, कचनार, नीम, आम और जामुन सहित अन्य प्रजातियों के पौधे लगाए गए। पार्षदगण एवं क्षेत्रवासियों द्वारा भी विविध पौधों का रोपण किया गया। यह कार्यक्रम नगरपालिका परिषद् बालाघाट द्वारा पर्यावरण संरक्षण और हरितीकरण को बढ़ावा देने के लिए आयोजित किया गया था।

13 वी जूनियर राष्ट्रीय पेंचक सिलाट चैम्पियनशीप कोप्पल में बालाघाट के खिलाड़ियों ने जीते 5 मेडल

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। बालाघाट पेंचक सिलाट एसोसिएशन के सचिव प्रवीण नन्हेट द्वारा दी गयी जानकारी के अनुसार कोप्पल कर्नाटक में आयोजित हुई 13 वी राष्ट्रीय पेंचक सिलाट चैम्पियनशीप 26 से 28 सितम्बर को डिस्ट्रिक्ट इंडोर स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स एंड खेलो इंडिया सेंटर कोप्पल, कर्नाटक में आयोजित की गयी । जिसमे भारत के लगभग सभी राज्य जम्मू कश्मीर ,महाराष्ट्र ,गोवा ,दमन दीव,छत्तीसगड़ ,हरयाणा , दिल्ली ,उत्तरप्रदेश ,राजस्थान, कर्नाटक, तमिलनाडु, गुजरात, मणिपुर ,मिजोरम ,अरुणाचल प्रदेश ,वेस्ट बंगाल, असम, नागालैंड, सिक्किम, बिहार, झारखण्ड, त्रिपुरा, आंध्रप्रदेश, ओडिसा, मध्यप्रदेश से लगभग 1200 खिलाड़ियों ने अपने अपने उम्र और वजन के हिसाब से अपने इवेंट सिंगा ,मेकन,प्री टीन,सब जूनियर और जूनियर केटेगरी में इस चैम्पियनशीप में अपना जोर आजमाया जिसमे बालाघाट जिले से एकलव्य मार्शल आर्ट एंड फिटनेस एकेडमी के खिलाड़ी डेनिश वराडे उम्र 7 साल 18 से 20 किलोग्राम (टेन्डिंग इवेंट) में सिल्वर मेडल , अद्विक अग्रवाल उम्र 8 साल 30 से 32 किलोग्राम (टेन्डिंग इवेंट) ब्रॉन्ड मेडल, अनिरुद्ध कुमार पुरोहित उम्र 9 साल (टेन्डिंग इवेंट) सिल्वर इवेंट, यथार्थ गर्दे उम्र 15 साल सोलो इवेंट में ब्रॉन्ड मेडल और तुंग्गल इवेंट में सिल्वर मेडल वही विहान बिसेन उम्र 12 साल (टेन्डिंग इवेंट) में प्रतिभागी रहे ।

प्रणव सोनकर उम्र 14 साल (टेन्डिंग इवेंट) में प्रतिभागी रहे यह बालाघाट जिले के लिए हर्ष का विषय है बालाघाट जिले से पहली बार 6 जूनियर खिलाड़ी आदिकृत राष्ट्रीय पेंचक सिलाट प्रतियोगिता के लिए चयनित हुए और मध्यप्रदेश टीम का प्रतिनिधित्व कर मध्यप्रदेश को 3 सिल्वर 2 ब्रॉन्ज मेडल जिताकर बालाघाट जिले का नाम राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया है। मध्यप्रदेश टीम में बालाघाट जिले के कार्तिक तितरमारे टीम कोच की भूमिका में रहे जिन्हे मोमेन्टो देकर सम्मानित किया गया। इस प्रतियोगिता में आल ओवर चैंपियन में मध्यप्रदेश प्री-टीन केटेगरी में रनरउप स्थान पर रहा जानकारी देते हुए जिला सचिव प्रवीण नन्हेट ने बताया की वर्ष 2022 - 23 से यह खेल बालाघाट जिले में लाया गया , जोकि इंडोनेशिया का पारम्परिक युद्ध कला (मार्शल आर्ट) है । जिसमे खाली हाँथ लडने के साथ साथ वेपन्स चलाने की प्रतियोगिता जैसे लाठी,चाइनीस फैन, केरंबित हंटर, तलवार, ननचाकू आदि इवेंट का हिस्सा होता है । इस खेल को मिनिस्ट्री ऑफ युथ अफेयर एंड स्पोर्ट्स गवर्मेंट ऑफ इंडिया, ओलिंपिक कौंसिल ऑफ एशिया, स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया ओर इंटरनेशनल पेंचक सिलाट फेडरेशन से मान्यता प्राप्त है और यह खेलो इंडिया जैसे खेलो में शामिल है । 30 सितम्बर की सुबह समय 11:30 बजे टीम का आगमन हुआ। टीम पर स्वागत के लिए बालाघाट बस स्टेण्ड में पेंचक सिलट एसोसिएशन बालाघाट के समस्त पदाधिकारी पालकगणो द्वारा गर्मजोशी से खिलाड़ियों एवं टीम कोच कार्तिक तितरमारे का स्वागत किया गया । इस मौके पर जिला पेंचक सिलाट के समस्त पदाधिकारी और पालकगण निधि नन्हेट ,प्रतीक नन्हेट,सरून सोनवाने,छाया नरवास,संगीता मराठा,तर्पित बिसेन,भावना सोनकर साहिल सोनवाने, मनीष बेंद्रे, संदीप कुमार वराडे, प्रियांश अग्रवाल, हरीश कुमार पुरोहित, निकेश बिसेन, विशाल गर्दे, आशीष कुमार सोनकर उपस्तिथ रहे ।

घर से खेत जाने निकले एक व्यक्ति का शव दो दिन बाद तालाब से बरामद

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। बैहर थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम सांडा टोला भुरुक में घर से खेत जाने निकले व्यक्ति धीर सिंह पिता भाई राम उइके 44 वर्ष का शव 2 दिन बाद इस गांव के खेत जंगल से लगे तालाब से बरामद किया गया। इस व्यक्ति की तालाब में डूबने से मौत होने की संभावना व्यक्ति जा रही है। बैहर पुलिस मर्ग कायम कर जांच कर रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार धीरसिंह खेती किसानी करता था।जिसके परिवार में पत्नी पांच बेटी और एक बेटा है। चार बेटियों की शादी हो चुकी है। एक बेटी और बेटा छोटे हैं और पढ़ाई कर रहे हैं।

बताया गया कि धीर सिंह के खेत से जंगल लगा हुआ है और बफर जोन के तालाब की पार से आते जाते रहते। धीर सिंह शाम को अपने खेत फसल की रखवाली करने जाते रहता था। 28 सितंबर की शाम 7:30 बजे करीब धीरसिंह घर से अपने खेत फसल की रखवाली करने के लिए जाने निकला था। किंतु दूसरे दिन 29 सितंबर को धीरसिंह अपने घर नहीं पहुंचा। जिसकी परिवार वालों ने गांव के अलावा रिश्तेदारों के यहां तलाश किये। किंतु वह नहीं मिला।जिसके गुम होने की रिपोर्ट बैहर पुलिस थाना में की गई थी। 30 सितंबर को जब परिवार के लोग धीर सिंह की खोजबीन कर रहे थे इसी दौरान खेत से कुछ दूर वन विभाग बफर जोन के तालाब में धीर सिंह का शव पानी में उतरता हुआ दिखाई दिया। सूचना मिलते ही बैहर थाने से सब इंस्पेक्टर मुकेश नरताम सांड़ा टोला भुरुक पहुंचे और मृतक धीर सिंह का शव तालाब से बाहर निकलवाये । पंचनामा कार्यवाही पश्चात धीरसिंह का शव बैहर अस्पताल में पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया गया है। संभावना व्यक्त की गई है कि 28 सितंबर की रात्रि जब धीर सिंह अपने खेत जा रहा था तभी तालाब की पार से जाते समय वह अचानक तालाब में फिसल गया और उसकी तालाब में डूबने से मौत हो गई। सब इंस्पेक्टर श्री नरताम द्वारा धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर जांच की जा रही है।

आदिम जाति सेवा सहकारी समिति बिरसा की शासकीय भूमि में तोड़फोड़ कर पिता पुत्र ने किया कब्जा

बिरसा थाने में ज्ञान दास मेश्राम और उसके बेटे अजय मेश्राम के विरुद्ध अपराध दर्ज

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित बिरसा की शासकीय भूमि पर कब्जा करने की नीयत से बाउंड्री बाल, फेंसिंग तार तोड़कर अवैध रूप से कब्जा करने के आरोप में बिरसा पुलिस ने ज्ञान दास मेश्राम पिता मोडकु मेश्राम और उसके बेटे अजय मेश्राम दोनों ग्राम बिरसा निवासी के विरुद्ध अपराध दर्ज किया गया है। दोनों पिता पुत्र के विरुद्ध यह अपराध प्रणय श्यामकुँवर शाखा प्रबंधक सेवा सहकारी समिति बिरसा के द्वारा की गई रिपोर्ट पर दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित बिरसा को शासन द्वारा सर्वे क्रमांक 6/25 रकबा 0020 की भूमि पूर्व से आवंटित की गई है। उक्त भूमि पर आदिम जाति सेवा सहकारी समिति बिरसा का आधिपत्य होकर पूर्ण रूप से उक्त भूमि समिति के नियंत्रण एवं संरक्षण में थी। इस भूमि पर बिरसा निवासी ज्ञान दास मेश्राम और उसके बेटे अजय मेश्राम के द्वारा अवैध कब्जा करके पान ठेला दुकान चला रहे थे। 20 अक्टूबर 2024 को तहसीलदार बिरसा के द्वारा अतिक्रमण हटाया गया था। इसके बाद उक्त भूमि पर समिति के द्वारा फेंसिंग तार ,मेटी फ्लेक्स लोहे के खंबे लगाए गए थे। भूमि को पूरी तरह से बाउंड्री बाल से बंद कर दिया गया था। इसके बाद भी ज्ञान दास मेश्राम और उसके बेटे अजय मेश्राम के द्वारा फेंसिंग तोड़कर पुनः दुकान लगाने का प्रयास किया गया। जिसकी लिखित शिकायत समिति के द्वारा तहसीलदार बिरसा को की गई थी। 26 सितंबर 2025 को तहसीलदार एवं कार्यपालिक मजिस्ट्रेट बिरसा द्वारा राजस्व टीम एवं समिति के सदस्यों की उपस्थिति में समिति की भूमि से ज्ञान दास मेश्राम उसके बेटे अजय मेश्राम के द्वारा किया गया अवैध कब्जा को हटाकर पंचनामा तैयार किया गया था और भूमि के चारों और फेसिंग से मेटी लगाकर पैक कर दिया गया। उसके बावजूद ज्ञान दास मेश्राम और उसके बेटे अजय मेश्राम के द्वारा समिति की उक्त शासकीय संपत्ति पर जबरन घुसकर बाउंड्री बाल को तोड़कर, नुकसान करते हुए भूमि पर अवैध रूप से दुकान लगाया गया। जिसकी लिखित शिकायत प्रणय श्याम कुँवर शाखा प्रबंटक सेवा सहकारी समिति बिरसा के द्वारा थाने में की गई थी। इस शिकायत पर बिरसा पुलिस थाने में ज्ञान दास मेश्राम और उसके बेटे अजय मेश्राम के विरुद्ध शासकीय संपत्ति पर कब्जा करने की नीयत से शासकीय संपत्ति को तोड़फोड़ कर नुकसान पहुंचाने के आरोप में धारा 324(3) 329(3) 3(5)भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की गई है।

नेता नहीं, सेवक बनकर क्षेत्र का विकास करना है - अनुभा

पांढरवानी-लालबर्रा में 7.50 लाख की लागत से बनने वाली विसर्जन घाट सड़क निर्माण कार्य का किया गया भूमिपूजन

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय की ग्राम पंचायत पांढरवानी (लालबर्रा) स्थित विर्सजन घाट में ३० सितंबर को बालाघाट विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे के द्वारा जिला खनिज निधि योजना वर्ष २०२५-२६ के तहत ७.५० लाख की प्रशासकीय स्वीकृति प्राप्त सीमेंट सड़क का भूमिपूजन किया गया। यह ग्राम पंचायत पांढरवानी में एक महत्वपूर्ण सीमेंट सड़क निर्माण कार्य है जो मेन रोड से विसर्जन घाट की ओर जायेगी और सड़क का निर्माण होने से श्रध्दालुओं को आवागमन में सुविधा होगी। यह भूमिपूजन कार्यक्रम बालाघाट विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे के मुख्य आतिथ्य, पांढरवानी सरपंच अनीस खान की अध्यक्षता एवं ब्लाक कांग्रेस कमेटी लालबर्रा अध्यक्ष भाऊराम गाड़ेश्वर, जनपद सदस्य दीपक कावरे, माँ सतबहनी मंदिर समिति अध्यक्ष जगदीश शास्त्री सहित अन्य जनप्रतिनिधि व समिति के पदाधिकारियों के विशेष आतिथ्य में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों के द्वारा विधि-विधान से पूजा अर्चना कर जिला खनिज निधि से स्वीकृत सीसी सड़क निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया। वहीं भूमिपूजन के बाद जल्द सीसी सड़क का निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया जायेगा और सड़क का निर्माण हो जाने से विसर्जन घाट जाने वाले श्रध्दालुओं को सुविधा होगी। साथ ही इस सीसी सड़क का नाम स्व. घनश्याम केकती रखे जाने की घोषणा पांढरवानी सरपंच ने की है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे ने अपनी विकास की भावना को स्पष्ट करते हुए कहा कि उनका उद्देश्य केवल सेवा करना है, राजनीति करना नहीं। साथ ही यह भी कहा कि मैं कभी भी श्रेय लेने की राजनीति नहीं करती हूं। मेरा प्रयास है कि माता रानी की कृपा सभी पर बनी रहे और क्षेत्र का विकास हो सके। आगे यह भी कहा कि क्षेत्र के स्वास्थ्य, शिक्षा और सड़क सहित समस्त मूलभूत तथा आवश्यक विकास कार्य पूरे हो सके इसके लिए सभी को एकजुट होकर कार्य करना चाहिए। साथ ही उन्होंने स्वयं को नेता नहीं बल्कि

सेवक बताते हुए विनम्रता से कहा कि यदि उनसे कोई त्रुटि होती है, तो लोग अवश्य बताये ताकि उसमें सुधार किया जा सके और नेता नही सेवक बनकर क्षेत्र का विकास करना है। साथ ही यह भी कहा कि मेन रोड़ से विसर्जन घाट तक पक्की सड़क नही होने से श्रध्दालुओं को आने-जाने में परेशानी होती थी, आज सीसी सड़क निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया है। सड़क का निर्माण हो जाने से धार्मिक आयोजन और विसर्जन के समय श्रध्दालुओं को विसर्जन घाट तक पहुंचने में सुविधा होगी। श्रीमती मुंजारे ने माता रानी की आराधना करने वाली बहनों की आस्था का उल्लेख करते हुए कहा कि हमारी बहनें जब कलश को सिर पर रखकर बिना चप्पल के नंगे पैर चलती हैं, तो यह बहुत कठिन कार्य होता है। जो केवल माता रानी की कृपा से ही संभव हो पाता है और सरपंच अनीस खान से आशा करते है कि गार्डन की तरह ही सुंदर सड़क का निर्माण करवायेगें ताकि विसर्जन घाट तक पहुंचने में सभी को बेहतर सुविधा मिल सके। इस अवसर पर शैलेष केकती विधायक प्रतिनिधि, अधिवक्ता बाबूलाल सर्राठे, समाजसेवी गिरीश पाठक, सुमित स्वामी, बसंत हट्टेवार पूर्व सरपंच, समाजसेवी किशोर गुप्ता, ऋतिक कटारे, रामनाथ सोनी, गोलू अग्रवाल, मनोज बंटी शर्मा, पवन नामदेव, चैनलाल श्रीवास, सलीम खान, नारायण सोलंकी, सचिव रणविजय सिंह, सहायक सचिव कृष्णा पंचेश्वर, मनीष शास्त्री, उमेश बंटी आश्वाले, डॉ. मनोज शास्त्री, वरिष्ठ समाजसेवी गिरीश पाठक, विकास तिवारी, रणधीर सिंह सेंगर, नितिन साखला, आबिद कुरैशी, तपेश पंजरे सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

सड़क का नाम स्व. घनश्याम केकती रखा जायेगा - अनीस

चर्चा में सरपंच अनीस खान ने बताया कि लालबर्रा विसर्जन घाट तक पहुंचने मे श्रध्दालुओं और धर्मप्रेमियों को परेशानियों का सामना करना पड़ता था। गत दिवस माँ सतबहनी मंदिर समिति एवं अन्य समितियों के द्वारा सरपंच को मांग पत्र सौंपकर विधायक अनुभा मुंजारे से मेन रोड़ से विसर्जन घाट तक सीमेंट सड़क व विद्युत पोल की मांग की गई थी। जिसे विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे ने सहर्ष स्वीकार करते हुए उक्त कार्य को स्वीकृत करवाकर बड़ी सौगात दी है, जिसके लिए पंचायत की ओर से उनका आभार व्यक्त करते है। श्री खान ने बताया कि विसर्जन घाट तक जाने वाली सड़क निर्माण की मांग क्षेत्रीय जनता विगत दिवस से कर रहे थे और इस संबंध में स्व. घनश्याम केकती जी द्वारा भी बार-बार प्रयास किये गये थे। जिनका सपना आज पूरा हुआ है, विसर्जन घाट तक बनने वाली इस सड़क का नाम स्व. घनश्याम केकती जी के नाम पर ही रखा जायेगा। साथ ही यह भी कहा कि सड़क का निर्माण होने से लोगों को धार्मिक कार्यक्रम में प्रतिमा, जवारे, भुजली विसर्जन करने आने में सुविधा होगी।

माँ महागौरी की उपासना कर मनाया गया अष्टमी पर्व

अष्टमी पर नगर मुख्यालय सहित ग्रामीण अंचलों में हुए विविध धार्मिक अनुष्ठान

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। लालबर्रा क्षेत्र में शक्ति की भक्ति का महापर्व शारदेय नवरात्रा पर्व श्रध्दा एवं भक्तिभाव के साथ मनाया जा रहा है। शारदेय नवरात्र पर्व के अष्टमी के अवसर पर ३० सितंबर को नगर मुख्यालय सहित ग्रामीण अंचलों में देवी मंदिरों व घरों में बोये गये जवारे स्थलों एवं कुछ सार्वजनिक दुर्गा उत्सव समितियों में हवन-पूजन कार्यक्रम आयोजित किये गये जहां श्रध्दालु भक्तों द्वारा हवन कुण्ड में आहुति डाली गई। जिसके बाद आरती कर महाप्रसादी का वितरण कर विविध धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। साथ ही अष्टमी पर देवी मंदिरों एवं सार्वजनिक दुर्गा पंडालों में श्रध्दालुओं के द्वारा माँ दुर्गा के स्वरूप माँ महागौरी की विशेष पूजा अर्चना कर अपने घरों में पकवान बनाकर माता-रानी को भोग लगाकर अष्टमी का पर्व भक्तिभाव के साथ मनाया गया एवं माँ जगदम्बे को अठवाई चढ़ाने का क्रम देरशाम तक जारी रहा। इस अष्टमी पर्व के अवसर पर सार्वजनिक पंडालों एवं मंदिरों में संगीतमय जस गायन का भी आयोजन किया गया और महिला मंडल के द्वारा देवी गीतों की प्रस्तुती देकर माँ दुर्गा जी को प्रसन्न कर आशीर्वाद प्राप्त किये। शारदेय नवरात्र पर्व के नवमीं के अवसर पर १ अक्टूबर को नगर मुख्यालय सहित ग्रामीण अंचलों में मंदिर व घरों में बोये गये जवारों व कलशों को विसर्जित किया जायेगा। साथ ही अधिकांश सार्वजनिक दुर्गा पंडालों में हवन-पूजन एवं विशाल भंडारे का भी आयोजन किया जायेगा एवं २ अक्टूबर को दशहरा पर्व, ३ अक्टूबर को माता-रानी की प्रतिमा विसर्जन के साथ शारदेय नवरात्र पर्व का समापन किया जायेगा।

अमोली में हवन-पूजन एवं नगर भोज आज

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत अमोली के हनुमान मंदिर चौक में सार्वजनिक नवदुर्गा उत्सव समिति के तत्वाधान में माता-रानी की प्रतिमा विराजित कर शारदेय नवरात्र पर्व धार्मिक आस्थाओं के साथ मनाया जा रहा है। शारदेय नवरात्र पर्व की नवमीं के अवसर पर १ अक्टूबर को शाम ४ बजे से हवन-पूजन एवं नगर भोज का आयोजन किया गया है। सार्वजनिक नवदुर्गा उत्सव समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी गत २२ सितंबर को माँ जगदम्बे की प्रतिमा विराजित कर शारदेय नवरात्र पर्व आस्थापूर्वक मनाया जा रहा है और प्रतिदिन सुबह-रात ८ बजे आरती की जाती हैं जिसमें श्रध्दालुजन पहुंचकर धर्मलाभ अर्जित कर रहे है। साथ ही यह भी बताया कि ३० सितंबर को अष्टमी पर्व मनाया गया एवं १ अक्टूबर को शाम ४ बजे से हवन-पूजन, शाम ७ बजे से नगर भोज का आयोजन किया गया है और २ अक्टूबर को शाम ४ बजे दशहरा चल समारोह आकर्षक झांकियों के साथ निकाली जायेगी जो ग्राम अमोली, लालबर्रा के विभिन्न

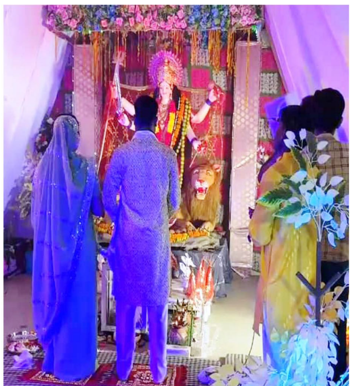

चौक-चौराहों का भ्रमण करते हुए दशहरा मैदान पहुंचेगी जहां ५१ फीट रावण के पुतले का दहन किया जायेगा एवं ३ अक्टूबर को प्रतिमा विसर्जन के साथ नवरात्र पर्व का समापन किया जायेगा। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर धर्मलाभ अर्जित करने की अपील सार्वजनिक नवदुर्गा उत्सव समिति पदाधिकारी, सदस्य व ग्रामीणजनों ने की है।

अतिथि शिक्षक संघ ने विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। शासकीय स्कूलों में नियमित शिक्षकों की भांति अपनी सेवा दे रहे अतिथि शिक्षकों के सामने अब आर्थिक समस्या उत्पन्न हो चुकी है, उन्हे तीन माह से मानदेय नही मिला है। वहीं शैक्षणिक सत्र २०२५-२६ में एमपी एजुकेशन पोर्टल के ३.० के माध्यम से शाला में ई-अटेंडेंस लगाकर प्रदेश में अतिथि शिक्षकों के मानदेय संधारण की व्यवस्था की गई है। लेकिन साईड नही चलने के कारण ई-अटेंडेंस नही लग पा रहे है एवं इस ई-अटेंडेस का अतिथि शिक्षक विरोध भी कर रहे है लेकिन शासन-प्रशासन उनकी मांगों की ओर कोई ध्यान नही दे रही है। जिससे परेशान लालबर्रा विकासखण्ड के अतिथि शिक्षकों ने ई-अटेंडेंस का विरोध कर उपस्थिति पंजी के आधार पर मानदेय संधारण करने की मांग को लेकर अतिथि शिक्षक संघ लालबर्रा के बैनर तले सोमवार को विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर तीन माह का जल्द मानदेय देने एवं ई-अटेंडेंस की प्रक्रिया को बंद करने की मांग की हैं एवं मांगे पूरी नही होने पर आगामी समय में आंदोलन करने की चेतावनी भी प्रशासन को दिया है। आपकों बता दे कि शैक्षणिक सत्र २०२५-२६ में माह जुलाई, अगस्त, सितंबर माह में लोक शिक्षण संचनालय भोपाल के आदेशानुसार विकासखंड अंतर्गत शालाओं में कार्यरत कुछेक अतिथि शिक्षकों द्वारा ई-अटेंडेंस लगाई है परंतु बहुत से अतिथि

शिक्षकों द्वारा उपस्थिति पंजी में अपनी उपस्थिति दर्ज कर अध्यापन कार्य करवाया गया है। लेकिन तीन माह का मानदेय अब तक नही मिला है जिसके कारण उन्हे परिवार का पालन-पोषण करने में खासा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं अतिथि शिक्षकों ने सोमवार को विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर मानदेय पत्रक के आधार पर तीन माह का जल्द मानदेय देने की मांग की है। ज्ञापन सौंपने के दौरान अतिथि शिक्षक संघ लालबर्रा सचिव प्रवीण बहरे, सहसचिव मुकेशकुमार सर्राटे, कार्यकारिणी सदस्य संजय चांदेकर, अकील खान, मानसिंह बघेल, नरेंद्र चौहान, संदीप माने, अनिल कावरे, नरेंद्र पंचेश्वर सहित अन्य अतिथि शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

मांगे पूरी नही होने पर करेगें आंदोलन - प्रवीण

अतिथि शिक्षक संघ लालबर्रा सचिव प्रवीण बहरे ने बताया कि लंबे समय से शासकीय स्कूलों में अतिथि शिक्षक के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे है। लेकिन इस नवीन सत्र से शासन के द्वारा ई-अटेंडेंस लागू की गई है, लेकिन नेटवर्क की समस्या के कारण ई-अटेंडेंस लगाने में परेशानी होती है और इस ई-अटेंडेंस का शुरू से ही विरोध कर रहे है एवं उपस्थिति पंजी के आधार पर मानदेय संधारण करने की मांग कर रहे है लेकिन सरकार हमारी मांग की ओर कोई ध्यान नही दे रही है। साथ ही यह भी बताया कि तीन माह से मानदेय नही मिला है जिसके कारण सभी अतिथि शिक्षक साथियों को जीविकापार्जन में बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। श्री बहरे ने बताया कि विगत वर्षों से नियमिततीकरण की मांग को लेकर भी लड़ाई लड़ रहे है लेकिन सरकार उसे भी पूरा नही कर रही है। सोमवार को विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर उपस्थिति पंजी के आधार पर मानदेय का संधारण कर जल्द तीन माह का मानदेय दिये जाने की मांग की है एवं मांगे पूरी नही होने पर आंदोलन करने बाध्य होगें जिसकी जवाबदारी शासन-प्रशासन की होगी।

माँ सतबहनी मंदिर में भक्तिभाव के साथ मनाया गया शारदेय नवरात्र पर्व

आकर्षक झांकियों के साथ निकाली गई कलश यात्रा, विसर्जन घाट में किया गया कलश एवं जवारों का विसर्जन

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय स्थित माँ सतबहनी मंदिर में शारदेय नवरात्र पर्व के प्रथम दिन २२ सितंबर को शुभ मुहूर्त पर कलश स्थापना एवं जवारे बोकर नौ दिनों तक माता-रानी की आराधना की गई। शारदेय नवरात्र के नवमीं के अवसर पर ३० सितंबर को आस्थापूर्वक पांढरवानी तालाब स्थित विसर्जन घाट में कलश एवं जवारों का विसर्जन किया गया। इस अवसर पर सर्वप्रथम मंदिर में माता-रानी की विधि-विधान से पूजा अर्चना एवं आरती की गई तत्पश्चात कलशों की शोभायात्रा, जीवंत झांकियां के साथ निकाली गई। वहीं कलशों व जवारों को लेकर ग्राम की महिलाएं एवं युवतियां मंदिर से निकली। जो नगर मुख्यालय का भ्रमण करते हुए पांढरवानी स्थित लालबर्रा गार्डन बड़ा तालाब विसर्जन घाट पहुंची जहां आरती के पश्चात जवारों व कलशों का विसर्जन किया गया तत्पश्चात महाप्रसादी वितरण किया गया जिसमें श्रध्दालुओं ने उपस्थित होकर धर्म लाभ अर्जित किये। इस शोभायात्रा में माँ सतबहनी के सात रूप एवं अन्य भगवानों के जीवंत झांकिया आकर्षण का केन्द्र रही।

कलश व जवारे विसर्जन के बाद सभी श्रध्दालुजन मंदिर पहुंचे जहां भंडारा रूपी महाप्रसादी का वितरण किया गया। वहीं कलश व जवारे विसर्जन कार्यक्रम में बालाघाट विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे भी शामिल हुई और माता-रानी की पूजा अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त कर सभी को नवरात्र पर्व की शुभकामनाएं दी। चर्चा में माँ सतबहनी मंदिर समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि गत २२ सितंबर को शुभ मुहूर्त पर कलश कक्ष में ८४ मनोकामना च्योति कलश स्थापित किये गये। जिसमें ७६ तेल एवं ८ घी कलश प्रज्वलित कर प्रतिदिन सुबह-शाम माता रानी की आराधना की गई एवं जवारे बोकर शारदेय नवरात्र पर्व भक्तिभाव के साथ मनाया गया और प्रतिदिन सुबह-रात ८ बजे माता-रानी की आरती की गई। साथ ही यह भी बताया कि २९ सितंबर को अष्टमी के अवसर पर हवन-पूजन कार्यक्रम संपन्न करवाया गया एवं ३० सितंबर को नवमीं के अवसर पर विधि-विधान से पूजा अर्चना के पश्चात शोभायात्रा निकालकर कलशों व जवारों का विसर्जन कर महाप्रसादी का वितरण किया गया। इस अवसर पर माँ सतबहनी मंदिर समिति के पदाधिकारी, सदस्य व श्रध्दालुजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

कल मनाई जायेगी महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री शास्त्री जी की जयंती

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय स्थित विश्राम गृह में ब्लाक कांग्रेस कमेटी लालबर्रा के द्वारा २ अक्टूबर को दोपहर १२ बजे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती मनाई जायेगी। तत्संबंध में जानकारी देते हुए ब्लाक कांग्रेस कमेटी लालबर्रा अध्यक्ष भाऊराम गाड़ेश्वर ने बताया कि विश्व को सत्य व अहिंसा का मार्ग दिखाने वाले राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं सादगी की मिसाल, जय जवान-जय किसान का नारा देने वाले पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती ब्लाक कांग्रेस कमेटी के द्वारा लालबर्रा विश्रामगृह में २ अक्टूबर को दोपहर १२ बजे मनाई जायेगी। साथ ही इस जयंती के अवसर पर संगठन को मजबूती प्रदान करने पर भी चर्चा की जायेगी। इस अवसर पर कांग्रेस पार्टी के समस्त विंगों के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील ब्लाक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष भाऊराम गाड़ेश्वर ने की है।

४-माँ जगदंबा दुर्गा उत्सव समिति वार्ड नं.१२ शीतला माता मंदिर रोड़ वारासिवनी

१- जय जनजागृति दुर्गा उत्सव समिति गांधी चौक वारासिवनी

२-श्री गुरूनानक दुर्गा उत्सव समिति गुरूनानक धर्मशाला वारासिवनी

३-सार्वजनिक महिला मंडल दुर्गा उत्सव समिति वार्ड नं. ११ हैदराबाद मोहल्ला वारासिवनी

हनुमान जी के स्वरूप का हुआ ट्रायल पानीपथ की दिखी झलक

युवाओं में दिखा उत्साह पंडालों में पहुंचे हनुमान

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। नगर के युवाओं के द्वारा मां अंजनी पुत्र सेवा दल संगठन का गठन कर हनुमान जी महाराज के स्वरूप धारण करने की नई परंपरा को प्रारंभ किया गया है। जिसका यह तीसरा वर्ष है जिसमें शिवम् बुधरानी हनुमान जी के स्वरूप को धारण करेंगे जो सेवा में है। जिसका ट्रायल श्री राम मंदिर में किया गया इस दौरान युवाओं में खासा उत्साह देखा गया। यह स्वरूप ने नगर में भ्रमण कर दुर्गा पंडालों में भी पहुंचा जहाँ लोगो ने दर्शन कर स्वरूप का आशीर्वाद भी लिया। यह स्वरूप दशहरे के दिन चल समारोह में शामिल होगा जो पूरे चल समारोह में आकर्षण का केंद्र रहेगा।

हनुमान जी के स्वरूप ने नगर में किया भ्रमण

विजयदशमी के अवसर पर पानीपत की परंपरा अनुसार हनुमान जी का स्वरूप शोभायात्रा में शामिल होना है। जिसको लेकर शिवम् बुधरानी के द्वारा स्वरूप की सेवा की जा रही है जिनके द्वारा ट्रायल के दौरान श्री राम मंदिर में स्वरूप धारण किया गया। जहां युवाओं का खासा उत्साह देखने को मिला यह स्वरूप नगर भ्रमण के लिए निकला जो श्री राम मंदिर परिसर में गांधी चौक और फिर नगर के विभिन्न चौक चौराहा और गलियों का भ्रमण किया गया। इस दौरान विभिन्न दुर्गा उत्सव समिति सहित अन्य स्थानों पर पूजा अर्चना की गई वहीं जगह जगह नृत्य भी किया गया। इस दौरान नगर सहित राहगीरों के द्वारा रुक कर हनुमान जी के स्वरूप का दर्शन कर आशीर्वाद भी ग्रहण किया जाता रहा।

पानीपत की परंपरा का है तीसरा वर्ष

विदित हो की पानीपत में हनुमान जी महाराज के स्वरूप धारण कर चल समारोह करने की परंपरा है जो बालाघाट में पूर्व से प्रारंभ है। ऐसे में नगर के युवाओं के द्वारा संगठन बनाकर उक्त परंपरा को वारासिवनी में प्रारंभ किया है यह तीसरा वर्ष है किंतु युवाओं में अपार उत्साह देखा जा रहा है। यह स्वरूप पानीपत से मंगाया गया जिसकी स्थापना श्री राम मंदिर में नवरात्र के प्रथम दिन की गई। जिसे धारण शिवम् बुधरानी के द्वारा किया जाएगा जो स्वरूप धारण करने के नियम की तपस्या बीते ९० दिनों से कर रहे हैं। जिन्होंने ट्रायल के अवसर पर हनुमान महाराज का स्वरूप धारण किया और नगर के कुछ स्थानों का भ्रमण किया। इस दौरान करीब एक सैकड़ा से अधिक युवाओं ने उपस्थिति दर्ज कराकर उत्सव मनाया।

अष्टमी पर्व का हुआ आयोजन

संगठन के द्वारा अष्टमी पर हनुमान जी के स्वरूप की विधि विधान से पूजा अर्चना करने के उपरांत मां भगवती की पूजा अर्चना कर नौ कन्या भोज करवाया गया। जिसमें कन्याओं के चरण धूलकर तिलक वंदन कर उन्हें भोजन करने के उपरांत प्रसादी और उपहार भेंट किया गया। क्योंकि उक्त स्थान पर हनुमान जी के स्वरूप के साथ साथ मां भगवती के मनोकामना ज्योति कलश और जवारे की भी स्थापना की गई है जहां नवरात्र पर्व भी आस्था के साथ मनाया जा रहा है।

काल भैरव मंदिर में भंडारे का हुआ आयोजन

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। नगर के रामपायली रोड़ स्थित एफ सीआई गोदाम के सामने स्थित काल भैरव बाबा के मंदिर में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम नवरात्र पर्व की अष्टमी तिथि के अवसर पर मंदिर समिति के सदस्यों की उपस्थिति में प्रारंभ किया गया। जिसमें सर्वप्रथम भगवान काल भैरव की विधि विधान से पूजा अर्चना की गई। तत्पश्चात भोग लगाकर विशाल भंडारा प्रारंभ किया गया जहां पर राहगीर और निवासरत लोगों के द्वारा उपस्थित होकर बड़ी संख्या में प्रसादी ग्रहण कर धर्मलाभ अर्जित किया गया। मंदिर समिति के सदस्यों ने बताया कि प्रति महीने के शनिवार को बाबा काल भैरव की पूजा अर्चना और भंडारे का आयोजन किया जाता है परंतु यह अष्टमी तिथि के अवसर पर आयोजित किया गया है। जिसके तहत महाप्रसादी वितरण किया जा रहा है इस दौरान विधि विधान से पूजा अर्चना कर नगर सहित क्षेत्र के सुख समृद्धि बनाए रखने की कामना की गई। जहां बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया।

स्वच्छता पखवाड़ा अंतर्गत विविध गतिविधियां आयोजित

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी विकासखंड अंतर्गत शासकीय माध्यमिक शाला नरोड़ी में स्वच्छता पखवाड़ा अंतर्गत विविध गतिविधियां आयोजित की गई। राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल से प्राप्त निर्देशानुसार १६ से ३० सितंबर २०२५ तक शाला स्वच्छता एवं अन्य गतिविधियों का आयोजन किया गया। शाला प्रमुख सविता रिनायत के मार्गदर्शन में शाला के शिक्षक रूपसिंह उइके, धन्नालाल बिसेन एवं स्कूली बच्चों के साथ १६ सितंबर को स्वच्छता शपथ दिवस मनाया गया और स्वच्छता शपथ ली गई। १७ एवं १८ सितंबर को स्वच्छता जागरूकता दिवस एवं हरित विद्यालय मूल्यांकन अंतर्गत एसएमसी एवं पालकों की बैठक में स्वच्छता बरतने के महत्व परिसर को सुंदर हरा भरा बनाने हेतु संकल्प लिया गया तथा शौचालय स्वच्छता का कार्य किया गया। शिक्षक धन्नालाल बिसेन के द्वारा स्वच्छ और हरित विद्यालय मूल्यांकन का कार्य पूर्ण किया गया साथ ही एक पेड़ मां के नाम के तहत जनप्रतिनिधियों पालकों की उपस्थिति में शाला प्रांगण में २५ पेड़ लगाए गए। १९ सितंबर को हरा भरा विद्यालय मुहिम अंतर्गत स्वच्छता आधारित स्लोगन पोस्टर्स बनाने हेतु प्रोत्साहन,सिंगल यूज प्लास्टिक को प्रतिबंधित करने ,जल संवर्धन एवं विद्यार्थियों के साथ उनकी माताओं के द्वारा वृक्षारोपण किया किया। २० और २१ सितंबर को समुदाय की सहभागिता से श्रमदान किया गया। २२ और २३ को साबुन से हाथ धुलाई दिवस अंतर्गत भोजन से पहले और शौच के बाद साबुन से हाथ धोने,पानी का अपव्यय रोकने शौचालयों का उपयोग करने हेतु निर्देश दिए गए। २४ और २५ को स्वच्छता सहभागिता दिवस अंतर्गत निबन्ध प्रतियोगिता आयोजित की गई। २६ सितंबर को व्यक्तिगत स्वच्छता दिवस पर स्वच्छता के घटकों एवं स्वच्छता के बारे में जानकारी दी गई। २७ से ३० सितंबर तक शाला प्रदर्शनी ,स्वच्छता एक्शन प्लान डे और पुरस्कार वितरण आदि कार्यक्रम आयोजित कर स्वच्छता पखवाड़ा का समापन किया गया। स्वच्छता पखवाड़ा गतिविधियों में शाला के सभी शिक्षक एवं विद्यार्थियों ने सामूहिक सहभागिता की तथा समुदाय की भागीदारी भी सुनिश्चित की गई। शाला के शिक्षक धन्नालाल बिसेन ने स्वच्छता पखवाड़ा अंतर्गत विविध गतिविधियों को आयोजित करने में विशेष भूमिका निभाई। शाला स्तर पर इस तरह के आयोजन से निश्चित ही स्वच्छता ही सेवा का भाव जाग्रत होगा।

शीतला माता मंदिर में अष्टमी पर विशेष पूजा करने पहुंचे श्रद्धालु

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। नगर सहित क्षेत्र में शारदेय नवरात्र पर्व २२ सितंबर से हर्ष उल्लास के साथ मनाया जा रहा है। जिसमें भक्त जनों के द्वारा मां जगत जननी की प्रतिमा सार्वजनिक पंडालों में विराजित कर आस्था अनुरूप नवरात्रि पर्व मनाया जा रहा है। वहीं मंदिरों में मनोकामना ज्योति कलश प्रजवल्लित कर मनाया जा रहा है। जिसमें शारदेय नवरात्र पर्व की अष्टमी पर सभी स्थानों पर धार्मिक मान्यताओं के अनुरूप अष्टमी पर्व मनाया गया। इसी कड़ी में नगर के प्राचीनतम एवं ग्राम देवी के नाम से ख्याति प्राप्त मां शीतला माता मंदिर में महाष्टमी पर प्रात: ४.३० बजे से श्रद्धालुओं की भीड़ लगी हुई है जो जो देर शाम तक चलता रहा। इस दौरान उपस्थित भक्त जनों के द्वारा मां शीतला माता की विशेष पूजा अर्चना कर उन्हें आठवाई चढ़ाकर अष्टमी पर्व मनाया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में शारदेय नवरात्र पर्व धार्मिक मान्यताओं के अनुरूप हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। जिसमें क्षेत्र वासियों के द्वारा पूरे ९ दिन भक्ति भाव के साथ मां भगवती मां जगदंबे के नौ रूपों की विशेष आराधना की जा रही है। इसी कड़ी में शारदेय नवरात्र पर्व की अष्टमी तिथि पर माता महागौरी की पूजा की जाती है। ऐसे में महाअष्टमी पर्व नगर के लोगों के द्वारा मां शीतला माता मंदिर में पहुंचकर मनाया जा रहा है। जहां पर माता की विशेष पूजा आराधना कर हलवा पूरी खीर आठवाई का भोग लगाकर अष्टमी पर्व मनाया जा रहा है। इस दौरान सुबह ४.३० बजे से भक्तों की भीड़ मंदिर में लगी हुई है जो देर शाम तक लगी रहेगी जहां पर भक्तों के द्वारा माता को जल चढ़ा कर भोग लगाया जा रहा है। इस दौरान मंदिर प्रबंधन के द्वारा प्रवेश और निकासी दो अलग द्वार बनाए गए हैं जिनसे व्यवस्था संचालित की जा रही है।

विदित हो कि मां शीतला माता मंदिर में नवरात्र पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है इस दौरान २२ सितंबर को मनोकामना ज्योति कलश प्रज्वलित कर नवरात्र पर्व का प्रारंभ किया गया। जिसके बाद से प्रतिदिन अलग अलग माता रानी की आराधना करते हुए महा अष्टमी के दिन भक्तों के द्वारा भोग लगाया जा रहा है। महानवमी को मंदिर में हवन पूजन कार्यक्रम कर दशहरे के दिन जवारे का विसर्जन किया जायेगा। समिति सदस्यों ने बताया कि मां शीतला माता मंदिर में हर्ष उल्लास के साथ नवरात्र पर्व मनाया जा रहा है इस दौरान ज्योति कलश प्रज्वलित कर पर्व का प्रारंभ किया गया था। महाअष्टमी है और महानवमी के दिन हवन पूजा किया जाएगा तत्पश्चात दशहरे की सुबह १२ बजे जवारों का विसर्जन कर पर्व का समापन किया जायेगा। इस अवसर पर नगर सहित क्षेत्र के श्रद्धालु भक्तजनों से अपील है कि वह अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर मां शीतला का आशीर्वाद ग्रहण करें।

कैरियर हायर सेकेण्डरी स्कूल में स्वच्छता पखवाड़ा का हुआ समापन

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। कैरियर हायर सेकेण्डरी स्कूल में १६ सितम्बर से ३० सितंबर तक आयोजित होने वाले स्वच्छता पखवाड़ा का स्वच्छता अभियान चलाकर समापन किया गया। शासन के निर्देशानुसार इस पखवाड़े के अंतर्गत स्वच्छता की शपथ स्कूल संचालक एवं प्राचार्य के द्वारा छात्र छात्राओं सहित शिक्षक शिक्षिकाओं तथा कर्मचारियों को दिलायी गई। इसके अतिरिक्त स्कूल परिसर को हरा भरा बनाने के लिये पौधरोपण किया गया। वर्षा, जल संचयन की विभिन्न तकनीकों के बारे में जानकारी दी गई। निबंध, भाषण, चित्रकला एवं नारालेखन प्रतियोगितायें आयोजित की गई। छात्र छात्राओं को ग्रामों का भ्रमण कराकर ग्रामीणों को अपने अपने घरों एवं ग्राम को स्वच्छ रखने के लिये प्रेरित किया गया। इसके अतिरिक्त स्वच्छता पर प्रश्नोत्तरी तथा वाद विवाद प्रतियोगितायें संपन्न हुई। पखवाड़े के अंतिम दिवस स्वच्छता अभियान चलाते हुये स्कूल परिसर के अंदर एवं बाहर के प्रागंण सहित साफ सफाई की गई तथा एक सभा का आयोजन किया गया जिसमें व्याख्यान माला का आयोजन किया गया। जिसमें अपने दिये गये व्याख्यान के अंतर्गत स्कूल संचालक एवं प्राचार्य निरंजन बिसेन के द्वारा छात्र छात्राओं सहित समस्त कर्मचारियों से स्वच्छ भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिये प्रेरित किया गया। इसके अतिरिक्त जल संवर्धन की जानकारी दी गई। सिंगल यूज प्लास्टिक को पूर्णत: प्रतिबंधित करने हेतु आवश्यक कदम उठाने के लिए प्रेरित किया गया। इस पखवाड़े में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वंय सेवकों एवं सेविकाओं सहित अन्य छात्र-छात्राओं की विशेष भूमिका थी।

वृहत्ताकार सेवा सहकारी समिति की आमसभा संपन्न

सच्चाई की लड़ाई लड़ने भगवान को संघर्ष करना पड़ता है तो हमे भी संघर्ष करने तैयार रहना चाहिए-प्रदीप जायसवाल

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। दीनदयाल चौक स्थित वृहत्ताकार सेवा सहकारी समिति के परिसर में वार्षिक आम सभा का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल,पूर्व अध्यक्ष शैलेंद्र शेट्टी ,राजेंद्र अरोरा ,वायकर पारधी, गगन बिसेन ,संदीप मिश्रा ,मोनू लिमजे ,प्रबंधक दिनेश परिहार ,योगेंद्र मात्रे सहित अन्य गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में प्रारंभ किया गया। जिसमें सर्वप्रथम मां सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष की दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया गया तत्पश्चात आम सभा प्रारंभ की गई। जिसमें वृताकार कृषि सहकारी शाख समिति मर्यादित वारासिवनी के अंशधारी सदस्यों की उपस्थिति में समिति की क्रियाकलापों का जो संचार किया गया उसका अनुमोदन कर रिपोर्ट प्राप्त कर वार्षिक रिपोर्ट पर विचार विमर्श किया गया। जिसमें संस्था प्रबंधक दिनेश परिहार के द्वारा वार्षिक लेखा जोखा प्रस्तुत किया गया। इसके बाद उपस्थित किसान एवं अन्य लोगों के द्वारा किसानों को हो रही समस्या से संबंधित विभिन्न विषयों को रखते हुए बताया गया। कार्यक्रमों को संबोधित कर पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कहा कि रावण भगवान शिव का भक्त था उसका वध करने में भगवान राम को संघर्ष करना पड़ा । सच्चाई की लड़ाई के लिए भगवान को जब संघर्ष करना पड़ सकता है तो हमको भी संघर्ष करने तैयार रहना चाहिए कभी पीछे नहीं हटना चाहिए। सीधे कोई काम होता नहीं है जो संघर्ष कर सच्चाई पर चलता है उसे विजय जरूर मिलती है इस तरह हमारे किसान भाई है जो संघर्ष करते हैं खुले आसमान के नीचे खेती करते हैं जो सबसे बड़ी चुनौती है । इससे बड़ी चुनौती कुछ हो नहीं सकती और बड़ी संख्या में हमारे क्षेत्र में किसान है और कोई भी सरकार नेता सभी किसानों को खुश नहीं कर सकता इतना बड़ा देश और जनसंख्या है। सरकार किसानों के कल्याण करने के लिए योजनाएं बनती है ,सभी को सरकार का संरक्षण है समिति के माध्यम से आपको रुपये और खाद जीरो प्रतिशत ब्याज दर पर मिल जाता है। सरकार किसानों को अलग अलग तरीके से लाभ देती है और यह प्रयास हमें देखने मिलता है ,किसान सम्मान निधि बोनस के रूप में केंद्र और राज्य सरकार कर रही है। खाद महंगी मिलने की जो बात आती है तो वह अंतरराष्ट्रीय बाजार में बहुत महंगी है जो रेट सरकार को मिलता है ,उसका आधा सरकार सब्सिडी देती है तब वह कीमत आपके पास आती है । यदि सरकार सब्सिडी ना दे तो बहुत महंगा होगा सरकार लगातार सब कर रही है और आज भी आप संघर्ष कर खेती कर रहे हैं यह बहुत बड़ी बात है क्योंकि चुनौतियों का सामना करना आपको पढ़ रहा है और बात रही चुनाव की तो बीच में कॉविड ने हमारे भारत ही नहीं पूरे विश्व के २ साल खराब की है। स्थिति इधर उधर कर दी नई सरकार बनी लगातार किसानों के लिए कार्य किया जा रहा है और अब यह स्थिति संभलते नजर आ रही है तो निश्चित है कि आगे सोसाइटी और कृषि उपज मंडी के निर्वाचन पंचायत चुनाव के पहले होंगे । हम सभी संघर्ष करने वाले व्यक्ति है हमें सदैव अपने कार्यों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए सरकार भी आपके लिए व्यवस्था बनाते हुए चल रही है। इस अवसर पर एस एन पटले ,एम एल ऐडे ,रविन्द्र पारधी ,हितेश सोनी ,जितेंद्र पटले सहित बड़ी संख्या में कृषक साथी मौजूद रहे।

बस स्टैंड में आर्केस्ट्रा का हुआ आयोजन

कलाकारों ने पुराने गीतों की दी मनमोहक प्रस्तुती

बस स्टैंड स्थित मां वैष्णो देवी नवरात्र दुर्गा उत्सव बस एजेंट समिति के तत्वाधान में आर्केस्ट्रा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जहां मां भगवती की विधि विधान से पूजा अर्चना करने के उपरांत आरती संपन्न होने पर प्रसादी का वितरण कर आर्केस्ट्रा कार्यक्रम प्रारंभ किया गया। जिसमें नगर सहित क्षेत्र के कलाकार खिनेन्द्र भवरे,उमेश चौरे ,दीपक सातदेवे के द्वारा नए पुराने मनमोहन गीतों की प्रस्तुति दी गई। तो वहीं जूनियर अमिताभ श्यामराव वानखेडे के द्वारा अमिताभ बच्चन की आवाज में लोगों का जमकर मनोरंजन कर विभिन्न गीतों की भी प्रस्तुती दी गई।

अनुभवों की खान होते हैं बुजुर्ग ,बुजुर्गों का सम्मान कीजिए

कहते है बुजुर्ग अनुभवों की खान होते हैं बुजुर्ग वटवृक्ष के सामान होते हैं जिनकी शीतल छाया में बच्चे सुरक्षित रहते है। बुजुर्गों का सम्मान कीजिए ।बेशक 1 अक्तूबर 2025 को विश्व वृद्ध दिवस मनाया जा रहा है मगर ऐसे आयोजन औपचारिकता भर रह गए हैं। केवल मात्र एक दिन बड़ी धूमधाम से कार्यक्रम किए जातें हैं बाकि 364 दिन इन वृद्धों को कोई याद तक नहीं करता वृद्धों कें नाम पर चलाई जा रही योजनाएं कागजों में ही क्रियान्वित होती हैं।बुजुर्ग ढलती साझें है।ढलती साझें आज नारकीय जीवन जीने को मजबूर हैं।वृद्धों को आश्रमों में भेजा जा रहा है।बुजुर्ग किसी दूसरे द्वारा नहीं बल्कि अपने ही बेटों के कारण उपेक्षित हैं शायद यह उनका दुर्भाग्य ही कहा जाएगा कि जिन बच्चों के लिए अपना पेट काटकर व भूखे रहकर उनका पालन पोषण किया आज वही बेटे उन्हे दर-दर की ठोकरें खाने के लिए मजबूर कर रहे हैं। बुजुर्गों का तिरस्कार,एक खौफनाक त्रासदी है।आज देश में बुजुर्गों की जो हालत हो रही है उसके मामले समय-समय पर उजागर होते रहते है। आज अपने ही वृक्ष को काटने पर उतारु हो गए हैं। देश में आज लाखों वृद्ध लोग नारकीय जीवन जीने पर मजबूर हैं तथा दूसरों पर मोहताज हैं।बुजुर्गो ने पाई-पाई जो ?कर जिन बच्चों को मंहगी व उच्च तालिम देकर पैरों पर खडा किया आज उन्ही के सामने दो जून की रोटी के लिए गि ?गडा रहे है।मां-बाप का कर्ज आज तक कोई नहीं चुका पाया है। बुजुर्गों ने अपनी खुशियों का गला घोंटकर अपने बच्चों को हर खुशी प्रदान की मगर आज वही चिराग माता -पिता के दुश्मन बन गए हैं बुजुर्ग परिवार का स्तम्भ होते हैं। आज देश में बुजुर्ग लोग तिरस्कृत जीवन जीने को मजबूर हैं। केन्द्र सरकार द्वारा वृद्धों के भरण-पोषण के लिए कानून बनाए हैं मगर वे फाईलो की धूल चाट रहे हैं नजीजन लोग कानूनों की धज्जियां उड़ा रहे हैं। आधुनिक युग की तथाकथित बहुएं व कलयुगी बेटे बुजुर्गों से बुरा व्यवहार कर रहे हैं।लेकिन एक दिन उन्हे भी बुढापा आयेगा तब उन्हें भी अपनी करनी का फल अवश्य मिलेगा। आज बुजुर्गो को स्टोर रुम में रखा जाता है मगर एक दिन स्टोर रुम तुम्हारा भी इंतजार कर रहा है जब तुम्हे भी ऐसा ही नसीब होगा।क्योकि जैसा बोओगे वैसा ही काटोगे। अक्सर देखा गया है कि अधिकांश लोग वृद्ध आश्रमों की शरण ले रहे हैं क्योकि जब यह लोग दुखी हो जाते हैं तो वृद्ध आश्रम ही आखिरी विकल्प सूझता हैं। आज बहुत से वृद्ध एकाकी जीवन जी रहे ह। बेटों के पास आज समय नहीं हैं कि अपनों का सहारा बने हमें घर में अपने बुजुर्गों की दिन-रात सेवा करनी चाहिए क्योकिं बुजुर्गों की सेवा से बड़ा कोई तीर्थ नहीं हैं। आज स्थिति यह है कि वृद्ध लोग दाने-दाने को तरस रहे हैं।विडम्बना देखिए कि आज मां-बाप का बंटबारा किया जा रहा है उन्हे महिनों में बांटा गया है कि इस माह किस बेटे के पास खाना खाना है तथा अगले महिने दूेसरे बेटे के घर खाना है।जिन मां बाप ने अपने बेटों में कभी भेदभाव तक नहीं किया आंच तक नहीं आने दी कांटा तक चुभने नहीं दिया आज वही बच्चे उनका बंटवारा कर रहे हैं।ऐसी पर्रिस्थितियों के कारण कई लोग असमय ही मौत को गले लगा रहे हैं।बुजुर्गों के साथ बेंटो द्वारा मारपीट की घटनाएं भी होती रहती हैं।मारपीट के कारण कई मारे जा चुके हैं। ऐसी औलादें समाज पर कलंक है जो अपने ही जन्मदाताओं को नरक की जिन्दगी दे रहे है।लेकिन कहते हैं इतिहास अपने आप को दोहराता है। समय बहुत बलवान होता है एक दिन सजा जरुर मिलेगी।गरीब लोग तो माता -पिता व बुजुर्गो की अच्छी सेवा करते है मगर साधन संपन्न लोगो द्वारा आज बुजुर्गो को ओल्ड ऐज होम तथा सरकार द्वारा बनाए गए वृद्ध आश्रमों में धकेला जा रहा है। आज वृद्धो को पुराना सामान समझ कर निकाला जा रहा हैं। लेकिन दुनिया में सब कुछ मिल जाता है मगर मां-बाप नहीं मिलते। बेचारे बुजुर्ग जिन पोते पोतियों को कंधों पर बिठाकर स्कूल से लाते थे और छोडते थे आज वही उनकी पिटाई तक करते हैं तथा उनका मजाक उडाते हैं।कुछ बुजुर्ग तो घर में ही कैद होकर रह गए हैं वे गुमनामी के अन्धरे में जीने को मजबूर हैं। वृद्ध आज दयनीय स्थिति में जीवनयापन कर रहे हैं।सरकारों ने बुजुर्गों को पैशन की सुविधा दी है पर वह भी नाकाफी साबित हो रही है।सरकार को सख्ती से कानून लागू करने चाहिए ताकि वृद्धों को उनका हक मिल सके।सरकार व प्रशासन को ऐसे लोगों के विरुद्ध ठोस कारवाई करनी चाहिए तथा बुजुर्गों का अनादर करने वालो को दंडित किया जाए।

बच्चों के भविष्य की नींव बचपन में ही रखी जा सकती है

वैश्विक स्तरपर हम मनीषी जीव के अनेक रूप देखते हैं, कोई सड़क पर भीख मांग रहा है तो कोई विश्व का सबसे अमीर है!कोई स्वास्थ्यता से डैमेज होकर दिव्यांग है तो कोई विश्व कासबसे स्वस्थ व्यक्ति !कोई बच्चा फुटपाथ पर जीवन जी रहा है तो कोई महलों में है। हालांकि इस स्थिति को किस्मत का खेल भी हम मानते हैं परंतु इस बात से हम इनकार नहीं कर सकते कि अगर एक माली या किसान जमीन में कोई बीज बोकर उसका सतर्कता से ध्यान रखना है,अंकुरित होकर पौधा होने तक उसका पूरा ध्यान रखना है तो अधिकतम संभावना उसके फलदार वृक्ष बनकर आजीवन स्वस्थ उत्पादकता बनी रहती है, जिसकी नीव उसे अंकुरित बीज की देखभाल करने से पड़ी! ठीक उसी तरह अगर हम अपने बच्चों के स्वास्थय, जीवन शैली, स्वस्थ्य विकास,गुणवत्ता सुधार पर उनके बचपन से ही गंभीरता व सतर्कता से ध्यान देंगे तो उनमें गुण ही अंकुरित होते जाएंगे उनके स्वास्थ्य व स्वस्थ्य विकास के फल उनके जीवन पर्यंत मिलेंगे, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, आओ बच्चों में स्वास्थ्य देखभाल, गुणवत्ता सुधार स्वस्थ्य विकास रूपी बीज बोकर उन्हें जीवन पर्यंत स्वस्थ व फलदार वृक्ष रूपी गुणवान बनाएं।

साथियों बात अगर हमह्ल हम बच्चों के स्वास्थ्य की करें तो ,परिवार और उनकी मदद करने के लिए कड़ी मेहनत करने वालों के प्रति अपना समर्थन दिखाते हैं परिवार की आय बच्चों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए एक प्रमुख कारक है। उन्नीसवीं सदी के मध्य तक बच्चों के उपचार के लिए कोई समर्पित सुविधा नहीं थी। उनका इलाज घर पर ही किया जाता था और अगर परिवारों के लिए यह विकल्प नहीहोता था , उस समय बच्चों के स्वास्थ्य की समझ को परिभाषित नहीं किया गया था और अक्सर परित्यक्त और अनाथ बच्चों को शिशु आश्रय गृहों में छोड़ दिया जाता था। अब समय के विकास के साथ बच्चों के स्वास्थ्य और गुणवत्ता पर ध्यान देने के लिए यह दिवस मनाया जाता है।

साथियों बात अगर हम विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा वैश्विक बाल स्वास्थ्य एजेंडे की करें तो,पिछले दशकों में 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों का जीवित रहना वैश्विक बाल स्वास्थ्य एजेंडे का मुख्य केंद्र रहा है। परिणाम स्वरूप, 1990 और 2019 के बीच वैश्विक बाल मृत्यु दर में 60 प्रतिशत की कमी आई। 2020 में 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों में होने वाली 5.2 मिलियन मौतों में से कई मौतें कमज़ोर आबादी में केंद्रित थीं, विशेष रूप से उप सहारा अफ्रीका और दक्षिण-पूर्व एशिया के देशों में !इस बात के प्रमाण के आधार पर कि आजीवन स्वास्थ्य, उत्पादकता और कल्याण की नींव बचपन में ही रखी जाती है, स्वास्थ्य क्षेत्र की यह सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका है कि बच्चे न केवल जीवित रहें, बल्कि फलते-फूलते रहें। सतत विकास लक्ष्यों में छोटे बच्चों के विकास को बढ़ावा देने के लिए विशिष्ट लक्ष्य शामिल हैं,जो मानव पूंजी उत्पन्न करता है जो हर बच्चे का अधिकार है, और न्यायसंगत और सतत प्रगति के लिए आवश्यक है। एक सुरक्षित, स्वस्थ और सुरक्षात्मक वातावरण यह सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण है कि सभी बच्चे अपनी पूरी क्षमता तक बढ़ सकें और विकसित हो सकें। बता दें 12-14 नवंबर 2024 को मातृ, नवजात, बाल और किशोर स्वास्थ्य और पोषण के लिए रणनीतिक और तकनीकी सलाहकार समूह के विशेषज्ञों की 10 वीं बैठक का एजेंडा विश्व बैंक द्वारा तैयार कर लिया गया है।बचपन की बीमारियों का प्रबंधन गुणवत्तापूर्ण, बाल-केंद्रित प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं के कार्यान्वयन का समर्थन करके,डब्लू एचओ देशों को सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज की दिशा में काम करने में मदद करता है।उसका लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि सभी बच्चे अपना 10 वां जन्मदिन अच्छे स्वास्थ्य में मना सकें।स्वास्थ्य सुविधाओं में लाए गए बच्चे अक्सर एक समय में एक से अधिक स्थितियों से पीडित होते हैं, और पर्याप्त देखभाल प्रदान करना एक गंभीर चुनौती बनी हुई है। कम संसाधन वाले देशों में प्रथम स्तरीय स्वास्थ्य सुविधाओं में, रेडियोलॉजी और प्रयोगशाला सेवाओं जैसे नैदानिक समर्थन न्यूनतम या न के बराबर होते हैं, और दवाएँ और उपकरण अक्सर दुर्लभ होते हैं।इन सीमाओं के बावजूद उच्च-गुणवत्ता वाली देखभाल सुनिश्चित करने के लिए,डब्लूएचओ बचपन की बीमारी के एकीकृत प्रबंधन के निरंतर कार्यान्वयन को बढ़ावा देता है। निमोनिया, दस्त,मलेरिया खसरा और कुपोषण। इसके तीन घटक हैं- स्वास्थ्य देखभाल कर्मचारियों के केस प्रबंधन कौशल में सुधार, समग्र स्वास्थ्य प्रणालियों में सुधार, और परिवार और सामुदायिक प्रथाओं में सुधार।प्रसार वाले क्षेत्रों के लिए अनुकूलित किया जा सकता है। इसे 10 वर्ष तक के बच्चों तक विस्तारित करने के लिए चर्चा चल रही है।

साथियों बात अगर हम बच्चों के पालन पोषण की करें तो जिस तरह से माता, पिता और अन्य देखभालकर्ता शुरुआती वर्षों में बच्चों का पालन-पोषण और समर्थन करते हैं, वह स्वस्थ विकास और वृद्धि के लिए सबसे निर्णायक कारकों में से एक है जिसमें स्वास्थ्य, उत्पादकता और सामाजिक सामंजस्य के लिए आजीवन और अंतर-पीढ़ीगत लाभ हैं।बेहतर तरीके से बढ़ने और विकसित होने के लिए, बच्चों को पोषण संबंधी देखभाल प्राप्त करने की आवश्यकता होती है। इसका मतलब है कि वे पर्याप्त पोषण और अच्छेस्वास्थ्य का आनंद लें, सुरक्षित और संरक्षित महसूस करें, और जन्म से ही सीखने के अवसर प्राप्त करें। बीमारी के दौरान विशेष स्तनपान, टीकाकरण और समय पर देखभाल सभी बच्चे के स्वस्थ विकास और वृद्धि में योगदान करते हैं। स्वच्छ हवा, पानी और स्वच्छता, और खेलने और मनोरंजन के लिए सुरक्षित स्थान भी छोटे बच्चों के लिए तलाशने और सीखने के लिए महत्वपूर्ण हैं।जब देखभाल करने वालों को उनके देखभाल के तरीकों, परिवार, समुदाय और स्वास्थ्य सेवाओं में समर्थन मिलता है, तो उन्हें लाभ होता है। दूसरों की देखभाल करने के लिए उन्हें खुद को अच्छा महसूस करने की आवश्यकता होती है और इसलिए, देखभाल करने वाले के मानसिक स्वास्थ्य को संबोधित करना उन सेवाओं का एक महत्वपूर्ण पहलू है जो बच्चों के स्वस्थ विकास और विकास का समर्थन करती हैं।

साथियों बात अगर हम भारत मैं प्रतिवर्ष मनाए जाने वाले राष्ट्रीय पोषण सप्ताह की करें तो बच्चों सहित युवाओं का शरीर स्वस्थ तभी होगा जब उसे जरूरी मात्रा में पौष्टिक तत्व मिलते रहेंगे, लेकिन आज के दौर में लगभग सभी उम्र के लोगों में अनहेल्दी फूड हैबिट्स काफी ज्यादा बढ़ गई है।शरीर के लिए पोषण की जरूरत के बारे में लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से भारत सरकार के महिला और बाल विकास मंत्रालय द्वारा हर साल राष्ट्रीय पोषण सप्ताह मनाया जाता है।जिस तरह इंजन को चलने के लिए पेट्रोल की जरूरत होती है, वैसे ही हमारे शरीर को कार्य करने के लिए आहार की जरूरत होती है,लेकिन शरीर स्वस्थ व निरोगी रहे, हर आयु में उसका विकास सतत रहे तथा शरीर के सभी तंत्र व प्रणालियां सही तरह से कार्य करें, इसके लिए बहुत जरूरी है शरीर को जरूरी मात्रा में पोषण मिलता रहे। लेकिन अलग-अलग कारणों से बहुत बड़ी संख्या में लोग विशेषकर बच्चे जरूरी मात्रा में पोषण ग्रहण नहीं कर पाते हैं और कुपोषण का शिकार हो जाते हैं।

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि बच्चों के भविष्य की नींव बचपन में ही रखी जा सकती है।आओ बच्चों में स्वास्थ्य देखभाल गुणवत्ता सुधार,स्वस्थ्य विकास रूपी बी? बोकर उन्हें जीवन पर्यंत फलदार वृक्ष रुपी स्वस्थय व गुणवान बनाएं। माता- पिता व परिवार द्वारा बच्चों को स्वस्थ जीवन शैली जीने में सतर्कता से ध्यान देने पर उनका पूरा जीवन सफलता से जीने की संभावना बढ़ती है।

-किशन सनमुखदास भावनानी

वृद्ध बोझ नहीं, बल्कि संस्कृति, परंपरा और मूल्यों के संरक्षक हैं

संयुक्त राष्ट संघ ने 1 अक्टूबर को अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के रूप में घोषित किया है। इस दिवस का उद्देश्य वृद्धों के अधिकारों, उनकी गरिमा और उनके योगदान को रेखांकित करना है। यह दिन हमें यह सोचने को विवश करता है कि जीवन के इस अंतिम प ?ाव में, जिसे कभी सम्मान और अनुभव का प्रतीक माना जाता था, आज वह उपेक्षा, अकेलेपन और असुरक्षा का पर्याय क्यों बन गया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार वर्ष 2030 तक 60 वर्ष से अधिक आयु के लोग पूरी दुनिया में 1.4 अरब से अधिक हो जाएंगे और 2050 तक यह संख्या दोगुनी होकर लगभग 2.1 अरब तक पहुँच जाएगी। विकसित देशों में वृद्धजन आबादी का चौथाई हिस्सा बन चुके हैं, वहीं विकासशील देशों में भी उनकी संख्या तेजी से बढ़ रही है। लेकिन विडंबना यह है कि इस बढ़ती जनसंख्या के साथ उनकी सुरक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक भागीदारी की चुनौतियां भी बढ़ रही हैं। यूरोप और अमेरिका जैसे देशों में वृद्धजन पेंशन और हेल्थकेयर से तो सुरक्षित हैं, परंतु वहाँ अकेलेपन और मानसिक अवसाद की समस्या विकराल है। एशिया और अफ्रीका में, जहां परिवार व्यवस्था मजबूत मानी जाती थी, अब संयुक्त परिवार टूटने से वृद्धजन आर्थिक व सामाजिक असुरक्षा से जूझ रहे हैं। अन्तर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस की शुरुआत 1991 में हुई थी और इसका उद्देश्य बढ़ती उम्र की आबादी के अवसरों और चुनौतियों के बारे में जागरूकता बढ़ाना तथा वृद्धजनों के अधिकारों और योगदान को पहचानना है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित इस दिवस पर वृद्धजनों को समर्थन देने वाली प्रणालियों को मजबूत करने का आह्वान किया जाता है और उनके मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य देखभाल के लिए एकीकृत दृष्टिकोण को प्रोत्साहित किया जाता है। समाज में उनके बहुमूल्य योगदान को मान्यता देना, उनके अधिकारों की रक्षा करना, वृद्धजनों को स्वास्थ्य सेवाएं, देखभाल, सामाजिक सहायता प्रदान करने वाली प्रणालियों को मजबूत करना, वृद्धजनों को वैश्विक विकास प्रयासों में शामिल करना और शहरी वातावरण को उनके लिए अधिक समावेशी बनाना आदि इस दिवस को मनाने के उद्देश्य हैं। इस दिवस को मनाते हुए वृद्ध व्यक्तियों की डिजिटल प्रौद्योगिकियों तक समान पहुँच प्रदान करने के महत्व पर जोर देना और यह सुनिश्चित करना कि सभी आयु वर्गों के लिए समानता को बढ़ावा दिया जाए और वृद्ध व्यक्तियों के मानवाधिकारों का पालन हो आदि बातों पर विशेष बल दिया जाता है। इस दिवस की 2025 की थीम 'समावेशी भविष्य के लिए वृद्धजनों की आवाज को सशक्त बनाना' है, जो

वृद्धजनों की आवाज, अनुभव और ज्ञान को पहचानने तथा उनके अनुभवों के आधार पर समावेशी समाजों के निर्माण पर जोर देती है। यह थीम इस बात पर प्रकाश डालती है कि वृद्धजन लचीले और समतामूलक समाज बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्नत एवं आदर्श समाज के निर्माण में वृद्धजनों की आवाज, उनके दृष्टिकोण और अनुभव को विशेष महत्व है। वृद्धावस्था में कठिनाइयां अनेक रूपों में सामने आती हैं। स्वास्थ्य की दृष्टि से हृदय रोग, मधुमेह, जो ?ों के दर्द और डिमेंशिया जैसी बीमारियाँ उन्हें घेरे रहती हैं, परंतु चिकित्सा सुविधाओं तक उनकी पहुंच सीमित है। आर्थिक दृष्टि से पेंशन व सामाजिक सुरक्षा योजनाएं हर वृद्धजन तक नहीं पहुँचतीं और ग्रामीण क्षेत्रों में यह स्थिति और भी दयनीय है। सामाजिक स्तर पर आधुनिक जीवन की दौड़ में वृद्धजन अकेलेपन, उदासी और उपेक्षा से पीड़ित हैं। मानसिक दृष्टि से आत्मसम्मान को ठेस, भूमिका से वंचित होना और बेकारपन का एहसास उन्हें भीतर तक तोड़ देता है। भारत में वृद्धों की स्थिति अधिक चिन्ताजनक है। जबकि वृद्धजन भारतीय समाज की धरोहर मानी जाती रही हैं, उन्हें अनुभव और ज्ञान का भंडार मानते हैं। इसके बावजूद यदि हम उन्हें उपेक्षित करेंगे तो यह केवल अन्याय ही नहीं, बल्कि सभ्यता एवं संस्कृति की पराजय होगी। वृद्धजन केवल जीवित बोझ नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति, परंपरा और मूल्यों के संरक्षक हैं। उनका सम्मान करना न केवल हमारा नैतिक कर्तव्य है बल्कि एक बेहतर, संवेदनशील और संतुलित समाज के निर्माण की अनिवार्यता है। भारत जैसे विकसित देश के नागरिकों की औसत आयु 60 वर्ष से अधिक 65 हो रही है। जीवन प्रत्याशा में वृद्धि के कारण देश में वृद्धजन की संख्या बढ़ रही है, देश में 2011 में 10.38 करोड़ वरिष्ठ नागरिक थे, जिनके 2050 तक बढ़कर 30 करोड़ होने का अनुमान है। अनुमान है, कि 2050 तक हर चौथा भारतीय बुजुर्ग होगा। यह बात भारत के नीति आयोग ने कही है, इसी के कारण बुजुर्गों की समस्याएं बढ़ती जा रही हैं। भारत में परंपरागत भारतीय परिवार व्यवस्था में वृद्धजनों को सम्मान, सुरक्षा और निर्णय लेने की अहम भूमिका प्राप्त थी। लेकिन आज शहरीकरण, परमाणु परिवार, प्रवास और उपभोक्तावादी सोच ने उनकी भूमिका को हाशिए पर पहुँचा दिया है। परिवार के भीतर उन्हें आर्थिक बोझ समझा जाने लगा है, पीढ़ीगत टकराव और मूल्यों में बदलाव ने दूरी बढ़ा दी है, नौकरी-पेशा बच्चों के व्यस्त जीवन में धैर्य और देखभाल की कमी स्पष्ट हो रही है और संपत्ति तथा अधिकारों को लेकर तनाव आम हो गया है। इसके परिणामस्वरूप वृद्धजन शारीरिक बीमारियों से जूझते हैं, पर पर्याप्त चिकित्सा नहीं मिलती। वे अकेलेपन और मानसिक अवसाद का शिकार होते हैं, उन्हें निर्णय लेने की प्रक्रिया से बाहर कर दिया जाता है और कभी-कभी घरेलू हिंसा और संपत्ति विवादों में भी उलझना पड़ता है। प्रश्न है कि दुनिया में वृद्ध दिवस मनाने की आवश्यकता क्यों हुई? क्यों वृद्धों की उपेक्षा एवं प्रताड़ना की स्थितियां बनी हुई है? चिन्तन का महत्वपूर्ण पक्ष है कि वृद्धों की उपेक्षा के इस गलत प्रवाह को रोके। क्योंकि सोच के गलत प्रवाह ने न केवल वृद्धों का जीवन दुश्वार कर दिया है बल्कि आदमी-आदमी के बीच के भावात्मक फासलों को भी बढ़ा दिया है। वृद्धावस्था जीवन की सांझ है। वस्तुत: वर्तमान के भागदौड़, आपाधापी, अर्थ प्रधानता व नवीन चिन्तन तथा मान्यताओं के युग में जिन अनेक विकृतियों, विसंगतियों व प्रतिकूलताओं ने जन्म लिया है, उन्हीं में से एक है वृद्धों की उपेक्षा। वस्तुत: वृद्धावस्था तो वैसे भी अनेक शारीरिक व्याधियों, मानसिक तनावों और अन्यान्य व्यथाओं भरा जीवन होता है और अगर उस पर परिवार के सदस्य, विशेषत: युवा परिवार के बुजुर्गों/वृद्धों को अपमानित करें, उनका ध्यान न रखें या उन्हें मानसिक संताप पहुँचाएं, तो स्वाभाविक है कि वृद्ध के लिए वृद्धावस्था अभिशाप बन जाती है।

इन समस्याओं का समाधान केवल सरकारी योजनाओं से संभव नहीं है, बल्कि इसके लिए परिवार, समाज और सरकार-सभी स्तरों पर समन्वित प्रयास की आवश्यकता है। परिवार व्यवस्था का पुनर्जीवन जरूरी है, बच्चों में बचपन से ही सेवा, सहानुभूति और सम्मान की भावना विकसित की जाए। सामाजिक सुरक्षा के दायरे का विस्तार हो, पेंशन, स्वास्थ्य बीमा और वृद्धाश्रमों की गुणवत्ता में सुधार किया जाए। स्वास्थ्य सेवाओं में जेरियाट्रिक देखभाल को प्राथमिकता दी जाए, प्रत्येक नगर और गाँव में वृद्धजन के लिए स्वास्थ्य केंद्र स्थापित हों। मानसिक स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दिया जाए, अकेलेपन से लड़ने के लिए सामुदायिक केंद्र, क्लब और वृद्धजन मंच सक्रिय किए जाएँ। वृद्धजनों को डिजिटल तकनीक से जोड़कर उन्हें सामाजिक और पारिवारिक संवाद में सक्रिय बनाया जाए। माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण अधिनियम 2007 का प्रभावी क्रियान्वयन किया जाए और समाज में उनके अधिकारों के प्रति जागरूकता लाई जाए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जब नया भारत, विकसित भारत और समृद्ध भारत का निर्माण हो रहा है, तब यह आवश्यक है कि इस विकास यात्रा में वृद्धजन उपेक्षित न हों बल्कि उन्हें इसका सक्रिय भागीदार बनाया जाए। न्यूनतम पेंशन की गारंटी दे और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ हर वरिष्ठ नागरिक तक पहुंचाए। साथ ही डिजिटल इंडिया और स्किल इंडिया जैसी योजनाओं से वृद्धजनों को जोड़ा जाए ताकि वे सामाजिक संवाद और आर्थिक गतिविधियों में सक्रिय बने रहें। वृद्धाश्रमों और डे-केयर सेंटर्स की गुणवत्ता और संख्या बढ़ाई जाए, मानसिक स्वास्थ्य के लिए काउंसलिंग केंद्र स्थापित हों और सेवा भाव को बढ़ावा देने वाले राष्ट्रीय अभियान चलाए जाएँ। जब भारत आत्मनिर्भरता और वैश्विक नेतृत्व की ओर बढ़ रहा है, तब उसके अनुभव-संपन्न वृद्धजन राष्ट्र की अमूल्य पूंजी हैं, इसलिए मोदी सरकार को उनके लिए संवेदनशील और समग्र कल्याणकारी नीतियां लागू करनी चाहिए।

-ललित गर्ग

राष्ट्र जागरण की साधना के सौ वर्ष की यात्रा

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की 100 वर्षों की यात्रा वास्तव में राष्ट्र जागरण की ध्येय यात्रा है। वर्ष 1925 में विजयादशमी के दिन नागपुर के मोहिते बा ?ा में रोपा गया राष्ट्र साधना का छोटा सा बीज आज एक विशाल वटवृक्ष बन चुका है। राष्ट्र प्रथम के एकनिष्ठ भाव के साथ किए जा रहे सतत और अनथक प्रयासों से संघ की पहचान आज विश्व के सबसे बड़े संगठन के रूप में बनी है। राष्ट्र, संस्कृति, धर्म एवं समाज के हित में सर्वस्व अर्पण कर देने वाले स्वयंसेवक भारत के पुनरुत्थान की साधना में निरंतर लगे हुए हैं। संघ शताब्दी वर्ष चरैवेति-चरैवेति के मंत्र के साथ बढ़ रहे वैचारिक अधिष्ठान का एक सोपान है। संघ के आद्य सरसंघचालक परम पूजनीय डॉ. केशवराव बलिराम हेडगेवार द्वारा स्थापित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का उद्देश्य भारत को स्वाधीन बनाने के साथ ही स्व-बोध की चेतना से युक्त एक संगठित समाज का निर्माण करना था। माँ भारती को परम वैभव पर आसीन करने की 100 वर्षों की यह यात्रा सरल नहीं रही। अनेक कठिनाइयों, विरोधों और बाधाओं को ही मार्ग बनाते हुए संघ ने भारत माता की सेवा में व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण का कार्य सतत जारी रखा है। स्वतंत्रता आंदोलन और स्वतंत्रता के पश्चात संघ ने समाज को देश की सांस्कृतिक ज ?ों से जो ?ने का कार्य किया। स्वतंत्रता के पश्चात् भी जब देश में औपनिवेशिक मानसिकता से प्रेरित और गुलाम पी ?ी तैयार करने वाली मैकाले शिक्षा पद्धति जारी रखी गई तब संघ प्रेरणा से 1952 में 'विद्या भारती' की स्थापना की गई, जो शिक्षा एवं संस्कार देने वाला आज विश्व का सबसे बड़ा अशासकीय शैक्षणिक संगठन है। युवाओं को राष्ट्रीय विचारों से जोड़ने के लिए अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, श्रमिकों के हित में कार्य करने भारतीय मजदूर संघ, किसानों के लिए भारतीय किसान संघ, सेवा कार्यों के लिए सेवा भारती और संस्कार भारती आदि अनेक संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की प्रेरणा से स्वयंसेवकों द्वारा स्थापित किए गए जो आज भी समाज में सक्रियता से कार्य कर रहे हैं। 1936 में स्थापित राष्ट्र सेविका समिति के साथ मिलकर संगठन ने महिलाओं की भूमिका को भी समान महत्व दिया है। आज विचार परिवार के प्रत्येक संगठन में महिला नेतृत्व की सशक्त उपस्थिति इसी दृष्टिकोण का परिणाम है। स्वतंत्रता के पश्चात् जब भारतीय राजनीति अपने मूल और दिशा से भटकने लगी, देश की संप्रभुता के लिए ही संकट उत्पन्न हो गया, तब पं. दीनदयाल उपाध्याय एवं डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने भारतीय जनसंघ की स्थापना की। भारतीय जनसंघ आगे चलकर भारतीय जनता पार्टी के रूप में विकसित हुआ। भारतीय जनता पार्टी वर्तमान में विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक संगठन है। इसे एक ऐसे संगठन के रूप में भी समाज का सम्मान प्राप्त होता है, जिसने अपने गठन के समय से चले आ रहे लगभग सभी प्रमुख संकल्पों को पूर्ण करने का महत्वपूर्ण कार्य किया है। जम्मू-कश्मीर से धारा 370 की समाप्ति, अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण और भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाना इसी विचारधारा के ऐतिहासिक कार्य हैं। संघ की सौ वर्ष की यात्रा कठिन चुनौतियों से भरी रही है। संघ अपने आरंभिक काल से ही अपनों के ही विरोध, आक्रमण, उपहास और अपमान सहकर भी इस अनवत यात्रा में आगे बढ़ा है। महात्मा गांधी की हत्या के मिथ्या आरोप, दो बार लगाए गए प्रतिबंध, आपातकाल की असहनीय यातनाएं और तमाम विरोधों के पश्चात भी संघ अपने संकल्पों पर दृढ़ रहा। इस साधना की यज्ञ वेदी में असंख्य स्वयंसेवक समिधा बन कर होम भी हुए हैं। स्वयंसेवकों की तपस्या और प्रचारकों के समर्पण ने संगठन को उस स्थिति तक पहुंचाया, जहां आज विश्वभर में लोग संघ को निकट से जानना और उससे जुड़ना चाहते हैं। भारत के गौरवशाली स्वर्णिम इतिहास, संस्कृति, ज्ञान-परंपरा के संघरूपी वटवृक्ष की जड़ें गहरे तक समायी हुई हैं। संघ की शाखाएं संगठन का सबसे प्रबल पक्ष हैं। समाज में यह वाक्य प्रचलन में भी आ चुका है कि यदि संघ को समझना है तो शाखा में जाकर भलीभांति समझा जा सकता है। संघ की शाखाएं व्यक्ति निर्माण की नर्सरी भी कही जाती हैं। शाखा के माध्यम से स्वयंसेवकों का शारीरिक, मानसिक और चारित्रिक विकास होता है। खेल, गीत, अनुशासन और बौद्धिक कार्यक्रमों के माध्यम से उन्हें नेतृत्व, अनुशासन, बंधुत्व और कर्तव्यनिष्ठा की प्रेरणा मिलती है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की शाखाओं के माध्यमम से समाज का ऐसा संगठन तैयार हुआ है कि देश में कहीं भी प्राकृतिक आपदाओं, मानवीय संकटों और विदेशी आक्रमणों, हर परिस्थिति में संघ के स्वयंसेवक सबसे पहले सेवा कार्य के लिए उपस्थित रहते हैं। गुजरात के भुज में आए भूकंप से लेकर हाल की भीषण बाढ़ की घटनाओं और कोरोना महामारी के दौरान भोजन, परिवहन, दवाइयों से लेकर पीड़ितों के अंतिम संस्कार तक की सेवाओं में स्वयंसेवकों ने नि:स्वार्थ भाव से अपना योगदान दिया। इससे पूर्व स्वतंत्रता संग्राम, गोवा मुक्ति आंदोलन, कश्मीर के भारत में विलय, चीन के आक्रमण जैसे ऐतिहासिक घटनाक्रमों में भी संघ की भूमिका उल्लेखनीय रही। शताब्दी वर्ष संघ की संकल्प यात्रा को और अधिक गति देने का अवसर है।

संगठन 'पंच परिवर्तन' के माध्यम से स्वदेशी, पर्यावरण संरक्षण, नागरिक कर्तव्यों, सामाजिक समरसता और परिवार प्रबोधन जैसे विषयों को जन-जन तक पहुंचाने में सक्रिय है। शताब्दी वर्ष के इस महत्वपूर्ण एवं स्मरणीय अवसर पर संघ किसी भव्य आयोजन की बजाय प्रत्येक भारतीय नागरिक तक पहुंचकर उसे अपने परिवार, समाज और राष्ट्र के प्रति कर्तव्यों का बोध कराने का कार्य कर रहा है। संघ का कार्यकर्ता होना जीवन को राष्ट्र सेवा की दिशा में लगा देने की प्रक्रिया है। शाखा का संस्कार व्यक्ति में मातृभूमि के प्रति ऐसा असीम प्रेम जगा देता है कि वह निजी स्वार्थों से ऊपर उठकर समाज और राष्ट्र के लिए समर्पित हो जाता है। स्वयंसेवक के लिए भारत माता की जय ही उसका परम ध्येय बन जाता है। 2026 में जब संघ का शताब्दी वर्ष पूर्ण होगा, तब लक्ष्य यही रहेगा कि प्रत्येक भारतीय को राष्ट्र यज्ञ में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभानी है, ताकि भारत फिर से विश्वगुरु के रूप में विश्व का मार्गदर्शन कर सके। इस लक्ष्य के साधक होने के नाते हम सब भी इस राष्ट्र यज्ञ में अपनी-अपनी कर्तव्यों रूपी समिधा आहूत करें।

'पूर्ण विजय संकल्प हमारा
अनथक अविरत साधना।
निषिदिन प्रतिपल चलती आयी
राष्ट्रधर्म आराधना।'

आज जब भारत नए आत्मविश्वास और स्वाभिमान के साथ विश्व मंच पर स्वाभिमान और स्व-बोध के गौरव के साथ खड़ा है, तब संघ की यह सौ वर्षीय यात्रा केवल एक संगठन की कथा नहीं, बल्कि उस विचार की गौरव गाथा है जिसने राष्ट्र को आत्मबोध, संगठन और संस्कृति की शक्ति से जोड़ा। इस अवसर पर प्रत्येक स्वयंसेवक और नागरिक को यह संकल्प लेना चाहिए कि वह भारत माता को परम वैभव पर आसीन करने में अपना योगदान देंगे। सभी स्वयंसेवकों और देशवासियों को संघ शताब्दी वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं।

-हितानन्द शर्मा

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। मंगलवार को स्थानीय किराना बाजार में ग्राहकी कमजोर ही रही। नारियल व खोपरा गोला मामूली लटक पर नज़र आये। खाद्य तेलों में बाजार सुस्त नज़र आये। तिलहनों में सोयाबीन 4350 रू. प्रति क्विंटल पर कमजोर रहा। दलहनों में चना सुस्ती पर देखा गया। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार मंगलवार को किराना बाजार में व्यापार बेहद कमजोर रहा। नारियल व शक्कर में पूछपरख अटकने से भावों में सुस्ती आयी। खाद्य तेलों में सुस्ती रही। तिलहनों में सोयाबीन 4350 रू. प्रति क्वि?टल पर कमजोर ही रहा। दलहनों में चना 5850-5900 रू. प्रति क्विंटल पर ठंडा-ठंडा ही रहा। भाव इस प्रकार रहे -

किराना- शक्कर 4220-4270, खोपरा गोला 320-375, खोपरा बूरा 4400-6600 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 235-240, ऊंझा हल्का 245-255, मीडियम 245-255, बेस्ट 265-285, हल्दी निजामाबाद 170-210, सांगली 265-270, साबूदाना हल्का 4800-4900, मीडियम 5000-5100, बेस्ट 5100-5200, सच्चा मोती 5300, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 110-250, एस्ट्रा बेस्ट 300-400, सौंफ बारि?क 280-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 770-775, गरबल 720-725, मटरदाना 795-810, खसखस अनक्लीन 900-1200, क्लीन 1300-1500, दालचीनी 250-265, जायफल 725-750, बेस्ट 780-790, वाद्यान फूल 440-495, शाहजीरा 385, तेजपान 90-95, पत्थर फूल 340-425, बेस्ट 475-500, जावत्री 1675-1750, बेस्ट 1850-1890, केसर 175-185, सौंठ 375-400, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 725-780, हींग (वनदेवी 751) 2600, पाउच 2650, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 100-135, सिंदूर 6600, देशी कपूर 720-770, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची शंकर 3250-3300, विरूद्ध नगर 3150-3200, मीडियम 3350-3400, एक्ट्रा बोल्ड 3400-3500, पानबार 2700, बड़ी इलायची 1550-1750, बेस्ट1800-1900, तरबूज मगज 665-690, काजू (240) 940-980, काजू (320) 860-900, काजू एस.एस. डब्ल्यू 830-850, जे.एच. 830-850, टुकड़ी 780-850, बादाम मगज 845-870, अमेरिकन 750-780, सिंगापुरी 795-815, अखरोट 510-800, जर्दालु 250-350, बेस्ट 450-600, किशमिश कंधारी 420-470, बेस्ट 550-650, इंडियन 140-150, बेस्ट 170-190, चारौली 1550-1650, बेस्ट 1700, मुनक्का 450-550, बेस्ट 650-900, अंजीर 750-1450, मखाना 1100-1625, खारक 115-135, मीडियम 140-180, बेस्ट 225-250, एक्ट्रा बेस्ट 300-310, पिस्ता 1400-1600, कंधारी 1750-1900, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 3750-3800, (160) 4400-4500, (200) 4900-5000, (250) 5300-5400

तेल- सींगदाना 1310-1320, मुम्बई 1340-1350, राजकोट तेलिया 2100-2125, सोया साल्वेंट 1185-1195, सोया रिफाइंड 1250-1260, कपास्या 1260-1265, धूलिया 1270, कड़ी 1270,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1310, मुम्बई पाम 1280, मुम्बई सोया 1280,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2400, देवास-उज्जैन 2400, खंडवा-बुरहानपुर 2375, अकोला 3800 (प्रति क्विटल)

तिलहन- सरसो 7000, रायडा 6600, सोयाबीन 4350, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 5850-5900, एवरेज 5400-5500, विशाल 5450-5550, काबूली डॉलर 8500-9000, काबुली रर्श?यन 5600-5800, बिटकी 5300-5400, मसूर बेस्ट 6050-6100, एवरेज 5950-6000, मूंग देशी 7800-7900, पाला 7900-8000, चमकी 8000-8100, नायलोन 8000-8100, तुअर निमाड़ी बेस्ट 6600-6700, एवरेज 6500-6600, हल्की 6400-6500, तुअर महाराष्ट्र 6600-6700, महाराष्ट्र लाल 6600-6900, उड़द बेस्ट 7600-7700, एवरेज 7400-7500, शंकर 7200-7300, हल्की 7000-7100,

दाल- चना दाल एवरेज 7700-8300, बोल्ड 8600-8800, तुअर दाल सवा नं. 7300-7400, तुअर दाल फूल 9000-9100, तुअर दाल बोल्ड 9900-10100, मसूर दाल एवरेज 7750-7850, बेस्ट 7950-8100, मूंग दाल 9500-9600, बोल्ड 9800-10000, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल- चावल हंसा सफेद 3000-3200, सेला 3500-3800, परमल 3400-3500, दुबराज 4000-4500, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8900, बासमती दुबार 9000-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 4500-6000, तिबार 10500-11000, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा- इन्दौर 340, उज्जैन 280, रतलाम 320 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। मंगलवार को भी स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। दोनों ही कीमती धातुओं में बाजार सुर्खी पर बने रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 147500, चाँदी (99) 147300, टंच 146800, सिक्का 1500, सोना 10 ग्राम 119300,

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को रुपया पांच पैसे की गिरावट के साथ ही 88.80 पर बंद हुआ। आज सुबह रुपया शुरुआती कारोबार में तीन पैसे चढ़कर 88.72 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार डॉलर में मामूली मजबूती और विदेशी पूंजी की निकासी ने हालांकि स्थानीय मुद्रा में तेज बढ़त को रोक दिया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 88.73 पर खुला। फिर 88.72 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से तीन पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया सोमवार को एक सीमित दायरे में स्थिर रहा और तीन पैसे की गिरावट के साथ 88.75 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।

आज का राशिफल

मेष- आपको कार्यक्षेत्र में सहकर्मियों से सहयोग मिलेगा। इंटीरियर डिजाइनिंग, वस्त्रो के कारोबार और सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट से संबंधित काम में कल आपको विशेष रूप से लाभ मिलेगा। आपके पिता की ओर से कल आपको फायदा मिलेगा। पारिवारिक जीवन के मामले दिन बेहतरीन दिन रहने वाला है। आपकी प्रबंधन क्षमता अच्छी रहेगी। खर्च को नियंत्रित रखने का प्रयास करें। लव लाइफ में प्रेमी के साथ वक्त बिताने का मौका मिलेगा।

वृषभ- आपको विदेशी क्षेत्र से भी फायदा मिल सकता है। आप शिक्षा और तकनीकी क्षमता का भी लाभ ले पाएंगे। यात्रा की संभावना बनी हुई है। आप परिवार के साथ कहीं घूमने का मौका मिलेगा। आपको अपनी मेहनत से कमाई का अच्छा मौका मिलेगा। आप विदेशी क्षेत्र से भी लाभ प्राप्त कर पाएंगे।

मिथुन- आपको लाभ का मौका मिलेगा। आपको कूटनीति और चतुराई से भी फायदा मिलेगा। पारिवारिक जीवन में आपको आज जीवनसाथी से सपोर्ट मिलेगा। जल्दबाजी में कार्य करने से चोट लगने की आशंका है। आपका सकारात्मक तरीका कमाई के लिहाज से अच्छा रहेगा। धन का निवेश आपको लाभ दिलाएगा। लव लाइफ के मामले में कल का दिन अच्छा रहेगा।

कर्क- आपके कार्ड कल के दिन आपको किसी ऐसे स्रोत से लाभ दिलाने का संकेत दे रहे हैं जहां से आपको लाभ मिलने की उम्मीद भी नहीं रहेगी। कामकाज का तनाव बना रहेगा लेकिन आप धैर्य से और संयम से स्थिति को संभाल लेंगे। व्यापारिक विस्तार की योजनाओं को क्रियान्वित करने में सफल रहेंगे। समय प्रबंधन का आपको फायदा मिलेगा।

सिंह- आपको कामकाज के सिलसिले में यात्रा करनी पड़ सकती है। आपके कामकाज में कुछ सकारात्मक बदलाव भी होगा। आपको किसी अनुभवी व्यक्ति की मदद से फायदा हो सकता है। व्यापार मे आपको अच्छी कमाई होने से खुशी मिलेगी। दूसरों के मामलों से दूर रहे और दिखावे से भी बचें। आप आज परिवार के साथ मनोरंजक समय बिताएंगे।

कन्या- आपका दिन कामकाज के मामले में बेहतरीन रहेगा। जोखिम पूर्ण कार्यों से लेकिन आपको बचना होगा आपके विरोधी सक्रिय रहेंगे सतर्क रहें। किसी सगे संबंधी के साथ मिलने का कार्यक्रम बन सकता है। पुराना निवेश अच्छा रिटर्न देगा। मान सम्मान में वृद्धि होगी। उपहार की भी प्राप्ति होगी।

तुला- आपको वस्त्र और आभूषण के काम में अच्छा मुनाफा हो सकता है। वाहन के कारोबारी भी अच्छी कमाई कर पाएंगे। प्रोडक्शन कार्यों से जुड़े जातकों के कामकाज में तरक्की होगी। आपको कोई बड़ा मौका मिल सकता है। कलात्मक रूप से अपने कार्य को प्रस्तुत करने में सफल रहेंगे। आपको किसी वरिष्ठ व्यक्ति से प्रोत्साहन मिलेगा। खर्च कंट्रोल करें।

वृश्चिक- आपको किसी अनुभवी व्यक्ति का मार्गदर्शन और सहयोग प्राप्त होगा। आर्थिक मामलों में आपके प्रयास सफल होगे। पारिवारिक जीवन आपका सुखद होगा। आपको परिवार के साथ पार्टी और मनोरंजन करने का मौका मिलेगा। किसी मित्र या सगे संबंधी से मिलने का संयोग बन सकता है। आप बच्चों और परिवार के साथ यात्रा पर भी जा सकते है। आपको कोई भौतिक सुख साधन मिल सकता है।

धनु- आपकी किसी चिंता परेशानी का समाधान हो सकता है। प्रॉपर्टी से जुड़ा विवाद दूर हो सकता है। आपको धार्मिक और सामाजिक काम में भाग लेने का मौका मिलेगा। आपको पूर्व में किए गए निवेश का लाभ मिल सकता है। दिन कुछ अधिक खर्चीला रहेगा। आप बिजनेस में अच्छी कमाई कर पाएंगे। कोई नया काम भी आप शुरू कर सकते हैं। आपको लव लाइफ में खुशी मिलेगी, प्रेमी के साथ वक्त बिताने का मौका मिलेगा।

मकर- आपको कार्यक्षेत्र में अधिकारीवर्ग से सहयोग और सम्मान मिलेगा। आपकी कार्ययोजना सफल होगी। किसी उत्सव और मनोरंजक कार्यक्रम का आप आनंद लेगे। प्रबंधन कार्य में आपको सफलता मिलेगी। विदेशी क्षेत्र से आपको फायदा मिल सकता है। कारोबार में दिन आपका अनुकूल रहेगा, कमाई मे वृद्धि होगी। आपको किसी सगे संबंधी से मिलने का भी मौका मिलेगा।

कुंभ- आप प्रतियोगिता में सफलता पाएंगे। कोई मित्र आपकी मदद कर सकता है। आप किसी अप्रत्याशित स्रोत से लाभ प्राप्त कर पाएंगे। आर्थिक मामलों में आपको भाग्य का साथ मिलेगा। पुराना अटका धन आपको मिल सकता है। वैसे आपको अपने खर्च पर नियंत्रण भी रखना होगा। आपको आज कुछ अनचाहे खर्च भी करने होंगे। आपके लिए सलाह है कि किसी पर भी आंख मूंदकर भरोसा करने से बचना चाहिए।

मीन- आपकी कलात्मक क्षमता का विस्तार होगा। आपके कार्ड्स बताते हैं कि, पुराने प्रोजेक्ट को नए रूप से प्रस्तुत कर लाभ कमाने में आप सफल हो सकते हैं। आप किसी पुण्य कार्य में भाग लेंगे और आपके हाथो कुछ दान पुण्य भी हो सकता है। आपकी मुलाकात अचानक ही किसी पूर्वपरिचित से हो सकती है जिससे आपको कुछ नई जानकारी मिलेगी। आपको रुचिकर भोजन भी प्राप्त होगा।

शब्दजाल- 8037

कृ	श	मु	श	सी	क	हो	ना	प्या	र	हैं
ष	क्रि	ल	ना	तु	म	जा	नो	ना	ह	म
य	के	या	हे	नि	ल	ना	न	व	टि	रू
इं	ट	दें	न	शा	वा	क्ष्य	क	ले	ज	क
प	दा	ह	मी	ने	तो	हो	थ	गो	भी	त
को	स	क	प	श	स	ए	व	खु	वॉ	व
द	ई	न	न	जी	न	ह	शी	गो	ली	द
क	र	मि	प	क्श	प	क	र	चो	आ	ख
र	व	त	ल	रा	भी	त	श्मी	अ	शा	अ
क	र	ल	प	ग	ज	ता	रे	र	ह	द
क	ह	रि	म	श	या	चि	मु	की	फि	जा

शब्दजाल में ऋतिक रोशन की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. शब्द ऊपर से नीचे, दाएं से बाएं एवं तिरछे हो सकते हैं

कृष, कोई मिल गया, कभी खुशी कभी गम, फिजा, कहोना प्यार है, मीशन कश्मीर, यादें, ना तुम जानो ना हम, लक्ष्य, आशा.

शब्दजाल - 8036 का हल

अ	दि	ल	का	रि	श्ता	ज	ब	न	र	ट
दा	रा	यू	न	दी	वा	ग्री	द	इ	ह	ड
वा	व	ना	पू	वा	जी	थ	न	ग	क	र
दा	ची	न	ते	ना	ज	आँ	म	पा	त	ना
म	त	ई	ड	प	व	खें	न	ग	र्क	ज
र	ए	म	सु	न	दि	पू	न	डॉ	र	रू
ती	ज	क	मे	ता	क	ल	श	न	ज	री
क	ल	ग	अ	सं	भ	व	है	ली	न	है
ब्रे	बो	र्न	य	ज	चि	क	री	तु	प	ला
ऐ	ला	न	न	ज	न	त्र	व	जी	म्हा	त
बे	बी	लो	नि	या	ल	बी	र	रा	त	रा

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 6981

बायें से दायें:-

१. 'सारे शहर में आप सा कोई' गीत वाली फिल्म-३
३. 'जब जब प्यार पे पहरा हुआ' गीत वाली की फिल्म-३
६. मिथुन, मधु, रंभा की 'तुम्हें हम बहुत प्यार करने लगे' गीत वाली फिल्म-३
७. 'तेरी प्यारी प्यारी' गीत वाली राजेंद्र कुमार, बी. सरोजादेवी की फिल्म-४
८. बॉबी देओल, रानी मुखर्जी की 'आँखों के रस्ते दिल में' गीत वाली फिल्म-३
९. राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-३
१४. 'सरकाय लेओ खटिया' गीत वाली गोविंदा, करिश्मा की फिल्म-२,२
१७. फिल्म 'शहीद' में नायिका?-३
१८. 'आई बहार खिलते हैं दिल' गीत वाली सलमान, रेवती की फिल्म-२
२०. शशिकपूर, रेखा की 'जाने कैसे बीतेंगी ये बरसातें' अभिनीत फिल्म-३
२२. 'मच गया शोर सारी' गीत वाली अमिताभ, परवीन की फिल्म-३
२४. ऋषि, टीना की 'एक हसीना थी एक दीवाना था' गीतवाली फिल्म-२
२५. धर्मेन्द्र, मनोजकुमार, सायराबनो की फिल्म-२
२६. रणधीरकपूर, रेखा की 'हो देख तुझको दिल ने कहा' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'मैं नये जमाने की' गीत वाली अजय देवगन, रवीना की फिल्म-२
२८. अक्षयकुमार, रवीना टंडन की 'दीवाने हैं दीवानों से तू' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'आइये आ जाइये, आ ही जाइये' गीत वाली अनिलकपूर, जैकीश्रॉफ, मनीषा, सोनाली, रेखा की फिल्म-२
३१. राजेश खन्ना, राखी, शर्मिला की 'नी मैं यार मनाना' गीत वाली फिल्म-२
३२. अमिताभ, जीनत की फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'बचपन की मोहब्बत को' गीत वाली भारतभूषण, मीना की फिल्म-२,३
२. सुनील दत्त, मीना की फिल्म-३
३. 'ऐ जिंदगी गले लगा ले' गीत वाली कमल हासन, श्रीदेवी की फिल्म-३
४. लकी अली, मीरा की 'जाना है जाना है चलते ही' गीत वाली फिल्म-३
५. 'मेरे सपनों की रानी कब' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-४
१०. नसीरूद्दीनशाह, शबाना की 'सीली हवा छू गई' गीत वाली फिल्म-३
११. 'ऐसी रंग दे पिया' गीत वाली राजेश खन्ना, हेमा मालिनी की फिल्म-२
१२. सनी, अमृता की 'ये मेरी जिंदगी बेजान लाश थी' गीत वाली फिल्म-३
१३. 'ठहरो तो सही सोचो तो' गीत वाली गोविंदा, मनीषा कोइराला की फिल्म-४
१५. 'एक लड़की बस गई' गीतवाली फिल्म-२
१६. 'भोर आई गया अंधियारा' गीत वाली राजेश खन्ना, जया की फिल्म-३
१९. कमल सदाना, काजोल की 'जब ना माना दिल दीवाना' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'आशायें खिलें दिल की' गीत वाली नसीर, श्रेयस, श्वेता की फिल्म-४
२३. अनिलकपूर, फरहा की 'पूछ रही है लड़की हैदराबादी' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'आपका खत मिला' गीत वाली जीतेंद्र, रामेश्वरी, सारिका की फिल्म-३
२९. संजयदत्त, अभिषेक, जायेदखान, ईशा देओल, राइमासेन, शिल्पा की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 6980

उ	त्स	व		चि	रा	ग		खौ	फ
स्ता		च	रि	त्र		म	स्त		र
द	म	न		ले	कि	न		शा	दी
	र्या		रे	खा			ना	गि	न
अं	दा	ज			प्या	सा		र्द	
गू		मा	चि	स		ज	ख्मी		जं
र	वी	ना		ल	गा	न		जं	ग
	र		हे	मा			सी		ली
बे	ता	बी		न	या	ज	मा	ना	
टा		ना	ना		दे			म	स्ती

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8505

बाएँ से दाएँ

1. कवि की रचना,गजल-3
3. अनुमान,अंदाज-3
5. सदपुरुष-2
6. अयोग्य,असंगत -2
8. स्वार्थ,लोभ-4
10. सहयोग,सहकार-3
11. उन्माद,सनक-3
12. भगवान का अराधक-2
13. ठंडक,शीतलता-2
14. दूल्हे के सिर पर बांधी जाने वाली पगड़ी-3
16. चांदी-3
18. गंवारपन,अशिष्टता-4
20. पैंदा,तला-2
22. वर्तमान दिन-2
23. बहने का भाव-3
24. गमन, विदा होना-3

ऊपर से नीचे

1. हुनर,फन,आर्ट-2
2. बल,दम,जोर-3
3. समीप,नजदीक-3
4. गलत का विलोम-2
5. भ्रम,संदेह-3
7. उपनदी,कैनाल-3
8. नशे से भरपूर-4
9. लाख,सौ हजार-2
11. स्वभाव,आदत-4
14. स्वास्थ्य-3
15. इस जगह-2
17. तहजीब,शिष्टता-3
18. इकट्ठा होना-3
19. रेखा,लाइन-3
21. होठ,अधर-2
22. आगमन-2

शब्द पहेली - 8504 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

1 अक्टूबर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कन्या में	तुला	07.06 बजे से
चंद्र	धनु में	वृश्चिक	09.20 ब.से
मंगल	तुला में	धनु	11.36 बजे से
बुध	कन्या में	मकर	13.42 बजे से
गुरु	मिथुन में	कुंभ	15.28 बजे से
शुक्र	सिंह में	मीन	17.01 बजे से
शनि	मीन में	मेष	18.31 बजे से
राहु	कुंभ में	वृष	20.11 बजे से
केतु	सिंह में	मिथुन	22.10 बजे से
		कर्क	00.23 बजे से
		सिंह	02.39 बजे से
		कन्या	04.51 बजे से

राहुकाल 12.00 से 1.30 बजे तक

बुधवार 2025 वर्ष का 274 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** शरद। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** आश्विन **पक्ष** शुक्ल **तिथि** नवमी 19.02 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** पूर्वाषाढ़ा 08.06 बजे को समाप्त। **योग** अतिगण्ड 00.34 बजे रात्र को समाप्त। **करण** बालव 06.40 बजे तदनन्तर कौलव 19.02 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 09.2 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 03° 12' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872484 **जूलियन दिन** 2460949.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** रबी उस्सानी **तारीख** 08 **विशेष** सरस्वती बलिदान, महानवमी, दुर्गा बलिदान, आयुध पूजा, सरस्वती पूजा।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	05.54 से 07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से 07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से 08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से 08.44 बजे तक
काल	08.15 से 10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से 10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से 11.47 बजे तक	चर	10.16 से 11.47 बजे तक
रोग	11.47 से 01.16 बजे तक	रोग	11.47 से 01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से 02.44 बजे तक	काल	01.19 से 02.51 बजे तक
चर	02.44 से 04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से 04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से 05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से 05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: पुजारी की सीख

कांगड़ा जनपद के भगवती मंदिर के पुजारी रुद्रप्रताप समाज-सुधारक, वैद्य और अध्यापक थे। साधारण लोगों के साथ-साथ वहां के राजा सूर्यभानु भी उनका बहुत सम्मान करते थे। सूर्यभानु का पुत्र उदयभानु बेहद उद्दंड था। वह न केवल अपनी प्रजा पर अत्याचार करता था बल्कि राज्य के कर्मचारियों को भी तरह-तरह से सताया करता था। राजा सूर्यभानु इससे बेहद दुखी रहते थे। उन्होंने उदयभानु को समझाने के अनेक प्रयत्न किए, पर कोई नतीजा नहीं निकला। हारकर सूर्यभानु ने अपने पुत्र के व्यवहार के बारे में पुजारी रुद्रप्रताप को बताया और उन्हें उसे सुधारने के लिए कहा। सारी बात जानकर रुद्रप्रताप ने सूर्यभानु से कहा, 'महाराज, आप चिंता न करें। उसे कल सवेरे भगवती के दर्शन करने मंदिर में भेज दीजिएगा।' राजा सूर्यभानु उन्हें प्रणाम कर के लौट आए। अगले दिन सुबह उदयभानु पुजारी रुद्रप्रताप के पास पहुंच गया। रुद्रप्रताप ने बड़े प्रेम से उदयभानु का स्वागत किया, फिर उसके हाथों भगवती को प्रसाद चढ़वाया, फिर उसे अपने साथ विश्राम कक्ष में लेकर आ गए। उदयभानु ने चलने की आज्ञा मांगी। इस पर पुजारी रुद्रप्रताप बोले, 'बेटा, मैंने तुम्हारे भोजन की व्यवस्था भी करवाई है। आओ, भोजन तैयार होने तक हम शतरंज की एक-एक बाजी खेलते हैं।' उदयभानु को शतरंज का बेहद शौक था। वह शतरंज खेलने बैठ गया। खेलते-खेलते रुद्रप्रताप ने चाल चली, लेकिन फिर अपना मोहरा हटा लिया और बोले, 'क्षमा करना, भूल हो गई।' ऐसा रुद्रप्रताप ने दो-तीन बार किया। चौथी बार भी जब वह चाल चलकर अपना मोहरा हटाने लगे तो उदयभानु बोला, 'पंडित जी, एक-दो बार की गलती तो क्षमा हो सकती है लेकिन बार-बार की गलती क्षमा नहीं होगी। आप कई बार ऐसा कर चुके हैं।' इस पर रुद्रप्रताप ने मुस्कराकर कहा, 'बेटा, अगर आप खेल में भी मेरी गलतियां क्षमा नहीं कर सकते तो जो गलतियां आप जीवन में कर रहे हैं, उन्हें कोई कैसे क्षमा करेगा?' उदयभानु उनका इशारा समझ गया। उसी दिन से उसमें सुधार आने लगा।

सूडोकू नवताल- 7290

★★★★★ कठिनतम

7							4	
		5		3			7	
					8			2
					1	9		
	2						8	
			6	7				
1			4					
	9			2		5		
	8							1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकू नवताल - 7289 का हल

8	4	5	6	1	3	7	2	9
7	2	6	4	9	5	3	8	1
9	3	1	7	8	2	6	5	4
1	7	2	9	6	8	4	3	5
5	6	9	3	2	4	1	7	8
4	8	3	5	7	1	9	6	2
2	9	7	1	5	6	8	4	3
3	1	8	2	4	7	5	9	6
6	5	4	8	3	9	2	1	7

शेयर बाजार हल्की गिरावट के साथ बंद

मुंबई । घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को हल्की गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के बाद भी बिकवाली हावी होने से बाजार नीचे आया। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में 97.32 अंक नीचे आकर 80,267.62 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 23.80 अंक टूटकर 24,611.10 पर बंद हुआ। आज बैंकिंग के अलावा निफ्टी ऑटो , निफ्टी मेटल , निफ्टी कमोडिटी और निफ्टी पीएसई के शेयरों में तेजी रही जबकि निफ्टी आईटी , निफ्टी फार्मा , निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी रियल्टी और निफ्टी मीडिया गिरावट के साथ बंद हुए। आज कारोबार के दौरान मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में मिलाजुला कारोबार हुआ। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 3.85 अंक की हल्की गिरावट के साथ 56,529.30 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 14.10 अंक की बढ़त के साथ 17,562.75 पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में टाटा मोटर्स, बीईएल, बजाज फाइनेंस, एचयूएल, एमएंडएम, सन फार्मा, एशियन पेंट्स, एसबीआई, मारुति सुजुकी, कोटक महिंद्रा बैंक और इन्फोसिस के शेयरों में तेजी रही जबकि आईटीसी, भारती एयरटेल, ट्रेंट, बजाज फिनसर्व, टाइटन, टेक महिंद्रा, एलएंडटी, टीसीएस, टाटा स्टील, पावर ग्रिड और एचसीएल टेक के शेयरों में सबसे अधिक गिरावट रही। आज मंथली एक्सपायरी के दिन बाजार एक सीमित दायरे में कारोबार कर रहा था। इसका कारण निवेशकों का सतर्क रुख रहा। इससे पहले आज सुबह बाजार शुरुआती कारोबार में बढ़त के साथ खुले। वहीं निफ्टी 50 भी 57.05 अंक बढ़कर 24,691.95 के स्तर पर शुरू हुआ। एशिया-प्रशांत क्षेत्र के बाजारों में सुबह का कारोबार मिला-जुला रहा। निवेशक ऑस्ट्रेलिया रिजर्व बैंक के ब्याज दर निर्णय का इंतजार कर रहे हैं। टेक-हैवी नेस्डेक कम्पोजिट 0.48 फीसदी बढ़ा, एसएंडपी 500 0.26 और डाओ जोंस 0.15 फीसदी से ज्यादा बंद हुए।

भारत का केबल और वायर उद्योग- तेजी से बढ़ती मांग और मजबूत भविष्य

नई दिल्ली। भारत का केबल और वायर (सीएंडडब्ल्यू) उद्योग वर्तमान में जबरदस्त विकास के दौर से गुजर रहा है। तेजी से बढ़ रहे इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स, रिन्यूएबल एनर्जी में निवेश, इलेक्ट्रिक वाहनों की संख्या में वृद्धि और मजबूत रियल एस्टेट सेक्टर इस उद्योग की मांग को बढ़ावा दे रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, निवेशकों की चिंताओं के बावजूद, इस सेक्टर के लंबे समय तक बढ़ने के कारण सुरक्षित हैं। हालांकि नए खिलाड़ियों के आने से प्रतिस्पर्धा बढ़ने का डर था, लेकिन अभी तक बाजार में स्थिति संतुलित है। नए प्रोजेक्ट बड़े पैमाने पर शुरू नहीं हुए हैं और मजबूत घरेलू मांग अतिरिक्त सप्लाई को सहन कर रही है। कच्चे माल जैसे कॉपर और एल्यूमिनियम की बढ़ती कीमतों का असर कंपनियां ग्राहकों पर डाल पा रही हैं, जिससे रेवेन्यू ग्रोथ पर नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ा है। वित्त वर्ष 20 से भारत सीएंडडब्ल्यू का नेट एक्सपोर्टर बन गया है। वित्त वर्ष 17 से वित्त वर्ष 25 के बीच निर्यात लगभग 19 फीसदी सालाना दर से बढ़ा है। अमेरिका और यूएई जैसे बाजारों में निर्यात तेजी से बढ़ा है। वैश्विक स्तर पर रिन्यूएबल एनर्जी और इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग बढ़ने के साथ-साथ चाइना+1 रणनीति ने भारत को एक महत्वपूर्ण सप्लायर बना दिया है।

अक्टूबर में कई बड़े नियमों में होगा बदलाव

नई दिल्ली। अक्टूबर 2025 कई नए नियमों के साथ शुरू होने वाला है। कुछ बदलाव सीधे आपके रोजमर्रा के जीवन और फाइनेंशियल प्लानिंग पर असर डाल सकते हैं। ये बदलाव एलपीजी, ट्रेन टिकट, यूपीआई, पेंशन स्कीम, ऑनलाइन गेमिंग और बैंकिंग जैसी चीजों से जुड़े हैं। आइए जानते हैं कौन-कौन से नियम बदल रहे हैं। एलपीजी सिलेंडर के दाम बदलेंगे- अक्टूबर से ऑयल मार्केटिंग कंपनियां LPG और कमर्शियल सिलेंडर के दाम बदलेंगी। घरेलू सिलेंडर के दाम पिछले कुछ महीनों से स्थिर हैं। ट्रेन टिकट बुकिंग के नियम बदले- अब रिजर्वेशन खुलने के पहले 15 मिनट केवल वही लोग ऑनलाइन टिकट बुक कर पाएंगे, जिनका आधार कार्ड वेरिफाई हो चुका है। यह नियम पहले केवल तत्काल टिकट के लिए था। यूपीआई का 'कलेक्ट रिक्वेस्ट' फीचर बंद- 1 अक्टूबर से यूपीआई ऐप्स में किसी से सीधे पैसे मांगने का विकल्प नहीं मिलेगा। एनपीसीआई के अनुसार यह धोखाधड़ी और फिशिंग से बचाव में मदद करेगा। यूपीआई ट्रांजैक्शन की लिमिट बढ़ेगी- अब यूपीआई के जरिए एक बार में 5 लाख रुपये तक ट्रांजैक्शन किया जा सकेगा। यह रियल एस्टेट, ई-कॉमर्स और व्यवसायिक लेनदेन में आसान होगा। यूपीआई ऑटो-पे सुविधा शुरू- अब सब्सक्रिप्शन और बिल के लिए ऑटो-पे का विकल्प मिलेगा। हर ऑटो-डेबिट पर नोटिफिकेशन आएगा और यूजर इसे बदल या बंद कर सकते हैं। एनपीएस में न्यूनतम योगदान बढ़ा- नेशनल पेंशन सिस्टम में न्यूनतम मासिक योगदान 500 रुपये से बढ़कर 1,000 रुपये हो जाएगा। एनपीएस में नया टियर सिस्टम- टियर-1 रिटायरमेंट फोकस और टैक्स बेनेफिट के साथ। टियर-2 लचीला विकल्प, टैक्स लाभ नहीं। पेंशन स्कीम में बदलाव- एनपीएस, अटल पेंशन योजना और एनपीएस लाइफ में नए नियम लागू होंगे। सरकारी कर्मचारियों को नया पीआरएएन खोलने पर ई-पीआरएएन किट के लिए 18 रुपये देने होंगे। ऑनलाइन गेमिंग नियम बदले- सभी गेमिंग प्लेटफॉर्म्स को मेटी से वैध लाइसेंस लेना होगा। ऑनलाइन रियल-मनी गेम में भाग लेने के लिए न्यूनतम उम्र 18 साल होगी। डाक सेवा के चार्ज में बदलाव- 1 अक्टूबर से स्पीड पोस्ट सेवा में शुल्क बदलेंगे।

अष्टमी पर्व पर मंदिरों व पंडालों में हुआ हवन-पूजन

मातारानी को अठवाईयां चढ़ाने के साथ ही हुआ कन्या पूजन

लांजी (पद्मेश न्यूज)। नगर व क्षेत्र में शारदेय नवरात्र पर्व धूमधाम से मनाया जा रहा है । नगर के बस स्टेण्ड सुभाष चौक में सद्भावना मित्र मंडल, गुजरी चौक में मॉ सिंहवाहिनी दुर्गा उत्सव समिति, विश्वेश्वरैया चौक पीडब्लूडी आफिस के पास सादर मित्र मंडल, महागौरी महिला दुर्गा उत्सव समिति सुन्दरटोला के अलावा मनेरी फाटक, मजार के समीप व अन्य जगहों पर माता रानी के आकर्षक पण्डाल सजाये गये है । पर्व के अंतिम दौर में आदिशक्ति मां जगदम्बे एवं ज्योति कलशों के दर्शनार्थ भक्तों का ताता लगा हुआ है। 30 सितंबर को अष्टमी पर्व पर देवी मंदिरों एवं सार्वजनिक दुर्गा पंडालों में भक्तों द्वारा श्रद्धापूर्वक हवन पूजन किया गया । इसके अलावा देवी मंदिरों में अठवाईयां चढ़ाये जाने हेतु सुबह से ही भक्तों की भीड़ लगी रही । घरों में रखे मनोकामना कलशों के सामने भी परिवार के लोगो द्वारा श्रद्धा भक्ति से अठवाईयां चढ़ाकर प्रसाद का वितरण किया गया। अष्टमी पर्व के साथ ही नौ कन्याओं का पूजन व उन्हें भोजन कराने का क्रम भी दिन भर जगह - जगह चलते रहा जो कि आज दूसरे दिन भी जारी रहेगा । इसी के साथ आज 1 अक्टूबर को घरों एवं देवी मंदिरों में रखे मनोकामना ज्योति कलशों का विसर्जन प्रारंभ हो जायेगा। क्षेत्र के ग्रामीण अंचलों में श्रद्धा भक्ति भाव से भजन व जस के साथ कलशों को जलदर्शन कराया जावेगा एवं एक दूसरे को जवारा भेंट कर शुभकामनाएं दी जावेगी । जवारे विसर्जन के उपरान्त घरों व सार्वजनिक स्थलों में भण्डारा कर महाप्रसादी का वितरण किये जाने की परम्परा है ।

शारदेय नवरात्रि पर्व पर मॉ दुर्गा मैया के नौ रूपों की अराधना की जाती है जिसमें प्रथम, शैलपुत्रि, द्वितीय ब्रहचारिणी, तृतीय दिन चन्द्रघंटा, चतुर्थ दिन कुष्मांडा माता, पंचम दिन स्कन्दमाता, शष्ठम दिन कात्यायिनी, सप्तम दिन काल रात्रि एवं अष्ठमी में महागौरी माता का पुजन अर्चन किया जाता है एवं नवम तिथी को सिद्धदात्री नौ दिवस व्रत रखकर अपने अपने अनुसार माताऐं, पुरूष पुजा आराधना करते है। नवरात्रि की अष्ठमी एवं वर्षा ऋतु एवं शरद ऋतु के संगम का भी दिन होता है जिससें इनके संगम में होने वाली व्याधियो के लिए भी तप हवन किये जाते है जिससे हमे ऋतुओ के संगम से कोई व्यवधान उत्पन्न न हो सके ।

नौ कन्या भोजन से ही पूर्ण होती है माता की आराधना-

मान्यता है कि नवरात्रि पर्व पर मॉ जगदबे के नौ रूपो में शैलपुत्री ब्रहचारिणी, चन्द्रघंटा, कुष्मांडा माता, स्कन्दमाता, कात्यायिनी, कालरात्रि, महा गौरी माता, सिद्धदात्री इन नौ स्वरूपों को विधी विधान पूर्व पूजा अर्चना कर घरो में मंदिरो में, सार्वजनिक स्थलों आमत्रित किया जाता है एवं कन्या स्वरूपी माता का प्रिय भोजन हल्वा पूडी, चना, गुड, खीर आदि का भोग लगाया जाता है। नौ दिन की इस नवरात्रि में मॉ जगत जननी भी व्रत करती है जिसे वह नौ कन्या भोज के दिन अपने व्रत को पूरा करती है एवं भोग लगाती है।

आज होगा मनोकामना ज्योति कलशों का विसर्जन

ज्ञात हो कि नगर के लंजकाई मंदिर में नवरात्र पर्व के चलते 702 मनोकामना ज्योति कलशों की स्थापना की गई। इसी तरह माँ पांढरी पाट देवी धाम वारी 2571 मनोकामना ल्योति कलश, मां शीतला माता मंदिर में 98 कलश, गायत्री मंदिर में 92 कलश, दुर्गा मंदिर बिसोनी 94 कलश, काली माता मंदिर में 2 मनोकामना ज्योति कलश, सालेटेकरी मार्ग पर बंजारी माता मंदिर में ज्योति कलशों की स्थापना की गई । इसी तरह ग्राम कटंगी के तिरुपति बालाजी धाम, ग्राम बोलेगांव के दुर्गा मंदिर एवं शीतला माता में भी ज्योति कलश स्थापित किये गये हैं । इन ज्योति कलशों की नयनाभिराम शोभायात्रा संध्या में मंदिरों से निकाली जावेगी । इसी तरह समीपस्थ ग्राम बिसोनी के दुर्गा मंदिर में स्थापित ज्योति कलशो की सुबह 10 बजे शोभायात्रा निकालकर विसर्जन किया जावेगा ।

पांढरी पाट देवी मंदिर में अष्टमी पर्व पर हवन-पूजन उपरांत ज्योति कलशों को कराया जल दर्शन

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी क्षेत्र के वारी ग्राम में स्थित खराडी जलाशय के समीप विराजमान पहाडावाली माता पांढरी पाट देवीधाम में भक्तो का मेला लगा हुआ है, बतादे कि शारदेय नवरात्री के इस अवसर पर प्रथम दिन से ही मातारानी के दरबार में हजारो की संख्या में दर्शनार्थी ने हाजरी लगाई है, देवी धाम के मुख्य संरक्षक पण्डा रेखलाल कावरे, संरक्षक सुधीर दशरिया, माँ पांढरी पाठ जन कल्याण सेवा समिति एवं समस्त ग्राम वासियो के द्वारा विशेष पूजन अर्चन किया जाता है वंही, मंदिर मे स्थित गौशाला का भी अपना ही एक अनुठा महत्व है जंहा उपस्थित सभी गौमातो के नाम देवी माता के नाम से नामकरित है तथा बछडो के नाम भी भगवान के नाम से नामकरित है। माँ पांढरी पाट देवीधाम मे जो भी हाजरी लगाने पंहुचता है उसकी मनोकामना माता रानी अवश्य पूर्ण करती है। माँ पांढरी पाट जनकल्याण सेवा समिति वारी खराड़ी के द्वारा प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी शारदेय नवरात्रा पर्व पर अनेको धार्मिक आयोजन करवाये गये । माँ पांढरी पाठ देवीधाम वारी में अष्टमी पर्व पर दोपहर में हवन पूजन आदि संपन्न कर शाम 4 बजे से भव्य कलश शोभा यात्रा निकालकर मंदिर मे स्थापित 2571 मनोकामना ज्योति कलशों को पहाड़ी से नीचे उतारकर जल दर्शन कराया गया। इस कलश शोभा यात्रा के दर्शनो के लिये हजारो भक्त श्रृद्धालु गण माता रानी के दरबार मे पंहुचकर अलौकिक दृश्य के दर्शन किए। मंदिर के मुख्य संरक्षक पण्डा रेखलाल कावरे के द्वारा कलश विसर्जन की संपूर्ण विधि को संपादित किया गया। आज 1 अक्टूबर को प्रात: काल मे ज्वारो का विसर्जन किया जायेगा तत्पश्चात महाप्रसाद भण्डारे का वितरण किया जायेगा।

सांदीपनि विद्यालय बोलेगाव में वरिष्ठ शिक्षक एफ एल रिन्हायत को सेवा निवृत्ति पर दी भावभीनी बिदाई

लांजी (पद्मेश न्यूज)। सांदीपनि विद्यालय बोलेगाव में 29 सितंबर 2025 को वरिष्ठ शिक्षक एफ एल रिन्हायत सर की अधिवार्षिकी पूर्ण होने पर विद्यालय परिवार के शिक्षक -शिक्षिकाओ एवं छात्र छात्राओं के द्वारा भव्य समारोह आयोजित कर भावभीनी विदाई दी गई। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्था प्राचार्य बी आर गुरदे सर एवं आमंत्रित अतिथियों के द्वारा दीप प्रज्वलन एवं मां सरस्वती पूजन कर किया गया।इस अवसर पर विद्यालय की छात्राओं के द्वारा सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। साथ ही छात्र छात्राओं ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इस अवसर पर रिनायत सर की धर्मपत्नी सिंधु रिन्हायत भी उनके साथ उपस्थित रहीं। रिहायत सर के द्वारा विद्यालय हित में किए गए कार्यों को याद करते हुए उनके समर्पण,तत्परता एवं कर्तव्यनिष्ठा की याद करते हुए उनके दीर्घायु,सुखी एवं स्वस्थ जीवन की कामना करते हुए बिदाई दी गई।कार्यक्रम में मुख्य रूप से गणमान्य अतिथियों में लांजी किरनापुर क्षेत्र के पूर्व विधायक रमेश दिलीप भटेरे जी,पूर्व जनपद सदस्य अशोक बापूरे, पालक शिक्षक संघ के अध्यक्ष अनिल नागवंशी,संकुल प्राचार्य चंद्रभूषण चौहान कार्यालय विकासखंड शिक्षा अधिकारी लांजी से वरिष्ठ लिपिक सुधीर चौहान एवं पूरनलाल धुर्वे,संस्था के पूर्व शिक्षक तिलकचंद बनोठ,रोशनलाल गौतम ,शशिकला गिरीया मेडम,भगवती प्रसाद बनोठ,किरण दमाहे , हेमराज चौहान ,ओमप्रकाश बापुरे,युवराज भटेरजी, चित्ररेखा कालबेले उपसरपंच एवं सांदीपनि विद्यालय बोलेगाँव के समस्त शिक्षक -शिक्षिकाए एवं सह शैक्षिक स्टाफ की गरिमामयी उपस्थिती रही।कार्यक्रम का सफल संचालन संस्था के शिक्षक सरोज कुमार पटले जी द्वारा किया गया। एवं आभार संस्था के उपप्राचार्य प्रवीणचंद साहू द्वारा किया गया।

सादर मित्र मंडल विश्वेश्वरैया चौक में नवरात्र पर्व की धूम

पं. प्रशांत कृष्ण शास्त्री महाराज जी की पूजन विधि व भक्ति रस में सराबोर हो रहे दर्शनार्थी भक्तगण

लांजी (पद्मेश न्यूज)। सालेटेकरी मार्ग पर विश्वश्वरैया चौक पर सादर मित्र मंडल द्वारा माँ जगदंबा की प्रतिमा स्थापित की गई है इसी पण्डाल में दुर्गा के पूजन अर्चन और अनुष्ठान कार्य हेतु व्याकरणाचार्य एवं श्रीमद्भागवत कथा सरस प्रवक्ता प्रशांत कृष्ण शास्त्री जी महाराज को श्रीधाम वृंदावन कृष्णाश्रय आश्रम से आमंत्रित किया गया है जो कि अपने आप मे आकर्षण का केंद्र बने हुए है। जिनके द्वारा सुबह शाम संगीतमय वातावरण में माँ दुर्गा का पूजन-अर्चन किया जा रहा है साथ ही पूजन-अर्चन के पश्चात अपनी मधुरवाणी में आदिशक्ति की लघु कथाओं का वाचन भी किया जाता है, जिसे सुनने भक्तगण बड़ी संख्या में उपस्थित होते है।

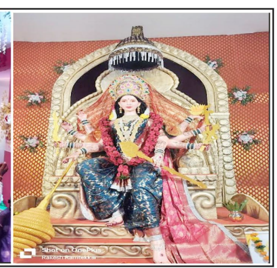

सादर मित्र मंडल विश्वेश्वरैया चौक लांजी में नवरात्र पर्व की धूम

विदित हो कि सादर मित्र मण्डल के द्वारा हमेशा से बड़े हर्षोल्हास एवं भक्तिमय वातावरण मे नवरात्रा पर्व मनाया जाता है हमेशा से कुछ नया करने की कोशिश इन युवाओं में हमेशा दिखाई देती है और इस नई कोशिश को बखूबी अमलीजामा पहनाया भी जाता है। उल्लेखनीय है कि पिछले 18 वर्षों से नगर के सादर मित्र मंडल द्वारा लगातार भव्य दुर्गा पंडाल में मातारानी की प्रतिमा स्थापित की जाती है जिसे देखने आसपास के गाँव सहित महाराष्ट्र और छत्तीसगढ के भी भक्त गण एवं दर्शनार्थी आते है, समिति के द्वारा इस वर्ष भी विशाल मंदिर रूपी पंडाल सजाया गया है जो कि बहुत भव्य नजर आता है जिसमें माता जी प्रतिमा महारानी के आसन में विराजमान है जो बहुत आकर्षण का केंद बनी हुई है। सादर मित्र मण्डल के अध्यक्ष नवीन रामटेक्कर, उपाध्यक्ष राकेश गुणेश्वर, सचिव गौरव बैंस, सहसचिव राकेश रामटेक्कर, कोषाध्यक्ष अक्षांश लहरें, सह कोषाध्यक्ष अमित रामटेक्कर, सहसचिव अरविन्द राउत, राहुल दोने, राजा रणदीवे, विशाल आसटकर, गिरीश नेवारे, अंकित आसटकर, तनिष्क रामटेक्कर, पुनीत खनोरकर, नीलेश दुरुगकर, मनीष अतकरे, सारांश लहरें, निर्भय नरताम, सुभाष आसटकर, दीपक सोनी, मयूर आसटकर, धनेश दुरुगकर , डैनी राकड़े, चंद्रशेखर पूरी गोस्वामी , विश्वजीत राउत, महेंद्र मर्सकोले, मोहित सोनवाने, शैलेन्द्र रामावत , शरद कुशवाहा , दीक्षांश लहरें , दुर्गेश कचवाहे, हिमांशु मानकर, आयुष सोमनकर, योगेश धरते, युवराज किरणापुरे, शुभम आसटकर, जुगली नेवारे, विशाल तिड़के, सुमित सोनवाने , राजा आसटकर , उमेश रामटेक्कर, गगनदीप ऊके, मनोज हुकरे, दिलीप नारनौरे , आशुतोष पटले, पुष्पेंद्र नेवारे, आशीष भोंडेकर , जय सोनी , गुल्लू श्रीरामे, राकेश भंडारकर , बालकृष्ण लटारे, जयंत कालबेले, अनमोल बाघ, दौलत भंडारकर , प्रमोद गुर्दे , प्रतिक लटारे, निक दमाहे, बादल रंध्येय, लक्ष्मीनारायण आसटकर, हरेश सोनवाने, प्रवीण पेंढारकर, मोनू चौरे, मनोज नेवारे सभी सदस्य का अहम योगदान रहता है।

श्री सांई मंदिर टेडवा में नवरात्रि पर्व पर हुए विविध धार्मिक आयोजन

बाबा द्वारा 52 मनोकामना ज्योति कलशों का कराया जल विहार

लांजी (पद्मेश न्यूज)। नवरात्रि देवी शक्ति का पर्व है, जिसमें देवी दुर्गा के नौ स्वरूपों की आराधना की जाती है। इसका अर्थ है नौ रातें'और यह नौ दिनों तक चलने वाला उत्सव है। इस दौरान शुभ मुहूर्त में कलश स्थापना, अखंड ज्योति जलाना, पूजा, और उपवास किया जाता है। इसे शक्ति, समृद्धि, और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक माना जाता है। नवरात्रि के विभिन्न दिनों को देवी के नौ रूपों के लिए समर्पित किया जाता है, जो जगतजननी मां दुर्गा के विभिन्न गुणों का प्रतिनिधित्व करते हैं। इसी तरह धर्मनगरी लांजी से महज 10 किमी दूर स्थित ग्राम टेडवा में स्थित श्री सांई मंदिर में नवरात्रि पर्व पर विविध धार्मिक आयोजन हुए। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा की आराधना की और उनकी कृपा प्राप्त करने के लिए विभिन्न पूजा-अर्चना और अनुष्ठान किए गए।

नौ कन्या भोज और हवन पूजन कार्यक्रम

इस अवसर पर मंदिर में 29 सितंबर को अष्टमी पूजन के अवसर पर हवन पूजन कार्यक्रम संपन्न हुआ। जिसमें ग्रामीणो के अलावा जिला मुख्यालय एवं अन्य राज्यों से आए श्रद्धालुओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया। इसके पश्चात सेवकों द्वारा मंदिर परिसर में मां दुर्गा के नौ स्वरूप नौ कन्याओं का तिलक वंदन कर

उन्हें हलवा, पुरी, चने के महाप्रसाद का भोज कराया गया और उनका आर्शीवाद प्राप्त किया गया। इसी के साथ हजारों की संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं को महाप्रसाद भंडारा कराया गया। महाप्रसाद भंडारा के दौरान श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा की कृपा प्राप्त करने के लिए प्रार्थना की और उनकी आराधना की। बाद दोपहर से देर शाम तक भंडारा महाप्रसाद वितरण किया गया।

तांडव नृत्य देखने उमड़े श्रद्धालु

इसके पश्चात शाम 6 बजे से मंदिर के संरक्षक एवं पंडा प्रघुम्न जगराहे द्वारा मंदिर परिसर के सामने अंगारो पर तांडव नृत्य किया गया। ग्राम सेवकों के साथ ग्राम का भ्रमण किया गया। मंदिर के पुजारी बाबा का तांडव नृत्य देखने के लिए लोगों का उत्साह देखते ही बनता था। तांडव नृत्य के पहले बाबा के सेवकों द्वारा एक बड़े स्थान पर अग्रि का इंतजाम किया गया और स्थल पूजा के पश्चात उस अग्नि को भूमि पर बिखेर दिया गया जिसके पश्चात माता के भक्ति गीतों पर थिरकते हुए बाबा द्वारा लगातार धधकते अंगारों पर तांडव नृत्य किया गया।

मनोकामना ज्योति कलशों का जलविहार

इसके पश्चात 30 सितंबर को सुबह 9 बजे मनोकामना ज्योति कलशों का जल विहार कराया गया। इस दौरान बाबा द्वारा मनोकामना ज्योति कलशों के आगे उल्टे पैर चलते हुए मां दुर्गा की आराधना करते हुए माताओं के साथ चलते रहे। पुजारी बाबा के सेवकों द्वारा ग्राम के शमशान में भस्म स्नान भी कराया गया। इस दौरान ग्राम सहित आसपास के क्षेत्र से हजारों की संख्या में श्रद्धालु भक्त पहुंचे।

बिसोनी में धूमधाम से मनाया जा रहा शारदेय नवरात्र पर्व

लांजी (पद्मेश न्यूज)। जय मां दुर्गा उत्सव सेवा समिति बिसोनी के द्वारा शारदेय नवरात्र पर्व धूमधाम से मनाया जा रहा है। यहां सोसायटी मैदान में चौथा वर्ष भी मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापित कर प्रतिदिन विभिन्न कार्यक्रम विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। यहां माताजी की प्रतिमा के साथ ही बारह ज्योतिर्लिंग एवं साथ में भगवान कोटेश्वर की भी स्थापना की गई है। 30 सितंबर को अष्टमी पर्व पर संध्या में पं.आचार्य निखिल दुबे महाराज के द्वारा विधि-विधान से यज्ञ हवन सम्पन्न कराया। आज 1 अक्टूबर को नवमी पर्व पर शाम 5 बजे से बारेलाल बड़घैया एवं परिवार द्वारा विशाल भण्डारे का आयोजन किया गया है। दुर्गा उत्सव समिति एवं बड़घैया परिवार ने भण्डारे में प्रसादी ग्रहण करने की अपील की है। इसी तरह दुर्गा मंदिर बिसोनी में 94 कलश स्थापित किए गए हैं। आज नवमी पर्व पर सुबह 9 बजे आरती उपरांत कलश शोभा यात्रा निकालकर गांव का भ्रमण करते हुए बिसोनी के बड़े तालाब में कलशों का विसर्जित किया जाएगा। दुर्गा मंदिर समिति के पदाधिकारियों ने कार्यक्रम में उपस्थित होने की अपील की है।

लांजी में ''पद्मेश''
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

बार काउंसिल का चुनाव गरीब वकील नहीं लड़ सकेंगे

मध्य प्रदेश में हार्ट अटैक से 40 प्रतिशत मौत - जीएमसी को नहीं मिलेंगे 7 करोड़

भोपाल। स्टेट बार काउंसिल का चुनाव अब आम अधिवक्ता नहीं लड़ सकेंगे. बार काउंसिल का चुनाव लड़ने के लिए नामांकन फीस 1,25,000 रुपए निर्धारित की गई है। यह राशि वापस नहीं होगी।

बार काउंसिल आफ इंडिया ने एक आदेश जारी किया है। जिसके अनुसार नॉमिनेशन फीस नॉन रिफंडेबल 1।25 लाख रुपए तय कर दी गई है। 25 सितंबर को बार काउंसिल आफ इंडिया के प्रिंसिपल सेक्रेटरी के हस्ताक्षर से यह आदेश जारी हुआ है। इस आदेश में कहा गया है, 31 जनवरी 2026 तक सभी स्टेट बार काउंसिल के चुनाव करा लिए जाएं।

अधिवक्ताओं में रोष

इस आदेश की देश के अधिवक्ताओं के बीच बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया हो रही है। बार काउंसिल के चुनाव में अधिवक्ता मतदान करते हैं। बार काउंसिल के चुनाव में जो अभ्यर्थी खड़ा होता है।उसे प्रदेश भर में घूम-घूम कर

अपने लिए प्रचार करना पड़ता है। बार काउंसिल का चुनाव लड़ने के लिए अभी ?25000 की फीस निर्धारित थी। चुनाव जीतने पर यह राशि वापस कर दी जाती थी। जो प्रत्याशी चुनाव हार जाते थे। उनकी राशि जप्त हो जाती थी।

नए आदेश के तहत सभी उम्मीदवारों को निर्धारित 1,25,000 जमा करना होगी। जीते या हारें,यह राशि वापस नहीं होगी। जिसके कारण बढ़ी हुई फीस का विरोध बड़े पैमाने पर शुरू हो गया है।

मध्य प्रदेश बार काउंसिल के अध्यक्ष राधेलाल गुप्ता ने बढ़ी हुई नामांकन फीस को लेकर असहमति जताई है। उन्होंने कहा, यह फीस बहुत ज्यादा है। इतनी फीस भरकर चुनाव लड़ना हर किसी अधिवक्ता के लिए संभव नहीं होगा। इस संबंध में जल्द ही बार काउंसिल आफ इंडिया को पत्र लिखकर विरोध दर्ज कराया जाएगा।

पूर्व जज बीपी शर्मा ने कहा है। बढ़ी हुई फीस अधिवक्ताओं को चुनाव लड़ने से वंचित कर देगी। यह संविधान के अनुच्छेद 14 का उल्लंघन है। लोकतांत्रिक सिद्धांतों के विपरीत चुनाव लड़ने से अधिवक्ताओं को वंचित करने का प्रयास माना जा रहा है।

अधिवक्ता जब अपने ही अधिकारों की रक्षा नहीं कर पा रहे हैं। ऐसे में वह अपने क्लाइंट के हितों की रक्षा कैसे कर पाएंगे। इसको लेकर चर्चा शुरू हो गई है। देश भर में लाखों ऐसे अधिवक्ता हैं, जो गरीबों का बहुत कम फीस में मुकदमा लड़ते हैं। उनके सारे क्लाइंट गरीब होते हैं। गरीब पक्षकारों की फीस से वकीलों को अपना घर चलाना मुश्किल होता है। ऐसे में चुनाव लड़ने से एक बहुत बड़े समुदाय को वंचित करने की साजिश माना जा रहा है। जिला बार और हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के सदस्यों द्वारा भी इस आदेश का विरोध शुरू हो गया है।

राजनीति के शिकार हुए वकील

पिछले कुछ वर्षों में स्टेट बार काउंसिल और जिला बार संगठन में राजनीतिक दलों का हस्तक्षेप शुरू हो गया है।एक राजनीतिक विचारधारा के लोग इन संगठनों पर कब्जा करने के लिए कोशिश कर रहे हैं। चुनाव में बड़े पैमाने पर राजनीतिक हस्तक्षेप होता है। चुनाव प्रचार में बड़ा पैसा खर्च किया जा रहा है। एक राजनीतिक दल द्वारा चुनाव के दौरान विशेष विचारधारा के उम्मीदवारों को समर्थन दिया जाता है। राजनीतिक दल चुनाव प्रचार मैं मदद करते हैं। वकील समुदाय द्वारा यह भी कहा जा रहा है।एक राजनीतिक दल से जुड़े हुए अधिवक्ताओं की नियुक्ति सरकारी वकील और जजों के रूप में किए जाने के कई मामले हैं। अब तो नोटरी जैसे लाइसेंस भी एक विचारधारा के वकीलों को ही मिलते हैं। इसको लेकर अधिवक्ता समुदाय में रोष फैलने लगा है।

मध्यप्रदेश में 24 आईएएस अफसरों के ट्रांसफर, 12 जिलों के कलेक्टर बदले बदले गए

भोपाल । मध्यप्रदेश में 24 आईएएस अफसरों के ट्रांसफर किये गए हैं। इनमें 12 जिलों के कलेक्टर बदले बदले गए हैं। कलेक्टरों में पन्ना, पांढुर्णा, सिवनी, मुरैना, डिंडौरी, अलीराजपुर, निवाड़ी, भिंड, सिंगरौली, छिंदवाड़ा और रतलाम जिलों के कलेक्टर शामिल हैं।

भिंड में खाद्य संकट और किसानों की समस्याओं को लेकर विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाहा से विवाद के बाद कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव को हटा दिया है। उन्हें लोनिवि में अपर सचिव बनाया गया है। भोपाल नगर निगम कमिश्नर हरेंद्र नारायण को छिंदवाड़ा का कलेक्टर बनाया है। पन्ना कलेक्टर रहे सुरेश कुमार को मुरैना का संभागायुक्त बनाया गया है। संस्कृति जैन को भोपाल नगर निगम का कमिश्नर बनाया गया है। शिवराज सिंह चौहान के मुख्यमंत्री काल में उनके ओएसडी रहे नीरज वशिष्ठ को पांढुर्णा जिले का कलेक्टर बनाया है।

तबादला आदेश में विधानसभा चुनाव के पहले कलेक्टर बनाए गए संजीव श्रीवास्तव, शीलेंद्र सिंह, सुरेश कुमार, अभय बेडेकर, अंकित अस्थाना, अजय देव शर्मा को कलेक्टर पद से हटाया गया है। हालांकि धार कलेक्टर प्रियंका मिश्रा अभी भी पदस्थ हैं जो विधानसभा चुनाव के पहले धार कलेक्टर बनाए गए थे।

शीतला पटले, लोकेश जांगिड़ पर सरकार ने भरोसा जताते हुए दो से तीसरी बार कलेक्टरी सौंपी है। दूसरी ओर मिशा सिंह, गौरव बैनल, किरोड़ी लाल मीणा, जमुना भिड़े, अंजू पवन भदौरिया, नीतू माथुर, नीरज कुमार वशिष्ठ, रजनी सिंह को पहली बार कलेक्टरी सौंपी गई है।

हाजी मोहम्मद हारून लगातार चौथी बार निर्विरोध अध्यक्ष चुने गए

भोपाल। जमीयत उलमा मध्यप्रदेश की कार्यकारिणी समिति की चुनावी बैठक मंगलवार को राजधानी भोपाल में हुई। बैठक में सर्वसम्मति से हाजी मोहम्मद हारून को एक बार फिर संगठन का निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया। यह लगातार चौथी बार है जब उन्होंने यह पद संभाला है। जमीयत के मीडिया प्रभारी हाजी इमरान ने बताया कि प्रांतीय चुनाव दिल्ली मुख्यालय से आए केंद्रीय पर्यवेक्षकों की देखरेख में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर बड़ी संख्या में प्रदेशभर से कार्यकारिणी सदस्य मौजूद रहे। चुनाव प्रक्रिया में पर्यवेक्षक के तौर पर जमीयत उलमा के कई वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद रहे।

साइकिल से भोपाल पहुंचेंगे भू-अर्जन विरोधी किसान

भोपाल। प्रदेशभर के किसान इन दिनों भू-अर्जन को लेकर विरोध कर रहे हैं, जिसमें उज्जैन सिंहस्थ में शामिल की जाने वाली जमीनों से लेकर इंदौर-उज्जैन ग्रीन फील्ड कॉरिडोर, पीथमपुर इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के अलावा प्राधिकरण द्वारा घोषित की जाने वाली टीपीएस योजनाओं, इंदौर-बुधनी रेल लाइन सहित अन्य प्रोजेक्टों का विरोध हो रहा है। भू-अर्जन के अलावा स्मार्ट मीटर लगाने, सोयाबीन के भाव बढ़ाने सहित अन्य मांगों को लेकर जन अधिकार किसान यात्रा निकाली जा रही है। 3 अक्टूबर को पीथमपुर से ये किसान साइकिलों पर सवार होकर इंदौर होते हुए देवास, सीहोर से भोपाल पहुंचेंगे और मुख्यमंत्री निवास पर अपना विरोध दर्ज करेंगे।

किसान नेता हंसराज मंडलोई ने बताया कि केंद्र एवं प्रदेश सरकार की किसान विरोधी नीतियों के कारण प्रदेश का किसान बर्बाद हो रहा है। इसके विरोध में भूमि अधिग्रहण पीड़ित किसानों के परिवारों का युवा वर्ग इसके खिलाफ खुलकर मैदान में आया है और जन अधिकार किसान यात्रा 3 अक्टूबर को युवा किसान पीथमपुर से निकालेंगे, जो सुबह 9 बजे शुरू होकर इंदौर, देवास, सीहोर से भोपाल तक साइकिल से पहुंचेगी और मुख्यमंत्री निवास पर विरोध दर्ज करने के साथ कृषि मंत्री शिवराज के यहां भी युवा किसान पहुंचेंगे और केंद्र एवं प्रदेश सरकार की किसान विरोधी नीतियों के खिलाफ आवाज उठाएंगे। हंसराज मंडलोई ने बताया कि जन अधिकार किसान यात्रा पीथमपुर क्षेत्र के युवा किसान नेता संदीप रघुवंशी के नेतृत्व में पीथमपुर से प्रारंभ होगी। इसके लिए युवा किसान गांव-गांव संपर्क कर रहे हैं और किसान न्याय यात्रा में शामिल होने का निमंत्रण दे रहे हैं। प्रभावित किसानों ने मांग की कि आउटर रिंग रोड इकोनामिक कॉरिडोर पीथमपुर, सिंहस्थ कुंभ मेला क्षेत्र विक्रमपुरी उद्योग नगरी उज्जैन जैसे किसान विरोधी प्रोजेक्ट की समीक्षा हो एवं इंदौर-बुधनी रेलवे लाइन एवं इंदौर-मनमाड़ रेलवे लाइन के किसानों को बाजार मूल्य से चार गुना मुआवजा दिया जाए।

मप्र मानव अधिकार आयोग में नियुक्तियों पर विवाद

भोपाल। मध्य प्रदेश मानव अधिकार आयोग में अध्यक्ष और सदस्यों की नियुक्तियों का मामला विवादों में फंस गया है। दरअसल, आयोग में नियुक्तियों को लेकर कल शाम को सीएम हाउस में बैठक हुई। बैठक में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने मानव अधिकार आयोग में अध्यक्ष और सदस्य की नियुक्तियों को लेकर एतराज जताया और अपनी असहमति जताई। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री मोहन यादव और विधानसभा अध्यक्ष भी मौजूद थे। नेता प्रतिपक्ष की आपत्ति के बाद अब मानव अधिकार आयोग में सिर्फ प्रशासनिक सदस्य के तौर पर एपी सिंह की नियुक्ति होगी। आपत्ति के कारण न्यायिक सदस्यों के 3 नाम होल्ड कर दिए गए हैं।

मप्र मानव अधिकार आयोग में नियुक्तियों को लेकर हुई बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर ने प्रशासनिक सदस्य के लिए एपी सिंह के नाम पर सहमति दी। सिंह मप्र विधानसभा के प्रमुख सचिव पद से सेवानिवृत्त हो चुके हैं। लेकिन नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने इस प्रक्रिया को संवैधानिक मानदंडों के खिलाफ बताते हुए लिखितआपत्ति दर्ज कराई और कहा कि जरूरत पड़ी तो वे हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाएंगे। सिंघार ने आरोप लगाया कि 22 राज्यों की तरह सार्वजनिक विज्ञापन जारी करने की प्रक्रिया यहां नहीं अपनाई गई। इससे योग्य और अनुभवी अभ्यर्थियों को आवेदन का अवसर नहीं मिला और अन्य वर्गों का प्रतिनिधित्व भी नहीं हो पाया। वहीं मप्र में तीन साल से आयोग में अध्यक्ष पद रिक्त है। हालात ऐसे हैं कि जनसमस्याओं

से जुड़े चार हजार से अधिक प्रकरण सुनवाई के इंतजार में अटके हुए हैं। आयोग में एक अध्यक्ष व दो सदस्य होते हैं। इसकी चयन प्रक्रिया शुरुआत से ही विरोध के चलते खटाई में पड़ती दिख रही है।

खास को उपकृत करने पद का नाम बदल दिया गया

नेता प्रतिपक्ष ने आरोप लगाया कि मानव अधिकार आयोग में न्यायिक सदस्य का पद है लेकिन, व्यक्ति विशेष को उपकृत करने के लिए वर्तमान में पद का नाम बदलकर प्रशासकीय सदस्य के तौर पर एक आवेदन बुलाया गया है। जो आवेदन बुलाए गए हैं, उनमें समाज के चुनिंदा वर्ग के लोगों के ही आवेदन शामिल किए गए हैं। विशेष लोगों को फायदा पहुंचाने के लिए केवल उन्हीं लोगों को रिक्त पदों की सूचना गोपनीय तरीके से देकर उनसे ही आवेदन बुलवाए गए हैं। बैठक में जानो से पहले नेता प्रतिपक्ष ने कहा इस पूरी प्रक्रिया को इतने गोपनीय और छुपाकर क्यों किया जा रहा है? सिंघार ने मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष के पद को लेकर सवाल उठाते हुए कहा कि एक ही व्यक्ति को बार-बार चयनित कर अध्यक्ष का प्रभार क्यों दिया जा रहा है? मानव अधिकार आयोग के एक्ट का खुला उल्लंघन सरकार कर रही है।

तीन साल से खाली है अध्यक्ष पद

आयोग के स्थायी अध्यक्ष पद पर नियुक्ति लंबे समय से अटकी हुई है। अक्टूबर 2022 में अध्यक्ष जस्टिस एनके जैन सेवानिवृत्त थे। तब से कार्यवाहक अध्यक्ष के रूप में पहले मनोहर ममतानी हुए और फिर राजीव कुमार टंडन को जिम्मेदारी सौंपी गई, लेकिन वे भी सितंबर 2024 में सेवानिवृत्त हो गए। वर्तमान में अध्यक्ष और दो सदस्यीय पद खाली हैं।

नेता प्रतिपक्ष ने लगाए आरोप

मध्य प्रदेश मानव अधिकार आयोग में नियुक्तियों को लेकर नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने आरोप लगाया है कि प्रक्रिया में पारदर्शिता नहीं है। सुप्रीम कोर्ट एवं हाईकोर्ट के निर्देशों की अनदेखी की गई। आयोग में रिक्तियों के लिए सार्वजनिक सूचना या विज्ञापन का कोई रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं है। स्वप्रेरणा से प्राप्त आवेदन का हवाला दिया, जो समान अवसर-पारदर्शिता के विपरीत है। सुप्रीम कोर्ट ने लोकपाल, केंद्रीय सतर्कता आयोग जैसे निकायों में खुले विज्ञापन और स्पष्ट मानदंड पर बल दिया। समिति को भेजे गए नामों में अजा, अजजा का भी प्रतिनिधित्व नहीं है। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार का कहना है कि मैंने लिखित में आपत्ति दर्ज कराई है। फिर भी आयोग में नियमों के तहत नियुक्तियां नहीं की और सभी वर्गों के अभ्यर्थियों को आवेदन करने के अवसर नहीं दिए तो हाईकोर्ट जाएंगे।

अवकाश दिनों में भी बिजली बिल भुगतान केन्द्र खुलेंगे

भोपाल। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के कार्य क्षेत्र के अंतर्गत 07 अक्टूबर (महर्षि वाल्मीकी जयंती), 21 अक्टूबर (गोवर्धन पूजा), समस्त शनिवार (04, 11, 18 एवं 25 अक्टूबर) तथा समस्त रविवार (05, 12, 19 एवं 26 अक्टूबर)को बिल भुगतान केन्द्र सामान्य कार्य दिवसों की तरह कार्य करते रहेंगे। भोपाल शहर वृत्त के अंतर्गत चारों शहर संभाग यथा पश्चिम, पूर्व, दक्षिण तथा उत्तर संभाग के अंतर्गत सभी जोनल कार्यालय और दानिश नगर, मिसरोद, मण्डीदीप में बिल भुगतान केन्द्र उक्त अवकाश के दिन भी सामान्य कार्य दिवस की तरह खुले रहेंगे। बिजली उपभोक्ताओं से अपील है कि वे राजधानी के जोनल आफिस में पीओएस (श्रश्शह्य) मशीन से कैश के जरिए बिल भुगतान तथा ऑनलाइन भी बिल भुगतान कर सकते हैं। कंपनी ने यह भी निर्देश दिए हैं कि कंपनी कार्य क्षेत्र के सभी 16 जिलों में बिजली वितरण केन्द्र/बिल भुगतान केन्द्र अवकाश के दिनों में खुले रहेंगे। इसके लिए सभी मैदानी महाप्रबंधकों को निर्देशित किया गया है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा निम्न दाब घरेलू उपभोक्ताओं को ऑनलाइन भुगतान करने पर उनके कुल बकाया बिल पर 0.50 प्रतिशत की छूट प्रदान की जा रही है साथ ही अधिकतम छूट के लिए कोई सीमा बंधन नहीं है। इसी प्रकार उच्च दाब उपभोक्ताओं को प्रति बिल कैशलेस भुगतान पर 100 रूपये से 1000 रुपये तक की छूट दी जा रही है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने उपभोक्ताओं से बिजली का बिल ऑनलाइन भुगतान करने की अपील की है। कंपनी ने कहा है कि उपभोक्ताओं को एम.पी.ऑनलाईन, कॉमन सर्विस सेन्टर, कंपनी पोर्टल portal.mpcz.in (नेट बैंकिंग, क्रेडिट/डेबिट कार्ड, यूपीआई, ईसीएस, बीबीपीएस, कैश कार्ड एवं वॉलेट आदि) फोन पे, अमेजान पे, गूगल पे, पेटीएम एप एवं उपाय मोबाइल ऐप से बिल भुगतान की सुविधा उपलब्ध है।

मप में सिर्फ चार सरकारी नर्सिंग कॉलेजों को मिली मान्यता

सैकड़ों निजी कॉलेजों को हरी झंडी

भोपाल। मध्यप्रदेश में नर्सिंग कॉलेजों की मान्यता प्रक्रिया एक बार फिर सवालों के घेरे में है। 2025-26 शैक्षणिक सत्र के लिए जारी नई सूची में राज्य के केवल चार शासकीय नर्सिंग कॉलेजों को ही मान्यता दी गई है, जबकि सैकड़ों निजी नर्सिंग कॉलेजों को बिना किसी बड़ी आपत्ति के मंजूरी दे दी गई है। इस फैसले पर छात्र संगठन एनएसयूआई ने नर्सिंग काउंसिल की पारदर्शिता और निष्पक्षता पर गंभीर सवाल उठाए हैं।

इस सत्र में कुल 33 नए और 360 पुराने नर्सिंग कॉलेजों ने मान्यता के लिए आवेदन किया था, जिनमें 21 शासकीय कॉलेज भी शामिल थे। हैरानी की बात यह है कि इनमें से सिर्फ चार को ही स्वीकृति मिल सकी, जबकि भोपाल जैसे शहर के प्रतिष्ठित

संस्थानों को भी बाहर कर दिया गया। इनमें भोपाल मेमोरियल हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर और पंडित खुशीलाल नर्सिंग कॉलेज जैसे संस्थान भी शामिल हैं।

निजी कॉलेजों पर खुलकर मेहरबानी

इसके उलट, 231 जीएनएम और 188 बीएससी नर्सिंग निजी कॉलेजों को मान्यता मिल गई। एनएसयूआई का आरोप है कि इनमें से कई कॉलेज न फेकल्टी के मानकों पर खरे उतरते हैं, न ही बुनियादी संसाधनों से लैस हैं, फिर भी इन्हें क्लीन चिट दे दी गई। संगठन का कहना है कि यह निर्णय न सिर्फ पक्षपातपूर्ण है बल्कि इससे नर्सिंग शिक्षा की गुणवत्ता भी प्रभावित होगी।

शिकायत के बाद भी मिली मान्यता

एनएसयूआई प्रदेश उपाध्यक्ष रवि परमार ने कहा कि एनएसयूआई ने शासकीय और निजी नर्सिंग कॉलेजों की फैकल्टी व अन्य गंभीर अनियमितताओं को लेकर नर्सिंग काउंसिल को विस्तृत शिकायतें सौंपी थीं। लेकिन हैरानी की बात है कि काउंसिल ने शासकीय नर्सिंग कॉलेजों की मान्यता रोक दी और दूसरी ओर निजी कॉलेजों को अनियमितताओं और फर्जी फैकल्टी की शिकायतों के बावजूद मान्यता दे दी। यह सीधा-सीधा भेदभाव है। आखिर नर्सिंग काउंसिल के रजिस्ट्रार को निजी नर्सिंग कॉलेजों से इतना लगाव क्यों है। संगठन ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि इस मामले पर शीघ्र और कठोर कार्रवाई नहीं हुई, तो प्रदेशभर में चरणबद्ध आंदोलन किया जाएगा।

परिवहन विभाग डिजिटल प्लेटफार्म से नागरिकों को दे बेहतर सेवाएँ - परिवहन मंत्री सिंह

भोपाल। परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने कहा है कि राज्य सरकार नागरिकों को गुड गवर्नेंस में बगैर तकलीफ के सेवाएँ देना चाहती है। इस बात को ध्यान में रखते हुए परिवहन विभाग में ऑनलाइन एवं फेसलेस सेवाओं का विस्तार किया गया है। अब नागरिकों को कार्यालय आए बिना 51 प्रकार की सेवाएँ दी जायेंगी। इस व्यवस्था से विभाग की कार्य-प्रणाली में पारदर्शिता, जवाबदेही और व्यावसायिक दक्षता बढ़ेगी।

परिवहन मंत्री सिंह मंगलवार को भोपाल के क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय कोकता में फेसलेस सेवाओं के विस्तारीकरण के लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने राहवीर योजना में बालाघाट के अंकित असाटी को पुरस्कृत किया। असाटी ने बालाघाट में हुई सड़क दुर्घटना में तत्परता दिखाते हुए घायल राहगीर को समय पर अस्पताल पहुँचाने का श्रेष्ठ कार्य किया था। पुरस्कार स्वरूप 25 हजार रुपये की राशि उनके खाते में अंतरित की गयी। परिवहन मंत्री ने सड़क सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए दो पहिया चालकों को हेलमेट भी प्रदान किये।

पासपोर्ट कार्यालय के समान परिवहन कार्यालय की होगी कार्य-प्रणाली

सिंह ने कहा कि परिवहन विभाग की कार्य-प्रणाली को पासपोर्ट कार्यालय के समान बनाया जा रहा है। नागरिकों के ड्रायविंग लायसेंस एवं अन्य सुविधाएँ घर पहुँचाए जाने की सुविधा सुनिश्चित की जायेगी। परिवहन कार्यालयों में कम्प्यूटर ऑपरेटरों की संख्या बढ़ाई जा रही है। नागरिकों को अब कार्यालय आने की जरूरत नहीं होगी, बल्कि उन्हें आवश्यक दस्तावेजों की कमी की जानकारी भी ऑनलाइन दिये जाने की व्यवस्था होगी। किसी वजह से नागरिक को कार्यालय आना पड़ता हैं, तो इसकी नियमित समीक्षा डेशबोर्ड पर संबंधित परिवहन अधिकारी करेंगे।

सचिव परिवहन मनीष सिंह ने बताया कि सेवाओं के विस्तारीकरण से विभाग की छवि में और सुधार आयेगा। परिवहन आयुक्त विवेक शर्मा ने बताया कि ऑनलाइन सेवाओं के सुधार के लिये एआई तकनीक (ऑर्टीफिशियल एन्टेलीजेंस) का भी उपयोग किया जायेगा। उन्होंने कहा कि नागरिक सेवाओं में और सुधार के लिये पब्लिक फोरम पर आए सुझावों पर अमल किया जाएगा। । विभाग में सारथी एवं वाहन पोर्टल का उपयोग किया जा रहा है। कार्यक्रम को एनआईसी के कमलेश्वर जोशी ने भी संबोधित किया कार्यक्रम में परिवहन कार्यालयों में नागरिक सेवाओं के सुधार पर केन्द्रित फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया।

साढ़े 6 लाख के भ्रष्टाचार में फंसे छिंदवाड़ा म्यूनिसिपल के चीफ सीएमओ नितिन बिजवे

पत्नी, पिता और मां सहित रिश्तेदारो की फर्मो से खरीदा गया लाखो का माल

भोपाल। आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) जबलपुर द्वारा नितिन बिजवे, मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर परिषद न्यूटन चिखली जिला छिंदवाड़ा के खिलाफ पद का दुरूपयोग एवं भ्रष्टाचार कर 6 .50 लाख रूपये का आर्थिक गबन, धोखाधड़ी किये जाने की एफआईआर दर्ज की गई है।

सीएमओ ने प्रभाव का प्रयोग कर ऐसे किया था फर्जीवाड़ा

ईओडब्ल्यू द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार आरोपी नितिन बिजवे, तत्कालीन मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर परिषद न्यूटन चिखली जिला छिंदवाड़ा के खिलाफ अपने पद का दुरुपयोग कर आर्थिक धोखाधड़ी और गबन किये जाने की शिकायत मिली थी। जांच करने पर सामने आया की नितिन बिजवे 9 दिसंबर 2016 से 9 मार्च 2019 तक और 24 जुलाई 2019 से 3 सितंबर 2020 तक मुख्य नगर पालिका अधिकारी न्यूटन चिखली के पद पर पदस्थ रहे हैं। उनके कार्यकाल के समय फर्म एम.पी. ग्रीन इंटरप्राइजेज, वैष्णवी इंटरप्राइजेज, नर्मदा इंटरप्राइजेज, सांई इंटरप्राइजेज, यश इंटरप्राइजेज एवं जी.आर. इंटरप्राइजेज के द्वारा विभिन्न नगर पालिकाओं एवं नगर परिषदों में सामग्री सप्लाई करने के लिये.प्र. सरकार के जैम पोर्टल पर पंजीयन कराया गया था। आगे की छानबीन में पाया गया कि फर्म एम.पी.ग्रीन इंटरप्राइजेज की प्रोप्राईटर आरोपी नितिन बिजवे की पत्नि दीपाली बिजवे, फर्म यश इंटरप्राइजेज के प्रोपराईटर आरोपी नितिन बिजवे के पिता गुणवंत राव बिजवे और फर्म जी.आर. इंटरप्राइजेज की प्रोपराईटर आरोपी नितिन बिजवे की मां शोभा बिजवे हैं। इन फर्मो के द्वारा जैम पोर्टल के जरिये से नगर पालिका परिषद, न्यूटन चिखली द्वारा सामग्री क्रय हेतु जारी गई की गई निविदा प्रक्रिया में आनलाइन भाग लिया और सामग्री सप्लाई की गई। इस खरीदी गई सामग्री का आरोपी नितिन बिजवे द्वारा मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर परिषद न्यूटन चिखली पदस्थ होते हुए अपनी पत्नि दीपाली बिजवे की फर्म एम.पी.ग्रीन इंटरप्राइजेज को 2,81,997 रुपये, अपने पिता गुनवंत राव बिजवे की फर्म यश इंटरप्राइजेज को 2,92,149 रुपये और अपनी मां शोभा बिजवे की फर्म जी.आर. इंटरप्राइजेज को 61,015 रुपये सहित कुल 6,35,161 रूपये का भुगतान 23 मार्च 2018 से दिनांक 9 सितंबर 2018 तक अपनी पदस्थापना के दौरान किया गया है।

बेईमानी का खुलासा होने पर दर्ज हो गई एफआईआर

नितिन बिजवे द्वारा पद का दुरूपयोग और अपराधिक न्यास भंग कर अपने सगे रिश्तेदारों के नाम से फर्मो का पंजीयन कराने के बाद इन फर्मो से अपनी पदस्थापना के दौरान सामग्री सप्लाई कराकर लाखो की रकम का संबंधित फर्मो और स्वयं के लिए बेईमानी से कपटपूर्वक दुर्विनियोग किया गया। जॉच के आधार पर नितिन बिजवे के खिलाफ धारा 409 एवं 7(सी), 13(1)ए भ्रष्टाचार निवाराण अधिनियम 1988 संशोधित 2018 के तहत एफआईआर दर्ज कर आगे की जॉच में लिया गया है।

एसीसी की बैठक में बीसीसीआई ने मोहसिन नकवी को घेरा

'भारत को एशिया कप की ट्रॉफी सौंपी जानी चाहिए'

दुबई । भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने एशिया क्रिकेट परिषद (एसीसी) की वार्षिक आम बैठक (एजीएम) के दौरान एशिया कप की विजेता ट्रॉफी भारतीय टीम को नहीं सौंपने पर कड़ा विरोध जताया है। बीसीसीआई ने इस दौरान एसीसी के अध्यक्ष मोहसिन नकवी को घेरा। भारत ने रविवार को फाइनल में पाकिस्तान को हराकर नौवीं बार इस टूर्नामेंट का खिताब जीता था।

भारतीय खिलाड़ियों ने ट्रॉफी नकवी के हाथों से लेने से इनकार कर दिया था जिसके बाद पुरस्कार समारोह बिना विजेता ट्रॉफी सौंपे समाप्त कर दिया गया था। भारतीय खिलाड़ियों ने इसके बाद ट्रॉफी के बिना खिताब जीतने का जश्न मनाया था। बाद में बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने बताया था कि नकवी ट्रॉफी को अपने साथ होटल के कमरे में ले गए हैं और बोर्ड इसकी शिकायत आईसीसी से करेगा।

आईसीसी से शिकायत करेगा बीसीसीआई

बीसीसीआई नवंबर में आईसीसी की बैठक के दौरान इस मुद्दे को उठाएगी। सूत्र ने कहा, शुक्ला और शेल्रा ने इस बात पर जोर दिया कि एसीसी ट्रॉफी को अपने दफ्तर में रखे और बीसीसीआई वहां से इसे लेगी। उन्होंने कहा कि हम विजेता होने के नाते ट्रॉफी चाहते हैं। लेकिन नकवी फिलहाल इसके लिए तैयार नहीं थे। यह स्पष्ट है कि बीसीसीआई आईसीसी से इसकी शिकायत करेगी।

हरकतों से बाज नहीं आ रहे नकवी

न्यूज एजेंसी पीटीआई ने एसीसी के सूत्रों के हवाले से बताया कि बीसीसीआई चाहता है कि ट्रॉफी को सौंपी जाए, लेकिन एसीसी अध्यक्ष मोहसिन नकवी फिलहाल इसके लिए सहमत नहीं है। नकवी पाकिस्तान के गृह मंत्री भी हैं और भारत विरोधी बयानों के लिए जाने जाते हैं। भारत ने नकवी के हाथों से ट्रॉफी नहीं लेने की घोषणा काफी पहले ही कर दी थी, लेकिन इसके बावजूद नकवी ट्रॉफी वितरण समारोह के दौरान स्टेज से नहीं हटे। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने भी खिलाड़ियों के इस कदम का समर्थन किया था और कहा था कि भारतीय टीम का यह कदम पूरी तरह सही था और बोर्ड इस मामले को लेकर नवंबर में होने वाली आईसीसी की बैठक में बहुत मजबूत विरोध दर्ज कराएगा।

शेलार ने नकवी को बधाई देने के लिए किया बाध्य

सूत्र ने कहा, जब बैठक शुरू हुई तो नकवी ने अपने शुरुआती भाषण में नेपाल को बधाई दी जिसने वेस्टइंडीज को हराया। इसके बाद एसीसी का सदस्य बनने पर उन्होंने मंगोलिया को बधाई दी और भाषण खत्म कर दिया। इसके बाद शेलार ने इस मुद्दे को उठाया कि नकवी ने एशिया कप का खिताब जीतने पर भारत को बधाई क्यों नहीं दी? इससे नकवी पर भारत को बधाई देने का दबाव पड़ा और उन्होंने भारतीय टीम को बधाई दी।

एजीएम में ट्रॉफी पर चर्चा नहीं चाहते थे नकवी

सूत्र ने कहा, %नकवी ने बीसीसीआई की बात से सहमत नहीं थे। नकवी ने इस बात पर जोर दिया कि इस मुद्दे पर एजीएम में बात नहीं होनी चाहिए और किसी और समय इस पर चर्चा की जानी चाहिए। इस बैठक का एजेंडा उपाध्यक्ष का चयन करना था, लेकिन वह भी नहीं हो सका।% समझा जाता है कि नकवी ने भारत के एशिया कप जीतने के बाद नकवी ने बीसीसीआई सदस्यों को बधाई नहीं दी, लेकिन शेलार ने सूर्यकुमार यादव की अगुआई वाली टीम की सराहना की जो पूरे टूर्नामेंट में अजेय रही। शेलार ने ही नकवी को टीम को बधाई देने के लिए मजबूर किया।

राजीव शुक्ला और शेलार ने किया प्रतिनिधित्व

एसीसी की एजीएम में बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला और पूर्व कोषाध्यक्ष आशीष शेलार ने बोर्ड का प्रतिनिधित्व किया। एशिया कप की ट्रॉफी अभी भी एसीसी दफ्तर में रखी है और यह अब तक स्पष्ट नहीं हो सका है कि इसे विजेता टीम को कब दी जाएगी। एसीसी के सूत्र ने कहा, भारत ने एसीसी की बैठक के दौरान विजेता ट्रॉफी नहीं सौंपे जाने और पुरस्कार समारोह के बाद एसीसी अध्यक्ष नकवी द्वारा जो ड्रामा किया गया, उसे लेकर कड़ा विरोध जताया है। इस दौरान राजीव ने कहा कि ट्रॉफी विजेता टीम को सौंपी जानी चाहिए। यह एसीसी की ट्रॉफी है और इसका किसी एक व्यक्ति से लेना-देना नहीं है।

एजीएम में ट्रॉफी पर चर्चा नहीं चाहते थे नकवी

सूत्र ने कहा, %नकवी ने बीसीसीआई की बात से सहमत नहीं थे। नकवी ने इस बात पर जोर दिया कि इस मुद्दे पर एजीएम में बात नहीं होनी चाहिए और किसी और समय इस पर चर्चा की जानी चाहिए। इस बैठक का एजेंडा उपाध्यक्ष का चयन करना था, लेकिन वह भी नहीं हो सका।% समझा जाता है कि नकवी ने भारत के एशिया कप जीतने के बाद नकवी ने बीसीसीआई सदस्यों को बधाई नहीं दी, लेकिन शेलार ने सूर्यकुमार यादव की अगुआई वाली टीम की सराहना की जो पूरे टूर्नामेंट में अजेय रही। शेलार ने ही नकवी को टीम को बधाई देने के लिए मजबूर किया।

भारतीय टीम तक पहुंचने में छह साल लगने का लाभ मिला - अभिषेक

नई दिल्ली। एशिया कप क्रिकेट में आक्रामक बल्लेबाजी और सबसे अधिक रन बनाकर प्लेयर ऑफ द सीरीज रहे अभिषेक शर्मा आज एक बड़े स्टार बनकर उभरे हैं पर उन्हें यहां तक पहुंचने में छह साल का लंबा समय लग गया। वहीं अभिषेक के ही साथ 2018 अंडर-19 विश्वकप में रहे शुभमन गिल, पृथ्वी शॉ काफी पहले ही भारतीय टीम में जगह बनाने में सफल रहे। दूसरे ओर अभिषेक को छह साल का लंबा समय लग गय। इसको लेकर इस बल्लेबाज को कोई अफसोस नहीं है। अभिषेक ने कहा कि इतना लंबा समय लगने से उन्हें उल्टे लाभ ही हुआ। इस बल्लेबाज के अनुसार इस दौरान घरेलू क्रिकेट खेलने से उनकी बल्लेबाजी मजबूत हो गयी।

अभिषेक ने माना है कि धीमी रफ्तार से आगे बढ़ना उनके लिए लाभप्रद रहा। उन्होंने कहा, "कुछ खिलाड़ी सीधे टीम में आ गए। कुछ सब कुछ करते हैं और मुझे लगा कि मुझे भी ऐसा ही करना चाहिये। एक खिलाड़ी होने के नाते अगर मैं सीधे टीम में आ जाता तो वह सब सीखने का अवसर नहीं मिलता जो मैंने घरेलू क्रिकेट से सीखा।"इससे उन्हें अपने कौशल को निखारने और अपने खेल के बारे में और जानने का मौका मिला। उन्होंने कहा, "मुझे कई चीजें आजमाने के लिये काफी समय मिल गया। मैंने अपने खेल पर काफी काम किया और आम तौर पर कई खिलाड़ियों को इसका मौका नहीं मिलता। वहीं मेरे पास समय था तो मैं यह कर सका।"

अभिषेक ने पाक के खिलाफ दो मैचों में 200 से अधिक की स्ट्राइक रेट से रन बनाये। इस सफलता का श्रेय उन्होंने कोच गौतम गंभीर और कप्तान सूर्यकुमार यादव को दिया है। साथ ही कहा कि कोच और कप्तान ने ही उन्हें जोखिम लेने की आजादी देते हुए अपने अनुसार खेलने को कहा था। दी। इससे उनका मनोबल बढ़ा जिसके कारण ही वह बेहतर प्रदर्शन कर पाये।

चीन ओपन के क्वार्टरफाइनल में पहुंचीं अमेरिका की कोको गॉफ

बीजिंग। अमेरिका की कोको गॉफ चीन ओपन टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टरफाइनल में पहुंच गयी हैं। गॉफ ने महिला एकल में स्विटजरलैंड की बेलिंडा बेन्सिक को 4-6, 7-6 (4), 6-2 से हराकर क्वार्टरफाइनल में जगह बनायी। इस जीत के साथ ही इन दोनो के बीच जीत हार का रिकार्ड 4-2 हो गया है। इस साल दोनों खिलाड़ियों के बीच तीन मुकाबले हो चुके हैं, जिनमें ऑस्ट्रेलियन ओपन में गॉफ को जीत मिली पर बेन्सिक ने अबू धाबी में जीत हासिल की।

कोच और कप्तान ने अभिषेक को दी थी अपने अनुसार खेलने की पूरी आजादी

नई दिल्ली। एशिया कप में अपनी तफानी बल्लेबाजी से विरोध टीम के गेंदबाजी आक्रमक को ध्वस्त करने वाले भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा को अपने अनुसार खेलने की पूरी आजादी कोच गौतम गंभीर और कप्तान सूर्यकुमार यादव से मिली हुई थी। अभिषेक को टूर्नोमेंट में सबसे अधिक रनों के लिए प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का अवार्ड भी मिला। गंभीर और सूर्यकुमार ने साफ कर दिया है कि उनको अपने आक्रामक अंदाज में बदलाव करने की जरुरत नहीं है। यहां तक कहा था कि अबर वह बड़ा शॉट खेलते हुए पहली ही गेंद पर भी आउट होते हैं तो हर्ज नहीं है। अभिषेक ने इसके बाद जिस तेजी से खेला और विरोधी टीमों को घटनों पर ला दिया। वह सभी ने देखा। इस बल्लेबाज ने दिखाया कि वह मैच को अकेले ही दूसरी टीम से दूर ले जा सकते हैं। सूर्यकुमार ने कहा कि गंभीर ने ही शिवम से पहला ओवर कराने की सलाह दी थी।

साथ ही कहा कि मैंने और गंभीर ने उसे अपना खेल न बदलने के लिए कहा है क्योंकि इसी से उनकी पहचान बनी थी। इसी आक्रामक बल्लेबाजी के कारण वह टीम में पहुंचे। इसलिए उसे न छोड़ें। उनके इस कौशल से मुकाबले में अंतर आ जाएगा। टी20 एक उच्च जोखिम वाला प्रारुप है इसमें उसे जोखिम उठाने का लाभ मिला। वहीं गंभीर की भूमिका को लेकर कप्तान सूर्या ने कहा, वह पर्दे के पीछे से काम करने वाले व्यक्ति हैं, वह कभी भी आगे नहीं आते। वह सबकी सहायता करते हैं, सबका साथ देते हैं। कल उन्होंने ही मुझे शिवम दुबे को नई गेंद से गेंदबाजी कराने के लिए कहा था। वह खेल और दबाव की परिस्थितियों को समझते हैं।

वोक्स ने अंतराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया

लंदन। इंग्लैंड के अनुभवी ऑलराउंडर क्रिस वोक्स ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सभी प्रकार के प्रारुपों से संन्यास ले लिया है। 36 साल के वोक्स ने अंतिम बार भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेली थी। इस सीरीज में उन्होंने हाथ में फ्रैक्चर के बाद भी बल्लेबाजी की थी और उनकी ऐसी तस्वीरें छायी रही थीं। वोक्स ने साल 2011 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20ढ्ढ में डेब्यू के बाद से ही लगातार खेला है। इस प्रकार उनका करियर करीब 15 साल का रहा है।

भारत के खिलाफ पांचवें और अंतिम टेस्ट में वोक्स को मैदान पर फील्डिंग करते हुए कंधे में गंभीर चोट लगी और उनका कंधा खिसक गया था पर इसके बाद भी सर्जरी के बाद उन्होंने टीम में वापसी कर सबको हैरान कर दिया।

सोशल मीडिया पर संन्यास की घोषणा करते हुए वोक्स ने लिखा, मैंने तय किया है कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने का सही समय आ गया है। देश के लिए ग्लैंड के लिए खेलना मेरा बचपन का सपना था, और मैं बेहद भाग्यशाली हूं कि ये पूरा हो पाया। इंग्लैंड का प्रतिनिधित्व करना, पिछले 15 वर्षों में अपने साथियों के साथ मैदान साझा करना, जिनमें से कई जीवनभर के दोस्त बन गए, ये सब मेरी सबसे अधिक सम्मान और गर्व की बातें रहेंगी। वहीं इससे पहले ईसीबी के एमडी रॉबर्ट की ने साफ कर दिया था कि एशेज सीरीज के लिए वोक्स टीम की योजना का हिस्सा नहीं है। माना जा रहा है कि इसी को देखते हुए इस ऑलराउंडर ने खेल को अलविदा कहा है हालांकि वह काउंटी क्रिकेट खेलते रहेंगे। इसके अलावा अवसर मिलने पर टी20 लीग भी खेलेंगे।

सूर्यकुमार ने माना फाइनल में उनपर था काफी दबाव

मुम्बई। भारत ओर पाकिस्तान के मैच हमेशा से ही तनावपूर्ण रहे हैं। इस बार भारतीय टीम ने एशिय कप में पाक को तीनों मैचों में हराया। इनमें से पहले दो मैच एकतरफा रहे पर फाइनल संघर्षपूर्ण रहा। ऐसे में खिलाड़ियों पर जीत का दवाब कितना रहता है इसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती है।

एशिया कप विजेता भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा है कि फाइनल में एक समय उनपर इतना दबाव आ गया था कि इस उनकी दिल की धड़कन तक काफी बढ़ गयी थी। सूर्या ने कहा कि मैच को लेकर काफी दबाव था। साथ ही कहा कि अंदर आने के बाद जब आप अपने खिलाड़ियों को खेलते हुए और दबाव से निपटते हुए देखते हो तो चीजें बदलती हैं। फाइनल में हालात लगातार बदल रहे थी। मैच पल-पल बदल रहा था। इससे मेरी हार्ट बीट बहुत तेज थी। अगर उस समय मैंने कोई हार्ट रेट मॉनिटर पहना होता तो आराम से हार्ट बीट 150 से ऊपर पहुंच गयी होती। उन्होंने कहा, मैंने एक कोच से पूछा भी कि मुझे ऐसा लगा रहा है तो आप लोगों को कैसे लग रहा होगा? मैं तो अंदर जाकर बाहर आता रहता हूं। तब कोच ने कहा कि खिलाड़ियों और ड्रेसिंग रूप को तनावमुक्त रखना ही तो हमारा काम है जिससे आप लोग मैदान पर जाकर खुलकर खेल सको। मैंने सोचा कि मैं भी इसी प्रकार रह सकता। मैं 11वें या 12वें ओवर में ड्रेसिंग रूप में चल रहा था, उसके बाद से मैं एक जगह टिक नहीं पाया।

करोड़ों में है तिलक की कमाई

मुम्बई । एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल में शानदार प्रदर्शन कर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले तिलक वर्मा ने बेहद कम समय में ही अपनी अलग ही पहचान बनायी है। वह एक भरोसेमंद बल्लेबाज बनकर उभरे हैं जो विपरीत हालातों में पारी को संभाल सकता है। आईपीएल 2022 में तिलक को मुम्बई इंडियंस ने जब 1.70 रुपये में खरीद था। उसके बाद से ही वह तेजी से आगे बढ़े। आईपीएल के बाद तिलक ने टी20 प्रारुप में भारतीय टीम में जगह बनायी। इसके बाद उनका खेल और पैसे का ग्राफ तेजी से ऊपर चला गया। इससे उनकी कमाई करोड़ों में पहुंच गयी है।

साल 2024-25 के आंकड़ों के अनुसार तिलक की कुल संपत्ति लगभग 5 करोड़ रुपये है। उनकी मासिक कमाई 20-25 लाख रुपये के बीच है। यह कमाई उन्हें आईपीएल वैतन, बीसीसीआई मैच फीस और ब्रांड एंडोर्समेंट से मिलती है। बीसीसीआई ने उन्हें 2024-25 केन्द्रीय अनुबंध में सी ग्रेड में रखा है, जिसमें खिलाड़ियों को 1 करोड़ रुपये मिलते हैं। इसके अलावा हर वनडे मैच के लिए 6 लाख और हर टी20 मैच के लिए 3 लाख रुपये मिलते हैं। तिलक के पास कई आलीशान गाड़ियां भी हैं। उनके पास मर्सिडीज-बेंज एस-क्लास और बीएमडब्ल्यू 7 सीरीज जैसी महंगी गाड़ियां हैं।

पांड्या ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय और टी20 सीरीज शायद ही खेल पायें

मुम्बई । ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या चोटिल होने के करण 19 अक्टूबर से ऑस्ट्रेलिया में 3 मैचों की एकदिवसीय सीरीज और उसके बाद पांच मैचों की टी20 सीरीज में शायद ही खेल पायें। पांड्या एशिया कप के सुपर फोर मैच के दौरान ही चोटिल हो गये थे। इसी कारण वह एशिया कप का फाइनल भी नहीं खेल पाये थे। उनके ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज से पहले फिट होने की कम ही संभावना है। ऐसे में उन्हें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीमित ओवरों की सीरीज से बाहर होना पड़ सकता है।

सुपर 4 के अंतिम मैच में वह श्रीलंका के खिलाफ केवल एक ओवर ही फेंक सके थे और इसके बाद मैदान से बाहर चले गए थे। पांड्या को क्वाड्रिसेप्स इंजरी है। ऐसे में माना जा रहा है कि उन्हें चार सप्ताह के आराम की सलाह दी गई है।

ये चार सप्ताह अक्टूबर के अंति में पूरे होंगे। इस तरह 19 अक्टूबर से शुरू होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज और फिर 29 अक्टूबर से 5 मैचों की टी20 सीरीज शुरू होनी है। जिस तरह की चोट हार्दिक को लगी है। उससे एक बात तो साफ है कि वह कम से कम वनडे सीरीज के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। अगर वह फिट हो गए तो टी20 सीरीज में ही खेल सकते हैं हालांकि टीम प्रबंधन फरवरी-मार्च में होने वाले टी20 विश्व कप 2026 से पहले उन्हें जबरन उतारकर शायद ही कोई जोखिम लेना चाहेगा।

पांड्या के एशिया कप 2025 के फाइनल में नहीं खेलने से संयोजन बदलना पड़ा था। पांड्या गेंदबाजी के साथ बल्लेबाजी और फील्डिंग कौशल के लिए जाने जाता हैं।

रजत पाटीदार रणजी ट्रॉफी में मप्र की कप्तानी करेंगे

इंदौर। बल्लेबाज रजत पाटीदार को रणजी ट्रॉफी के लिए मध्यप्रदेश टीम का नया कप्तान बनाया गया है। मध्य प्रदेश क्रिकेट संघ (एमपीसीए) ने मंगलवार को 2025-26 रणजी ट्रॉफी के लिए टीम की घोषणा करने के साथ ही रजत को कप्तान बनाये जाने की घोषणा की। इस बार पाटीदार को पूर्णकालिक कप्तान बनाया गया है। इससे पहले उन्हें केवल दो प्रथम श्रेणी मैचों में टीम की कप्तानी दी गयी थी पर अब वह पूरे रणजी सीज़न के लिए टीम की कप्तानी करेंगे। ।

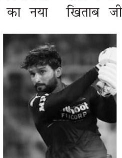

32 वर्षीय पाटीदार की कप्तानी मे ही हाल में मध्य क्षेत्र ने 2025 दलीप ट्रॉफी का खिताब जीता है। इसके अलावा उनकी कप्तानी में ही रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) पहली बार आईपीएल जीतने में सफल रही है। पाटीदार पिछले सीज़न में भी मध्य प्रदेश के कप्तान थे।

रजत पाटीदार (कप्तान), यश दुबे, हर्ष गवली, शुभम शर्मा, हिमांशु मंत्री, हरप्रीत सिंह, वेंकटेश अय्यर, सागर सोलंकी, कुमार कार्तिकेय, सारांश जैन, अधीर प्रताप, आर्यन पांडे, अरशद खान, अनुभव अग्रवाल, कुलदीप सेन ।

काशी की प्रियंका वर्ल्ड शूटिंग चैंपियनशिप में लेगी भाग

वाराणसी। काशी की शूटर प्रियंका पटेल काहिरा में चार से आठ नवंबर तक होने वाली आई एस एस एफ वर्ल्ड शूटिंग चैंपियनशिप में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करेगी। जिला राइफल क्लब की कार्यकारिणी के सदस्य पंकज श्रीवास्तव ने बताया कि प्रियंका प्रदेश की पहली महिला खिलाड़ी हैं जो 50 मीटर फ्री पिस्टल फायर आर्म्स में विश्व चैंपियनशिप में भाग ले रही हैं।

कोच संजीव ने बताया कि 3 साल से प्रियंका 50 मीटर और 10 मीटर फ्री पिस्टल में पदक जीत रही है। इसी वर्ष 23 सितंबर को भोपाल में हुए ट्रायल्स में प्रियंका ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।इसी प्रदर्शन के आधार पर भारतीय टीम में चयन हुआ है। मुलरूप से भूलनपुर के मड़ोली निवासी प्रियंका के पिता की किसान है।उनके चयन पर संगठन की वरिष्ठ उपाध्यक्ष जगदीप मधोक, संयुक्त सचिव आनंद सिंह ने बधाई दी है।

नकवी पाक सरकार में मंत्री नहीं होते तो भारतीय टीम ट्रॉफी ले लेती - कनेरिया

लाहौर। पूर्व पाकिस्तानी स्पिनर दानिश कनेरिया ने भारतीय टीम के एशिया कप जीतने के बाद भी एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) प्रमुख मोहसिन नकवी से ट्रॉफी नहीं लेने को लेकर कहा कि अगर नकवी पाकिस्तान सरकार में मंत्री नहीं होते तो भारतीय टीम इंडिया उनसे ट्रॉफी स्वीकार कर लेती।

कनेरिया ने कहा, नकवी पाकिस्तान के एक मंत्री हैं। वहीं अगर वह सिर्फ एसीसी प्रमुख या पीसीबी प्रमुख होते, तो भारतीय टीम उनसे ट्रॉफी स्वीकार कर लेती, उनके पाक सरकार से जुड़े होने के चलते ही भारतीय टीम ने दूरी बना ली।

कनेरिया के अनुसार ऐसे में नकवी को मंच से हट जाना चाहिए था। उनकी जगह किसी अन्य अधिकारी को समारोह की जिम्मेदारी सौंपनी चाहिए थी। कई अन्य अधिकारी भारतीय टीम को ट्रॉफी दे सकते थे।

वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार समारोह से पहले भारतीय टीम प्रबंधन ने अमीरात क्रिकेट बोर्ड के उपाध्यक्ष खालिद अल जरूनी से पुरस्कार प्राप्त करने की इच्छा जताई थी पर नकवी ने इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया था।

जब पुरस्कार वितरण समारोह शुरू हुआ, तो भारतीय स्पिनर कुलदीप यादव, सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और तिलक वर्मा ने मंच पर मौजूद अन्य व्यक्तियों से अपने-अपने पुरस्कार प्राप्त किए। वहीं जब नकवी मंच पर आए, तो भारतीय टीम ने स्पष्ट कर दिया कि वह उनसे पुरस्कार स्वीकार नहीं करेगी। इसके बाद एशिया कप ट्रॉफी को आयोजन स्थल से हटा दिया गया।

एमवाईएल नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड से सावधान

अमीर बनने और घर बैठे पैसा कमाने का सपना दिखाकर एजेंट कर रहे ठगी

कटंगी(पद्मेश न्यूज)। कटंगी और तिरोड़ी तहसील क्षेत्र में इन दिनों एक नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड के एंजेट खूब सक्रिय है. यह एंजेट गांव के भोले-भाले गरीब युवक-युवतियों को स्कील डेवलमेंट, इंग्लिश स्पीकिंग कोर्स, कम्प्यूटर कोर्स और घर पर बैठे-बैठे ही हर महीने हजारों रुपए की कमाई का सपना दिखाकर अपने साथ जोड़ रहे है. दरअसल, शुरूआत में तो एंजेट कोर्स के नाम पर युवक-युवतियों से साढ़े 10 हजार रुपए की नकदी रकम लेकर उन्हें अपने साथ जोड़ लेते है लेकिन युवक-युवतियों को किसी तरह का कोर्स कराने की बजाए प्रोडेक्ट बेचने और पिरामिड यानी चैन सिस्टम बनाकर अन्य लोगों को जोड़ने के लिए मजबूर करते है. इस बात का खुलासा एमवाईएल नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड के झांसे में फंसने वाली कटंगी शहर के वार्ड क्रमांक 08 की फिजा खान और ग्राम लोहमारा की भारती मरठे ने किया है. गरीब परिवार से ताल्लुक रखने वाली इन बेटियों को एमवाईएल से जुड़ी युवक-युवतियों ने मारपीट की कोशिश की जिसके बाद पूरा मामला थाने तक पहुंचा और फिर यह पूरा खुलासा हुआ कि किस तरह से एमवाईएल नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड के एंजेट कोर्स के नाम पर युवक-युवतियों को ठग रहे है.

हालांकि जब नेटवर्क कपंनी से जुड़े हुए लोगों ने पीड़ितों के पैसे वापस कर दिए तो मामला शांत हुआ। एमवाईएल के एंजेंट वैसे तो खुद दोपहिया वाहन से आते है लेकिन जिन गरीब और भोले-भाले लोगों को यह अपने साथ जोड़ना चाहता है उन्हें घर पर बैठे-बैठे ही कोर्स के साथ-साथ हर महीने हजारों और फिर लाखों की कमाई और खुद की चारपहिया वाहन खरीदने का सपना दिखाते है. ग्रामीण परिवेश के लोग इन एजेंटों के जाल में आसानी से फंस जाते है और फंसने के चंद दिनों बाद ही उनके समझ में सारा खेल आता है कुछ लोग इन एजेंटों के बहकावे से बाहर निकल जाते है जबकि कुछ लोग अपने जीवन का महत्वपूर्ण समय यहीं बर्बाद कर देते है. बता दें कि कटंगी क्षेत्र में कार्य कर रही एमवाईएल नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड सप्लीमेंट्स, हर्बल मिश्रण, सीरम, फेस वॉश, शैंपू, हेयर ऑयल जैसे प्रोडेक्ट एंजेंट के जरिए बेचने का दावा करती है. हालांकि यह लोग प्रोडेक्ट बेचने के नाम पर किसी को अपने साथ नहीं जोड़ते बल्कि एंजेंट यह बताते है कि उन्हें स्कील डेवलमेंट, इंग्लिश स्पीकिंग कोर्स, कम्प्यूटर कोर्स करवाया जाएगा. जबकि पैसा लेने के बाद कंपनी के एंजेंट जुड़ने वाले व्यक्ति को सबसे पहले प्रशिक्षण और साथ में प्रोडेक्ट कीट देते है. इस कीट की कीमत साढ़े 10 हजार रुपए होती है. अब यह कीट खरीदने वाला चाहे बेचे या उपयोग करें खरीदने वाले पर निर्भर करता है लेकिन एक बात यह है कि इसके बाद उन्हें लगातार इसी तरह के प्रोडक्ट को बेचने के अलावा पिरामिड तैयार करने के लिए कहा जाता है। कटंगी शहर के वार्ड क्रमांक 15 में एमवाईएल के एक कार्यालय संचालित हो रहा है. जहां पर नागपुर से आई एक युवती निवास करती है. मगर, जहां यह कार्यालय संचालित हो रहा है वहां बाहर किसी भी प्रकार को कोई बोर्ड नहीं लगा है. यहां तक की कार्यालय संचालित करने पर पहले विधिवत कोई कार्रवाई भी नहीं की गई है. यानी अगर भविष्य में एमवाईएल किसी भी प्रकार की धोखाधड़ी करती है और यहां काम करने वाले लोग रातों-रात कार्यालय छोड़कर फरार हो जाए तो किसी को कोई भनक तक नहीं लगेंगी. इस मामले में पुलिस और प्रशासन को सक्रियता से कार्य करने की जरूरत है ताकि क्षेत्र के गरीब और भोले-भाले लोगों के साथ किसी प्रकार की ठगी ना हो।

कान्हा रिजर्व विस्थापन की अफवाह झूठी, भैंसवाही शिविर में मिला समाधान

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। नक्सल प्रभावित ग्राम भैंसवाही में जन समस्या निवारण शिविर आयोजित किया गया। शिविर में कलेक्टर मृणाल मीना, पुलिस उपमहानिरीक्षक विनीत जैन, जिला पंचायत सीईओ अभिषेक श्रॉफ, एएसपी आदर्श कांत शुक्ला, बैहर एसडीएम अर्पित गुप्ता सहित अधिकारी उपस्थित रहे। अधिककारियों ने ग्रामीणों की समस्याएँ सुनीं और किसानों की फौती दर्ज करने, किसान सम्मान निधि एवं पेंशन योजनाओं से वंचित पात्रों को लाभ दिलाने के निर्देश दिए। कलेक्टर मीना ने कहा कि कान्हा टाइगर रिजर्व से विस्थापन संबंधी अफवाहें निराधार हैं, किसी भी गांव को विस्थापित नहीं किया जा रहा।

एएसपी शुक्ला ने ग्रामीणों से शासन की योजनाओं का लाभ लेने और पुलिस का सहयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि नक्सलियों की विचारधारा खोखली है तथा आत्मसमर्पण करने वालों को शासन की ओर से हर संभव मदद दी जाएगी।

शिविर में प्राप्त आवेदनों की जानकारी

शिविर में विभिन्न योजनाओं के लिए 40 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से कलेक्टर द्वारा 40 आवेदनों का निराकरण किया गया। पी.एम. मातृ वंदना योजना के 02 आवेदन, लाडली लक्ष्मी के 01 आवेदन, सुकन्या समृद्धि योजना के 02 आवेदन, और जाति प्रमाण पत्र से सम्बंधित 20 आवेदन तथा अन्य समस्याओं से सम्बंधित कलेक्टर श्री मीणा को दिये गये अन्य 15 आवेदनों का निराकरण किया गया। इस प्रकार कुल 40 आवेदनों से सम्बंधित समस्या सुनी गई।

इसके अतिरिक्त जनसुनवाई शिविर में पिपरिया की भैसवाही पंचायत में आयोजित जनसुनवाई शिविर में ग्रामवासियों ने अपनी समस्याओं और मांगों को रखा। इस शिविर में वृद्धावस्था पेंशन के लिए 4 आवेदन प्राप्त हुए। इसके अलावा, ग्रामवासियों ने सामूहिक रूप से 2 आवेदन दिए, जिनमें वन विभाग द्वारा वनों की कटाई रोकने, लघु जलाशय मीनकर निरस्त करने और अन्य विभागों से संबंधित मुद्दे शामिल थे। इन आवेदनों को संबंधित विभागों को भेज दिया गया है और आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। शिविर में भाग लेने वाली ग्राम पंचायत, पिपरिया व गोहारा और गोवारी ग्राम पंचायतों ने भाग लिए। शिविर में 293 हितग्राही उपस्थित हुए साथ ही बन्ना, पिपरिया, जल्दीडांड, सुमेरीखेड़ा के ग्रामीण भी उपस्थित रहे ।

हरियाणा में राव नरेंद्र और हुडडा को बड़ी जिम्मेदारी देकर कांग्रेस ने जाट-ओबीसी फार्मूले पर फोकस किया

नई दिल्ली । हरियाणा में कांग्रेस ने करीब दो दशक बाद अपनी सियासी रणनीति में बड़ा फेरबदल किया है। कांग्रेस ने लंबे समय से आज़माए जा रहे जाट-दलित समीकरण से हटकर इस बार जाट-ओबीसी फार्मूले पर फोकस करने का निर्णय लिया है। मंगलवार को कांग्रेस हाईकमान ने भूपेंद्र सिंह हुड्डा को फिर से विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष नियुक्त किया, जबकि राव नरेंद्र को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई।

कांग्रेस अब तक दलित समाज से प्रदेश अध्यक्ष चुनती रही है। फूलचंद मुलाना, अशोक तंवर, कुमारी सैलजा और चौधरी उदयभान सभी दलित समुदाय से आते थे। लेकिन 18 साल बाद कांग्रेस ने यह परंपरा तोड़कर यादव समाज के राव नरेंद्र पर भरोसा जताया है। विश्लेषकों के मुताबिक, यह बदलाव भाजपा की ओबीसी राजनीति का सीधा काउंटर है।

बात दें कि हुड्डा हरियाणा के जाट समाज के सबसे बड़े नेता हैं। वे दो बार के मुख्यमंत्री, चार बार के नेता प्रतिपक्ष और लंबे समय तक प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष रहे हैं। वहीं राव नरेंद्र, यादव समाज से आते हैं, जो राज्य की सबसे बड़ी ओबीसी आबादी है। वे तीन बार विधायक और हुड्डा सरकार में स्वास्थ्य मंत्री रहे हैं। दोनों नेताओं की नजदीकी से कांग्रेस को जाट-ओबीसी तालमेल बनाने में मदद मिल सकती है। दरअसल हरियाणा में भाजपा ने ओबीसी कार्ड खेलकर नायब सिंह सैनी को मुख्यमंत्री और ब्राह्मण समाज के मोहन लाल बड़ौली को प्रदेश अध्यक्ष बनाया। भाजपा का यह ब्राह्मण-ओबीसी फार्मूला 2024 विधानसभा चुनावों में कामयाब भी रहा। इसके जवाब में कांग्रेस ने अब जाट-ओबीसी का नया समीकरण साधने की कोशिश की है।

राव नरेंद्र को प्रदेश अध्यक्ष बनाकर कांग्रेस ने सिर्फ ओबीसी समाज ही नहीं, बल्कि अहीरवाल क्षेत्र भी साधने की कोशिश की है। 53 साल बाद कांग्रेस ने अहीरवाल से प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है। आखिरी बार यह जिम्मेदारी राव निहाल सिंह को 1972 में मिली थी। अहीरवाल बेल्ट में कांग्रेस की पकड़ लगातार कमजोर होती रही है, खासकर राव इंद्रजीत सिंह के 2014 में भाजपा में जाने के बाद। इस बार भी 12 सीटों में से कांग्रेस सिर्फ एक पर सिमट गई।

विशेषज्ञ मानते हैं कि कांग्रेस का यह नया प्रयोग प्रदेश में उसकी खोई हुई जमीन वापस दिलाने की कोशिश है। हालांकि, यह रणनीति भाजपा की मजबूत जमीनी पकड़ और ओबीसी राजनीति को कितना चुनौती दे पाएगी, इसका जवाब आने वाले चुनाव ही मिलेगा।

अनंत शस्त्र मिसाइल सिस्टम की 5 से 6 रेजीमेंट खरीदने के लिए टेंडर जारी

नई दिल्ली। भारतीय सेना ने अपनी वायुरक्षा क्षमता को और मजबूत करने में जुटी है। इस कड़ी में सेना ने ' अनंत शस्त्र सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल सिस्टम की 5 से 6 रेजीमेंट खरीदने के लिए टेंडर जारी किया है। यह सिस्टम पाकिस्तान और चीन की सीमा पर तैनात होगा। रक्षा अधिकारियों के अनुसार, यह प्रोजेक्ट करीब 30,000 करोड़ रुपये का होगा। इस भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) को दिया गया है और यह सिस्टम डीआरडीओ द्वारा बनाया गया है।

पहले इस क्विक रिएक्शन सरफेस-टू-एयर मिसाइल (क्यूआरएसएएम) के नाम से जाना जाता था। इस मिसाइल सिस्टम की रेंज करीब 30 किलोमिटर है और यह चलते-फिरते दुश्मन के टारगेट को खोजकर मार गिराने में सक्षम है। सेना का मानना है कि यह मौजूदा आकाश और एमआर-एसएएम जैसी मिसाइलों के साथ मिलकर काम करेगा और देश की वायु रक्षा को और मजबूत बनाएगा।

ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान ने चीन के हथियारों का इस्तेमाल कर ड्रोन हमले किए थे। तब भारतीय सेना ने एल-70 और जेयू-23 गन, आकाश और एमआर-एसएएम जैसी प्रणालियों से ज़्यादातर ड्रोन गिरा दिए थे। सेना अब नई रेडार तकनीक, शॉर्ट रेंज एयर डिफेंस सिस्टम, जैमर और लेजर आधारित हथियारों को भी शामिल कर रही है ताकि पाकिस्तान की ओर से आने वाले तुर्की और चीनी ड्रोन को रोका जा सके। थलसेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी लगातार स्वदेशी हथियारों पर जोर दे रहे हैं। आने वाले समय में सेना में ज़ोरावर लाइट टैंक और कई आधुनिक स्वदेशी वायु रक्षा सिस्टम भी शामिल किए जाएंगे।

देवलगांव में मां शारदा देवी उत्सव समिति द्वारा भक्ति मय वातावरण में मनाया जा रहा नवरात्र पर्व

लांजी (पद्मेश न्यूज)। संपूर्ण क्षेत्र में नवरात्रा पर्व पर भक्ति मय माहौल नजर आ रहा है। भक्त गण एवं दर्शनार्थी देवी मंदिरो सहित दुर्गा पण्डालों में बडी मात्रा में दर्शनो के लिये पंहुच रहे है। साथ ही दुर्गा उत्सव समितियों के द्वारा देवी धामों एवं मातारानी की प्रतिमा स्थापित स्थलों में भक्ति मय देवी जागरण धार्मिक आयोजन करवाया जा रहा है जिसमें भक्त नाचते गाते, गरबा खेलते झुमते नजर आ रहे है। इसी कड़ी मे क्षेत्रान्तर्गत ग्राम देवलगांव के शारदा मंदिर परिसर में शारदा देवी उत्सव समिति के द्वारा भक्ति मय देवी जागरण का आयोजन किया गया जो कि एम के म्यूजिकल ग्रुप गोंदिया के द्वारा विशेष प्रस्तुती माता रानी के चरणों में दी गई। ग्रुप के द्वारा विभिन्न प्रकार की देवी देवताओं की जीवंत झांकिया तैयार कर प्रस्तुत की गई जिसमें ग्रामीण जनों ने खुब सराहा एवं भक्ति मय आंनद प्राप्त किया। म्यूजिकल ग्रुप से संचालक अविनाश कारोसिया, गायिका रक्षा कारोसिया, अंगद भाई, गोलू भाई, विवेक भाई, जयश भाई, अमित राजा, वीजू भाई, अर्ज्जू भाई ने देवी जागरण प्रस्तुतीकरण में विशेष योगदान रहा। झांकियो में हनुमान जी,श्री गणेश माता कालरात्रि, श्री शंकर भगवान, वानर सेना आदि की प्रस्तुतीकरण किया गया। बतादे कि मा शारदा उत्सव समिति से अध्यक्ष संजीत ठाकरे, उपाध्यक्ष छत्रपाल टेंभरे, सचिव जीतू ठाकरे, संजू ठाकरे, शुभम पन्द्रे, अंकित भालाधरे, दीनदयाल वरकड़े, सोनू ठाकरे, राजू सुर्यवंशी, संजय वरकड़े, प्रेम ठाकरे, दीपक वीर, कृष्ण कुमार आदि सदस्यो के द्वारा ग्रामीण जनो के सहयोग से उक्त कार्यक्रम आयोजित किये गये। समिति के द्वारा महाअष्ठमी पूजन, नवमी पूजन अर्चन कलश विसर्जन के पश्चात दशहरा को रावण दहन में विशेष झांकि निर्मित की जावेगी जो कि ग्राम भ्रमण करने के पश्चात बाजार चौक स्थित स्थल पर रावण दहन किया जायेगा।

त्रि-सेवा संगोष्ठी को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री बोले

चुनौतियों से निपटने के लिए साझा प्रणाली जरूरी

नई दिल्ली। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को कहा कि आज के समय में साइबर हमलों, सूचना युद्ध और बदलती सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए भारतीय सेना के बीच बेहतर तालमेल और एक समान प्रणाली की जरूरत है। वह दिल्ली में आयोजित त्रि-सेवा संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि रक्षा मंत्रालय इस दिशा में हरसंभव सहयोग करेगा। राजनाथ सिंह ने कहा, हमारी सेनाओं ने वर्षों के अनुभव से अपनी ऑडिट प्रणाली विकसित की हैं। लेकिन आज के एकीकृत अभियानों के दौर में जरूरी है कि ये प्रणाली एक-दूसरे जुड़ी हों। अगर हर सेना अलग-अलग काम करेगी, तो फैसला लेना मुश्किल हो सकता है। एकीकृत प्रणाली से सेनाओं का आत्मविश्वास भी बढ़ेगा। आज हमें साइबर हमलों और सूचना युद्ध का खतरा है, इसलिए हमें इनके लिए मानक तय करने होंगे।

उन्होंने आगे कहा, जब हम मानक तय करने की बात करते हैं, तो इसका मतलब यह नहीं है कि सेनाओं की अपनी पहचान खत्म हो जाएगी। हम हर सेना पर एक जैसा तरीका नहीं थोप सकते। हमें ऐसी प्रणाली बनानी होगी जो तीनों सेनाओं के काम को एकसाथ जोड़े। मुझे भरोसा है कि इस पर गंभीर चर्चा होगी और रक्षा मंत्रालय पूरा सहयोग करेगा। रक्षा मंत्री ने यह भी कहा कि देश को इस दिशा में लगातार काम करने की जरूरत है, ताकि एक ऐसी आधुनिक और सक्षम प्रणाली तैयार की जा सके जो सभी सेवाओं के लिए उपयोगी हो। उन्होंने कहा, इसके लिए हमें लगातार संवाद की जरूरत होगी। इस प्रक्रिया में नेतृत्व की भूमिका बहुत अहम होगी। हर कदम पर यह स्पष्ट करना होगा कि यह सुधार क्यों जरूरी है। जब तक हर सेवा और हर कर्मचारी को संयुक्तता का महत्व समझ में नहीं आएगा, तब तक यह सफल नहीं हो सकता। हम दूसरे देशों के अच्छे अनुभवों से सीख सकते हैं, लेकिन हर देश की अपनी परिस्थितियां होती हैं। हमें अपनी जरूरतों के हिसाब से समाधान तैयार करना होगा।

सेनाओं की सराहना की

रक्षा मंत्री ने थल सेना, वायु सेना और नौसेना के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि देश ऑपरेशनल तैयारियों की दिशा में आगे बढ़ रहा है, लेकिन अब अगला कदम त्रि-सेवा लॉजिस्टिक्स का एकीकरण होना चाहिए। उन्होंने कहा, हमें एक ऐसी डिजिटल प्रणाली बनानी चाहिए जो हर सेवा की जरूरतों का सम्मान करे और सभी के लिए जरूरी संसाधनों की स्थिति को साझा रूप से दिखा सके। इस दिशा में काम शुरू हो चुका है। हमें मिलकर संयुक्तता की ओर बढना है। जब तीनों सेनाएं एक साथ आगे बढ़ेंगी, तभी हम बड़ी चुनौतियों का डटकर सामना कर सकेंगे। राजनाथ सिंह ने देवी दुर्गा का उदाहरण देते हुए कहा, जब चुनौतियां बहुत बड़ी हों, तो एकता की ताकत अजेय बन जाती है। हमारी सेना ऑपरेशनल तैयारी कर रही है, वायुसेना और नौसेना भी इसी दिशा में काम कर रही हैं। लेकिन जैसे ही हम संयुक्त सेवा कमान की बात करते हैं, तो अगला कदम अखिल भारतीय त्रि-सेवा लॉजिस्टिक्स एकीकरण की दिशा में होना चाहिए।

अभिनेता थलापति विजय ने सीएम स्टालिन से कहा...अगर बदला लेना है, तब मेरे पास आओ -करूर भगदड़ के दो दिन बाद विजय ने जारी किया वीडियो संदेश

चेन्नई। तमिलनाडु के करूर में भगदड़ के 2 दिन बाद अभिनेता से नेता बने विजय थलपति ने कहा, क्या सीएम स्टालिन बदला लेने की कोशिश कर रहे हैं। हम लोगों ने कुछ गलत नहीं किया। अगर बदला लेना है, तब मेरे पास आओ। मैं घर में या ऑफिस में मिलूंगा। उन्होंने कहा कि मेरी पार्टी के पदाधिकारियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। मैं सीएम से अपील करता हूं कि कृपया मेरी पार्टी के पदाधिकारियों को नुकसान न पहुंचाएं।

अभिनेता विजय ने कहा, जल्द ही, हर सच्चाई राज्य और देश की जनता के सामने आ जाएगी। मुझे इस दुखद घटना पर खेद है। हम राजनीतिक यात्रा पर हैं। इस पर हम मजबूती और हिम्मत से आगे बढ़ने वाले है। तमिल अभिनेता विजय की राजनीति पार्टी टीवीके की चुनावी रैली में 27 सितंबर का शाम भगदड़ मच गई थी। इसमें 41 लोग मारे गए थे। घायल 51 लोग अभी भी आईसीयू में भर्ती हैं।

इस मामले में तमिलनाडु पुलिस ने अब तक 3 लोगों को अरेस्ट किया है। इसमें टीवीके के जिला सचिव वीपी माथियालगन और पदाधिकारी पौनराज और एक पत्रकार शामिल है। मंगलवार को कोर्ट ने पौनराज और माथियालगन को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। पौनराज पर भगदड़ केस के मुख्य आरोपी माथियालगन को शरण देने का आरोप है। यूट्यूबर और पत्रकार फेलिक्स गेराल्ड को मंगलवार सुबह अरेस्ट किया गया। पत्रकार गेराल्ड पर अफवाहें फैलाने का आरोप है। इधर, एनडीए सांसदों का पैनल मंगलवार को कोयंबटूर पहुंचा। जहां ये सभी मृतकों के परिजन और घायलों से मिलने वाले है। पैनल में शामिल सांसद हादसे वाली जगह भी जाएंगे। पैनल में हेमा मालिनी, अनुराग ठाकुर सहित 8 सदस्य हैं।

इस मामले में एक एफआईआर तमिलनाडू पुलिस के दवारा दर्ज की गई है। इसमें विजय पर आरोप हैं कि वे जानबूझकर रैली में देर से पहुंचे, ताकि ज्यादा भीड़ इकट्ठा हो सके। इसके अलावा उन्होंने बिना अनुमति के रोड शो किया। एफआईआर में कहा गया है कि विजय शाम करीब 4:45 बजे करूर में थे, लेकिन उनका काफिला शाम 7 बजे रैली स्थल पर पहुंचा, तब तक भीड़ बेकाबू हो चुकी थी। पुलिस ने रैली के आयोजक और विजय के करीबियों को स्थिति बिगड़ने की चेतावनी दी थी, लेकिन उन्होंने इस बात को नजरअंदाज किया। पुलिस ने एफआईआर में विजय पर आरोप लगाए हैं, लेकिन उनके खिलाफ कोई केस दर्ज नहीं किया है। जबकि उनके तीन करीबियों पर केस किया है।

संतोषी माता मंदिर मे हुआ भंडारे का आयोजन

किरनापुर(पद्मेश न्यूज)। नवरात्रा पर्व के पावन अवसर पर संतोषी माता मंदिर बस स्टैण्ड किरनापुर मे शारदेय नवरात्र पर्व बड़े ही आस्था एवं श्रद्धा भाव से पूजन अर्चन करते हुए पूरे नौ दिन तक मनाया गया। सुबह शाम पूजन अर्चन एवं आरती कर भक्ति भाव से आराधना उपासना की गई। इस अवसर पर सप्तमी पर हवन पूजन कर नौ कन्या भोज कराया गया। तथा नवरात्र की अष्टमी पर भंडारे का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विधायक राजकुमार कर्राहे ने भी कार्यक्रम मे शिरकत करते हुए मातारानी का पूजन कर महाप्रसादी वितरित करने मे अपनी सहभागिता प्रदान की। इस कार्यक्रम मे बड़ी संख्या मे श्रद्धालु भक्तों द्वारा शामिल होकर महाप्रसादी ग्रहण करते हुए पुण्य लाभ प्राप्त किया गया। इन संपूर्ण कार्यक्रमों को सुचारू रूप से सम्पन्न कराने मे संतोष क्षीरसागर, मंगल प्रसाद रैकवार, डॉ नन्हे बहेकार, मुकेश सिंह चौहान,शिव तारन, हेमेंद्र सारंगपुरे,चंदू राहंगडाले, वेणु शंकर परिमल, होमेंद्र क्षीरसागर, दिनेश मिश्रेकर, सागर रैकवार, डॉ लह्ला सारंगपुरे, दीपक हरड़े, अनुज तिवारी, सुरेश सोनी, संदीप सिरसाज, राकेश बोरकर, संजय सिंह चौहान,भागवत दादरे, दिलीप पांचे, सुखदेव सिंघनधूपे, मुकेश सोनी,राम कुमार राणा, शीतल क्षीरसागर, रश्मि, शशि, अर्चना, शोभा, रोमी, भव्य, प्रीति क्षीरसागर,करूणा सारंगपुरे रेणुका सारंगपुरे सहित अन्य का सराहनीय सहयोग रहा।

जिला स्तरीय समीक्षा समिति और जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति की बैठक

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिला स्तरीय समीक्षा समिति (छस्क्रष्ट) और जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति (छस्ष्ट) की बैठक 01अक्टूबर आयोजित की जाएगी इस बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर श्री मृणाल मीना करेंगे। 01अक्टूबर को अपरान्ह 04:00 और 05:00 बजे कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में होगी। बैठक में वार्षिक सांख योजना 2025-26 की समीक्षा,जमा एवं अग्रिम अनुपात और बैंकिंग पैरामीटर की समीक्षा, सीएम हेल्पलाइन और जनसुनवाई शिकायतों पर चर्चा, गैर निष्पादन सम्पत्तियों (ह्क्क) पर चर्चा और विभिन्न शासकीय योजनाओं की समीक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की जाएगी।

ड्रग मामले में अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती को मिली बड़ी राहत

मुंबई, (ईएमएस)। बॉलीवुड अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती को ड्रग मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। अदालत ने रिया चक्रवर्ती को विदेश यात्रा की अनुमति दे दी है। बॉम्बे हाईकोर्ट ने रिया चक्रवर्ती की ज़मानत की शर्तों को कम कर दिया है। आरोप है कि दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मृत्यु से पहले, रिया और उनके भाई अक्सर विभिन्न व्यक्तियों के माध्यम से हशीश और गांजा जैसे नशीले पदार्थ मंगवाते थे। इस मामले में उन्हें 2020 में गिरफ्तार किया गया था। ज़मानत देते हुए, निचली अदालत ने शर्त लगाई थी कि रिया चक्रवर्ती विशेष न्यायाधीश की पूर्व अनुमति के बिना देश नहीं छोड़ सकतीं। इस शर्त में ढील दी गई है। दरअसल रिया चक्रवर्ती के वकील ने हाईकोर्ट में इस बाबत दलील दी। उन्होंने कहा कि उन्हें (रिया चक्रवर्ती) काम के सिलसिले में विदेश जाना पड़ता है और पूर्व अनुमति मिलने में देरी के कारण उन्हें काम छोड़ना पड़ता है। इस वजह से उन्हें आर्थिक तंगी का भी सामना करना पड़ रहा है। अदालत को यह भी बताया गया कि इस मामले में आठ सह-आरोपियों को भी राहत दी गई है। उधर विरोधी वकीलों ने आपत्ति जताई कि रिया चक्रवर्ती को विशेष सुविधा नहीं दी जानी चाहिए। क्योंकि वह एक सेलिब्रिटी हैं। वह देश वापस नहीं लौट सकतीं है। भागने का खतरा है। इस पर हाईकोर्ट ने कहा, रिया चक्रवर्ती ने अब तक मामले में सहयोग किया है और उन पर लगाई गई ज़मानत की किसी भी शर्त का उल्लंघन नहीं किया गया है। ट्रायल कोर्ट की अनुमति से यात्रा करने पर वह देश वापस आ सकती हैं। हाईकोर्ट ने कहा, विदेश यात्रा से कम से कम चार दिन पहले एजेंसी को सूचित किया जाना चाहिए। पूरा यात्रा कार्यक्रम प्रस्तुत किया जाना चाहिए। यात्रा कार्यक्रम में उनके होटल और फ्लाइट की जानकारी होनी चाहिए। उनका फ़ोन हर समय चालू रखने का भी निर्देश दिया गया है।

बॉलीवुड अभिनेता के पास मिला 35 करोड़ रुपये की कोकीन

मुंबई। एक बॉलीवुड अभिनेता को चेन्नई हवाई अड्डे पर 3.5 किलोग्राम कोकीन के साथ गिरफ्तार किया गया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत 35 करोड़ रुपये बताई जा रही है। बताया गया है कि उक्त अभिनेता को सोमवार दिनांक 29 सितंबर को चेन्नई सीमा शुल्क और राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) के संयुक्त अभियान में गिरफ्तार किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सीमा शुल्क की खुफिया इकाई ने सिंगापुर से चेन्नई पहुँचे बॉलीवुड अभिनेता को चेन्नई हवाई अड्डे पर गिरफ्तार किया। अभिनेता के चेक-इन के बाद, उनके सामान की जाँच की गई। अधिकारियों को उनकी ट्रॉली के नीचे सफेद पाउडर के प्लास्टिक के पाउच मिले। फील्ड ड्रग परीक्षणों के बाद, यह पता चला कि अभिनेता से जब्त किया गया पाउडर कोकीन है। इसके बाद अभिनेता को हिरासत में ले लिया गया। पूछताछ के दौरान पता चला कि बॉलीवुड अभिनेता कंबोडिया से सिंगापुर होते हुए चेन्नई गया था। अभिनेता ने दावा किया है कि अज्ञात व्यक्तियों ने उसे कंबोडिया में एक ट्रॉली दी थी जिसे चेन्नई हवाई अड्डे पर प्राप्तकर्ता तक पहुँचाना था।

म्यांमार में आए भूकंप का भारत पर असर, पूर्वोत्तर राज्यों में लगे झटके

नई दिल्ली। भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में मंगलवार की सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए। बाद में पता चला कि म्यांमार में आए भूकंप का असर भारतीय राज्यों में भी हुआ है। रिक्टर स्केल पर इस भूकंप की तीव्रता 4.7 मापी गई, जिसकी पुष्टि नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी ने की है। सुबह 6 बजकर 10 मिनट पर आए इस भूकंप का केंद्र भारत-म्यांमार सीमा के बेहद नज़दीक था। इस झटके की तीव्रता ज़्यादा भले न रही हो, लेकिन मणिपुर, नागालैंड और असम सहित कई राज्यों में लोगों ने इसे साफ़ तौर पर महसूस किया। सुबह-सुबह ज़मीन के हिलने से लोगों में कुछ समय के लिए हलचल और चिंता का माहौल बन गया। सबसे बड़ी राहत की बात यह है कि अभी तक जान या माल के किसी बड़े नुकसान की कोई सूचना नहीं मिली है। फिर भी प्रशासन और आपदा प्रबंधन एजेंसियां सतर्क हैं और स्थिति का आंकलन कर रही हैं। मणिपुर के उखरुल ज़िले से केवल 27 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में। इसकी गहराई ज़मीन के अंदर 15 किलोमीटर आंकी गई, जो इसे सतह के काफ़ी क़रीब बनाती है। यह भूकंप उस समय आया है, जब कुछ ही दिन पहले बांग्लादेश में भी धरती डोली थी।

बरेली हिंसा मामले में 60 से ज्यादा लोग गिरफ्तार, आईएमसी प्रवक्ता की 74 दुकानें सील

बरेली। बरेली हिंसा के बाद अब तक पुलिस ने 60 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया है कि इस हिंसा की योजना काफी पहले से बनाई गई थी। इस मामले के दो मुख्य मास्टरमाइंड मौलाना तौकीर रजा और नदीम हैं। जांच में पता चला है कि नदीम ने लोगों को व्हाट्सएप कॉल करके बरेली बुलाया था। पुलिस के मुताबिक नदीम ने 55 लोगों को व्हाट्सएप पर कॉल किया गया था। इन 55 लोगों के जरिए शहर में हिंसा फैलाने के लिए करीब 1600 लोग जुटाए गए थे। नदीम ने लोगों को कहा था कि वे नाबालिगों को आगे रखें। इसी वजह से माहौल खराब हुआ। पुलिस ने इस मामले की जांच में आईएमसी के प्रवक्ता डॉ. नफीस को भी हिरासत में लिया है। सोमवार को कुल 29 उपद्रवियों को जेल भेजा गया। पुलिस के मुताबिक डॉ. नफीस और उनके साथियों की करीब 150 करोड़ की संपत्ति जब्त की गई है। हिंसा के कारण बीते शनिवार शाम से बरेली में इंटरनेट सेवा बंद थी, लेकिन सोमवार सुबह से इसे फिर से शुरू कर दिया

रावण दहन को लेकर दो धड़ो में बटा आदिवासी समाज

एक ने बताया पूर्वज, रावण दहन का किया विरोध ,तो दूसरा तबका बोला हम नहीं रावण के वंशज किया जाए दहन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। असत्य पर सत्य की जीत के रूप में मनाया जाने वाला दशहरा पर्व,बालाघाट जिला सहित संपूर्ण देश में 2 अक्टूबर को हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा।लेकिन इस दशहरा पर्व को लेकर अब आदिवासी समाज दो अलग अलग धड़ो में बट चुका है।जहां समाज का एक तबका रावण को अपना पूर्वज बताते हुए रावण और महिषासुर के दहन के विरोध में है।तो वही दूसरे तबके द्वारा रावण को अपना पूर्वज मानने से इंकार किया है।जिन्होंने इसे सदियों से चली आ रही एक अति प्राचीन परंपरा बताते हुए, हर साल दशहरा पर्व पर रावण दहन और महिषासुर का वध करने की परंपरा निभाने की बात कही है। जहां उन्होंने अपनी इस मांग को लेकर मंगलवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय में एक ज्ञापन भी सौपा है।सौपे गए इस ज्ञापन में उन्होंने रावण दहन और महिषासुर को अपना पूर्वज बताते हुए रावण दहन परंपरा का विरोध करने वालों और समाज में असत्य व भ्रमित जानकारी फैलाने वालों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर वैधानिक कार्यवाही किए जाने की मांग की है।जिन्होंने एसडीम बालाघाट गोपाल सोनी को ज्ञापन सौंपते हुए, रावण को अपना पूर्वज बताकर रावण दहन का विरोध करने वाले समाज संगठन के

पदाधिकारियो सहित अन्य की भारतीय नागरिकता को समाप्त करते हुए, उन्हें रावण के देश श्रीलंका भेजे जाने की भी मांग की है।

ऐसे लोगो पर अपराध दर्ज कर, देश निकाला करने की करी मांग

दरअसल बीते दिनों, सर्व आदिवासी समाज संगठन अध्यक्ष भुवन सिंह कोर्राम के नेतृत्व में कलेक्टर कार्यालय में एक ज्ञापन सौपा गया था।जहां सौंपे गए इस ज्ञापन में उन्होंने रावण और महिषासुर को अपना पूर्वज बताते हुए दशहरा पर्व पर रावण दहन का विरोध किया गया था।साथ ही उन्होंने रावण दहन प्राचीन परम्परा ना होने, इससे आपसी सौहार्द बिगड़ने, और यह परंपरा 1969 से शुरू होने की बात कहते हुए, रावण दहन का विरोध किया था।जिसके विरोध में अब आदिवासी समाज के दूसरे तबके ने ज्ञापन सौपते हुए,इसे एक हालिया साजिश बताया है।जिन्होंने रावण को अपना पूर्वज मानने से इंकार करते हुए, रावण व महिषासुर दहन का समर्थन किया है।साथ ही उन्होंने अपने आप को रावण का वंशज बताने वाले, व समाज मे मिथ्या जानकारी प्रसारित करने वालो पर आईपीसी की धारा 153(ए), 295(ए), और 505 सहित अन्य सम्बधित धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर, वैधानिक कार्यवाही कर, ऐसे लोगो का देश निकाला किए जाने की भी मांग की है।

इनकी छीनी जाए भारतीय नागरिकता ,भेजा जाए श्रीलंका- लखन मरावी

जनजाति समाज सामाजिक कार्यकर्ता लखन मरावी ने बताया कि दो-तीन दिन पूर्व हमें ज्ञात हुआ की सर्व आदिवासी समाज के अध्यक्ष भुवन सिंह कोर्राम सहित अन्य लोगों के द्वारा एक ज्ञापन दिया गया है जिसमें उन्होंने रावण को अपना पूर्वज बताते हुए आदिवासी समाज के लोगों को रावण का वंशज बताया है। यह बात असत्य है। यह 1969 से प्रारंभ हुई परंपरा नहीं,बल्कि के अति प्राचीन काल से चली आ रही परंपरा है। जनजाति समाज के लोग भी रावण दहन कार्यक्रम शामिल होकर इसे उत्साहपूर्वक मानते हैं।लेकिन समाज के ही कुछ असामाजिक तत्व समाज को दिशाहीन करने का काम कर रहे हैं, ऐसे लोगों पर कार्यवाही की जानी चाहिए। रावण हमारा पूर्वज नहीं है,रावण दहन होना ही चाहिए।जो लोग रावण को अपना पूर्वज बताते हैं वह साबित करें कि रावण उनके पूर्वज हैं ,उसका प्रमाण दे और अगर वे रावण के वंशज हैं तो फिर हमारी भारत सरकार गृह मंत्रालय से मांग है कि ऐसे लोगों की भारतीय नागरिकता रद्द कर इन्हें रावण के यहां श्रीलंका भेजा जाए।

कीटनाशक के प्रभाव में आने से कृषक की मौत

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। खेत में कीटनाशक दवाई का छिड़काव करते समय, कीटनाशक के प्रभाव में आने से बेहोश एक कृषक की जिला अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई ।मृतक कृषक शिव प्रसाद पिता मेंहतर खैरवार 65 वर्ष ग्राम गणेशपुर थाना लालबर्रा निवासी है।जिला अस्पताल पुलिस ने इस कृषक का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार शिवप्रसाद खैरवार अपने परिवार के साथ खेती किसानी करता था।जिसके परिवार में पत्नी मीरा बाई खैरवार चार बेटी और एक बेटा है। सभी की शादी हो चुकी है। शिवप्रसाद खैरवार की चारों बेटी अपने ससुराल में रहती है। शिव प्रसाद खैरवार के बेटा और बहू दो माह पहले ही नागपुर काम करने गए हुए हैं। उनके दो बेटे भावेश 5 वर्ष और राहत 4 वर्ष शिवप्रसाद के साथ में ही रहते हैं। बताया गया है कि 29 सितंबर को सुबह शिव प्रसाद खैरवार अपने खेत में कीटनाशक दवाई का छिड़काव करने के लिए गया था और वह कीटनाशक दवाई का छिड़काव करने के बाद 12:00 बजे घर आया। शिव प्रसाद खैरवार ने घर आकर स्नान किया और खाना खाने के बर्फ वह पलंग पर सो गया था ।कुछ देर बाद शिवप्रसाद ने। खैरवार अपनी पत्नी मीरा बाई को बताया कि उसे ठीक नहीं लग रहा है। मीराबाई ने मोहल्ले वालों की मदद से पति शिव प्रसाद खैरवार को मोटरसाइकिल से लालबर्रा के अस्पताल में भर्ती की थी। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद शिवप्रसाद खैरवार जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया था ।रात्रि 9:30 बजे शिव प्रसाद खैरवार को जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया ।जहां उपचार के दौरान रात्रि 11:30 बजे करीब शिवप्रसाद खैरवार की मौत हो गई । 30 सितंबर को जिला अस्पताल पुलिस ने शिव प्रसाद खैरवार का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिए और संभवत शिव प्रसाद खैरवार कीटनाशक दवाई का खेत में छिड़काव करते समय वह कीटनाशक दवाई के प्रभाव में आने से अस्वस्थ हो गया। जिससे उसकी मौत हो गई। जिला अस्पताल पुलिस ने धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर मर्ग डायरी अग्रिम कार्रवाई हेतु घटना स्थल से संबंधित पुलिस थाना लालबर्रा भिजवा दी है।

दो मोटरसाइकिल आपस में टकराई 6 युवक घायल - तीन युवक हायर सेंटर रेफर

नगर समीप भरवेली रोड देवटोला के पास हुई दुर्घटना

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। नगर समीप भरवेली रोड पर स्थित ग्राम देवटोला के पास दो मोटरसाइकिल आपस में टकराने से दोनों मोटरसाइकिल में सवार 6 युवक घायल हो गये। जिनमे गंभीर रूप से घायल तीन युवक अनुराग अंगारे 20 वर्ष ग्राम धन्सुआ थाना भरवेली, धैर्यजीत दीप 15 वर्ष भरवेली और नारायण 23 वर्ष ग्राम बरबसपुर थाना वारासिवनी निवासी को जिला अस्पताल से हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। तीन घायल लव कुश कोहरे 17 वर्ष ग्राम धन्सुआ थाना भरवेली, रितेश उइके 19 वर्ष, विक्की धुर्वे 17 वर्ष दोनों ग्राम बरबसपुर थाना वारासिवनी निवासी है जिनका इलाज जिला अस्पताल में किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार 29 सितंबर की रात्रि 10:00 बजे करीब लव कुश कोहरे अपने साथी अनुराग अंगारे और धैर्यजीत दीप के साथ मोटरसाइकिल में अपने गांव धनसुआ से बालाघाट आ रहे थे और रितेश उइके अपने साथी नारायण उइके और विक्की धुर्वे के साथ मोटरसाइकिल में अपने गांव बरबसपुर वारासिवनी से भरवेली दुर्गा देखने जा रहे थे। बालाघाट से भरवेली रोड देवटोला नहर के पास दोनों मोटरसाइकिल आपस में टकरा गई इस दुर्घटना में दोनों मोटरसाइकिल में सवार सभी 6 युवक घायल हो गए सभी युवकों को

108 एंबुलेंस से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया गया जहां से अत्यधिक चोट लगने से गंभीर रूप से घायल तीन युवक अनुराग पिता अनिल अंगारे 17 वर्ष ग्राम धनसुआ भरवेली, धैर्यजीत दीप पिता सुरजीत दीप 15 वर्ष भरवेली और नारायण पिता भीमलाल उइके 23 वर्ष ग्राम बरबसपुर वारासिवनी निवासी को जिला अस्पताल से प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया गया वहीं अन्य तीन घायल युवक लव कुश पिता राजेश कोहरे ग्राम धनसुआ भरवेली, रितेश पिता मन्नूलाल उइके 19 वर्ष, और विक्की पिता श्यामलाल धुर्वे 17 वर्ष दोनों ग्राम बरबसपुर वारासिवनी निवासी का इलाज जिला अस्पताल बालाघाट में किया गया। जिला अस्पताल पुलिस ने लवकुश कोहरे और रितेश उइके का बयान लेकर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्रवाई हेतु घटना स्थल से संबंधित पुलिस थाना कोतवाली बालाघाट भिजवा दी है।

कीटनाशक सेवन में आने से एक कृषक की मौत

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। कीटनाशक दवाई सेवन में आने से बेहोश एक व्यक्ति की जिला अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई मृतक गौरी शंकर पिता अमृतलाल बोपचे 40 वर्ष ग्राम खुटिया थाना भरवेली निवासी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गौरी शंकर बच्चे खेती किसानी करता था जिसके परिवार में माता-पिता के अलावा पत्नी वेणिका बोपचे और दो बेटी है। वेणिका बोपचे बालाघाट के नर्मदा नगर में किराए से रहकर होंडा कंपनी में नौकरी करती है और उसकी दो बेटी पढ़ाई करती है। गौरी शंकर बोपचे अपने गांव खुटिया में रहता था। बताया गया है कि 30 सितंबर को सुबह 7:00 बजे गौरी शंकर बोपचे अपने खेत कीटनाशक दवाई का छिड़काव करने के लिए गया था। कीटनाशक दवाई का छिड़काव करने के बाद गौरी शंकर बोपचे अपने घर आया और खाट में सो गया था। पिता अमृतलाल बोपचे के द्वारा पूछने पर गौरी शंकर बोपचे ने चक्कर आना बताया था। तब गौरी शंकर बोपचे के पिता अमृतलाल बोपचे ने इस सम्बंध में गांव के सरपंच पति प्रताप बिसेन को बताया। जिन्होंने गौरीशंकर बोपचे को मोटरसाइकिल से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किए थे।जहां उपचार के दौरान गौरीशंकर बोपचे की मौत हो गई। जिला अस्पताल पुलिस चौकी के प्रधान आरक्षक बारेलाल पांचे मौके की कार्रवाई करने के बाद गौरी शंकर बोपचे का शव जिला अस्पताल के फ्रीजर में रखवा दिये है। जिसका पोस्टमार्टम 1 अक्टूबर को किया जायेगा।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.९, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, संपादक- उमेश बागरेचा, मो.नं. - ९४२५१३८७१० रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /२००९/३२३११, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट